खबरों के 69 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 12 मई 2025 | वर्ष – 69 | अंक – 176 | पृष्ठ – 12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ युद्ध विराम का असली खेल
■ युद्ध : विनाश का वैश्विक... 04
■ झूठ के बखान में सामने आए पाकिस्तान...
■ भारत और पाकिस्तान में हुए युद्धविराम... 09
■ कटहल की खेती की सम्पूर्ण जानकारी
■ सफद आलू और गुलाबी आलू को फेल... 11
■ भारतीय महिला टीम ने...
■ पंकज आडवाणी... 10

सार संक्षेप

अगले हफ्ते शुरू हो सकते हैं आईपीएल के मुकाबले

मुंबई, (एजेंसियां)। आईपीएल 16 मई से फिर शुरू हो सकता है। मौजूदा सीजन के बचे मुकाबले चार वेन्यू पर खेले जा सकते हैं। फाइनल मुकाबला 30 मई को मुमकिन है। नया शेड्यूल जल्द जारी होगा। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा लीग के बाकी मुकाबले अगले हफ्ते से शुरू होंगे। इन्हें चार वेन्यू पर कराया जाएगा। जल्द ही वेन्यू फाइनल किए जाएंगे। लीग बेंगलुरु और लखनऊ मैच के साथ फिर से शुरू होगी। वहीं, सूत्रों के अनुसार फाइनल मैच कोलकाता से बाहर हो सकता है। पिछले शेड्यूल में प्लेऑफ के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाने थे। फाइनल मैच भी कोलकाता में होना था। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच 9 मई को आईपीएल 2025 सस्पेंड करना पड़ा था। बीसीसीआई ने लीग को रोकते हुए कहा था कि देश इस समय युद्ध की स्थिति में है। ऐसे में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन ठीक नहीं है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि युद्ध रुक चुका है। नई परिस्थिति में बीसीसीआई के पदाधिकारी, अधिकारी और आईपीएल संचालन परिषद के सदस्य आईपीएल 2025 दोबारा शुरू करने पर चर्चा करेंगे और कोई फैसला लेंगे। हम देखेंगे कि टूर्नामेंट को पूरा कराने के लिए कौन सा कार्यक्रम सर्वश्रेष्ठ रहता है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- कांग्रेस ने कश्मीर मामले में बाहरी हस्तक्षेप पर ऐतराज जताया है।

चुहिया- हां प्रिये- भारत अपनी समस्या खुद हल करने में सक्षम है तो हस्तक्षेप क्यों ?

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय सेना का दावा

ऑपरेशन सिंदूर में 100 आतंकी, 40 पाक जवान मारे

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 25 घंटे बाद रविवार को तीनों सेनाओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इसमें दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को हुई कार्रवाई में सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मार गिराए। इसमें कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल 3 बड़े आतंकी चेहरे भी शामिल थे। 7 मई को हुई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल्स से हमारे बॉर्डर स्टेट्स में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की।

हमनें उन्हें हवा में ही मार गिराया। एक भी टारगेट सक्सेस नहीं होने दिया। हमने पाकिस्तान को जवाब देते हुए सख्त कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक और अफसर मारे गए। बॉर्डर और एलओसी पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं। राजीव घई ने कहा 8-9 मई की रात को, पाकिस्तान ने सीमाओं के पार हमारे हवाई क्षेत्र में ड्रोन और विमान भेजने की हिमाकत की। बड़े पैमाने पर बुनियादी सैन्य ढांचे को निशाना बनाने के कई असफल प्रयास किए गए। पाकिस्तान ने जब नियंत्रण रेखा पर फिर से उल्लंघन किया तो भारत ने आर्टिलरी फायरिंग से मुंहतोड़ जवाब दिया।

केवल आतंकवादियों को ही निशाना बनाने की बनाई रणनीति- डीजीएमओ राजीव घई ने बताया कि सेना ने सीमा पार के आतंकी परिदृश्य को समझने के लिए >>शेष पृष्ठ 2 पर

'वहां' से गोली चली तो 'यहां' से गोला चलेगा

भारत ने साफ कर दिया था कि पाकिस्तान ने फोन कर भारत से सीजफायर की गुजारिश की थी। अब एक समाचार एजेंसी ने न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट से हवाले से दावा किया है कि- पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी उपराष्ट्र पति जेडी वेंस के बीच बातचीत हुई थी, जिसमें पीएम ने वेंस को दो टूक शब्दों में भारत का स्टैंड समझा दिया था। पीएम मोदी ने जेडी वेंस से कहा कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है, तो इस बार जवाब और भी विनाशकारी और सख्त होगा। पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। अगर वहां से गोली चलेगी, तो यहां से गोला चलेगा।

हमने वहां हमला किया, जहां उन्हें सबसे ज्यादा दर्द हो : एयरमार्शल भारती

एयरमार्शल भारती ने बताया, जम्मू, उधमपुर, पठानकोट, नाल, डलहौजी, फलौदी में इन्होंने हमला किया। हम तैयार थे, हमारे ट्रेंड क्रू ने एयर डिफेंस सिस्टम से तबाह कर दिया। हमारी जमीन पर उनके लगातार हमलों से कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उनके लगातार एयरबेस और पोस्ट पर हमले के बाद हमने उन्हें जवाब दिया। हमने वहां हमला किया, जहां उन्हें सबसे ज्यादा दर्द हो। हमने उनके एयरबेस कमांड सिस्टम, मिलिट्री एयरबेस को हमला किया। चकलाला, रफीकी, रहरयार खान में हमला किया।

सिर्फ आतंकवाद के खिलाफ था ऑपरेशन सिंदूर

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर साफ तौर पर आतंकवाद के साजिशककर्ताओं और उनके ठिकानों को तबाह करने के लिए किया गया था। हमने सीमा पार टेरर कैंप और इमारतों को पहचाना। यह बहुत बड़ी समस्या में थे। इनमें से कई को पहले ही खाली कर दिया था, क्योंकि उन्हें हमारे एक्शन का डर था। हमने इस ऑपरेशन में सिर्फ आतंकवादियों को टारगेट किया। हमने 9 ठिकानों को एजेंसियों के जरिए पहचाना। कुछ पीओके में थे और कुछ पाकिस्तान में थे। मुरीदके लश्कर का हेडक्वार्टर था। अजमल कसाब, डेविड हेडली ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। घई ने कहा 8-9 मई की रात को, पाकिस्तान ने सीमाओं के पार हमारे हवाई क्षेत्र में ड्रोन और विमान भेजने की हिमाकत की। बड़े पैमाने पर बुनियादी सैन्य ढांचे को निशाना बनाने के कई असफल प्रयास किए गए। पाकिस्तान ने जब नियंत्रण रेखा पर फिर से उल्लंघन किया तो भारत ने आर्टिलरी फायरिंग से मुंहतोड़ जवाब दिया।

संसद का विशेष सत्र बुलाए सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली,(एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। अपने पत्र में दोनों नेताओं ने पीएम मोदी से संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने का अनुरोध किया है।

कांग्रेस पार्टी की तरफ से ये मांग पहलगाम आतंकी हमले और भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही की जा रही है। वहीं एक दिन पहले भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम के बाद से कांग्रेस पार्टी ने अपनी मांग फिर से दोहराई है। राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा मैं संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाने के विपक्ष के सर्वसम्मत अनुरोध को दोहराता हूं। लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है, जिसकी घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने की थी। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी अवसर होगा। मुझे विश्वास है कि आप इस मांग पर गंभीरतापूर्वक एवं शीघ्रता से विचार करेंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने पत्र में लिखा- आपको याद होगा कि मैंने, राज्य सभा में विपक्ष के नेता के रूप में तथा लोक सभा में विपक्ष के नेता के रूप में, आपसे पहलगाम में हुए अमानवीय आतंकवादी हमले के मद्देनजर संसद के दोनों सदनों का एक विशेष सत्र बुलाने के लिए अपने दिनांक 28 अप्रैल 2025 के पत्रों के माध्यम से अनुरोध किया था। नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपको एक बार फिर पत्र लिखकर बताया है कि पहलगाम आतंकवाद, ऑपरेशन सिंदूर तथा पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारों की तरफ से की गई युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाने के लिए सभी विपक्षी दलों का सर्वसम्मति से अनुरोध है।

अमेरिका के हस्तक्षेप पर जताया ऐतराज

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका की ओर से किए गए एलान के मद्देनजर अब पहले से कहीं अधिक जरूरत है कि प्रधानमंत्री एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करें और राजनीतिक दलों को विश्वास में लें। कांग्रेस नेता सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में दो बिंदुओं में सरकार के सामने मांग रखी है।

◆ खड़गे व राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

युवाओं को रोजगार देकर स्वावलम्बी प्रदेश बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

◆ इंदौर में महापौर मेगा रोजगार मेले में150 से अधिक कंपनियों ने दिए रोजगार के अवसर

◆ लगभग 20 हजार युवाओं ने कराया पंजीयन

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे राज्य का युवा सक्षम, योग्य और आत्म-निर्भर बने यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि रोजगार और स्वरोजगार देकर स्वावलम्बी समाज और स्वावलम्बी प्रदेश बनाया जाये। इस दिशा में हम तेजी से लगातार आगे बढ़ रहे है।

प्रदेश में हर क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिये तेजी से प्रयास किये जा रहे है, चाहे वह परम्परागत दुग्ध पालन का क्षेत्र हो या आधुनिक आईटी का क्षेत्र। प्रदेश में रोजगार आधारित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिये इंड्रस्टी कॉन्क्लेव व्यापक स्तर पर आयोजित की गई। इसके बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज रविवार को दशहरा मैदान, इंदौर में आयोजित महापौर मेगा रोजगार मेला के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोजगार मेले को मिले बेहतर प्रतिसाद की सराहना की और कहा कि ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से सरकार और प्रशासन युवाओं को अवसर, मंच और मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। उन्होंने युवाओं को रोजगार देने की दिशा में इंदौर जिले में हर एक पंचायत में स्थापित किये गये उद्योग लगाने के अभियान की भी प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि इंदौर जिले में अभियान चलाकर सभी पंचायतों में उद्योग स्थापित कराने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से कहा कि आज का युग कौशल का है। डिग्री के साथ व्यवहारिक ज्ञान और संवाद कौशल भी ज़रूरी हैं। >>शेष पृष्ठ 2 पर

आईसीएआर के पूर्व महानिदेशक की संदिग्ध मौत

नई दिल्ली। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) के पूर्व सदस्य वेणुगोपाल बदरावाड़ा ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और आईसीएआर के पूर्व महानिदेशक सुब्बण्णा अय्यप्पन की रहस्यमयी मौत की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने इसे एक असमय और संदिग्ध मौत करार दिया है। बदरावाड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में कहा कि अय्यप्पन की मौत के हालात बेहद चिंताजनक हैं। उनकी स्कूटर नदी किनारे लावारिस हालत में मिली और मृत्यु का कारण अब तक स्पष्ट नहीं है। यह पूरी घटना एक कोर्ट-निगरानी वाली सीबीआई जांच की मांग करती है।

'इंदिरा होना आसान नहीं'

दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर लगे होर्डिंग

नई दिल्ली, देशबन्धु। भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बाद सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर जारी है। कोई इसे पीएम मोदी की कमजोरी बता रहा है तो कोई इसे भारत की एक सोची समझी रणनीति बता रहा है। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो इस बात का आकलन कर रहे हैं कि इंदिरा गांधी कहीं ज्यादा पीएम मोदी से मजबूत और निडर थीं।

कांग्रेस भी इसको लेकर 1971 का उदाहरण पेश कर रही है। कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल से इंदिरा गांधी और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की तस्वीर साझा की गई है। इस तस्वीर के साथ कांग्रेस ने लिखा है, 'इंदिरा गांधी ने निक्सन से कहा था- हमारी रीढ़ की हड्डी सीधी है। हमारे पास इच्छाशक्ति और संसाधन हैं कि हम हर अत्याचार का सामना कर सकते हैं। वो वक्त चला गया जब कोई देश तीन-चार हज़ार मील दूर बैठकर ये आदेश दे कि भारतीय उसकी मर्ज़ी के हिसाब से चलें।' कांग्रेस ने ट्वीट में लिखा, 'ये थी हिम्मत। यही था भारत के लिए डटकर खड़ा होना और देश की गरिमा के साथ कोई समझौता ना करना।'

वहीं, अब इसी बीच दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय के बाहर एक होर्डिंग को लगाया गया है। जिस पर लिखा है, 'इंदिरा होना आसान नहीं' और 'भारत को इंदिरा की याद आती है'। इस होर्डिंग में इंदिरा गांधी की फोटो के साथ दो कांग्रेस नेताओं की भी फोटो लगी है। कांग्रेस नेताओं के नाम अक्षय लाकड़ा और उदय भानू है। होर्डिंग में इंदिरा गांधी की कई फोटो को जगह दी गई है।

पुणे के पर्वतारोही जितेंद्र गवारे ने रचा इतिहास

मुंबई। महाराष्ट्र में पुणे के पर्वतारोही जितेंद्र गवारे ने माउंट मकालू पर्वत शिखर फतह किया। मकालू शिखर 8,485 मीटर ऊंचा दुनिया का पांचवां सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है। इतनी ऊंची पर्वत चोटी पर चढ़ाई करने वाले जितेन्द्र गवारे महाराष्ट्र के पहले पर्वतारोही बन गए हैं। इसके साथ ही, गवारे उन चुनिंदा भारतीय पर्वतारोहियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने नेपाल हिमालय की सभी आठ हजार मीटर ऊंची चोटियों पर चढ़ाई की है। पर्वतारोहियों की संस्था गिरि प्रेमी की ओर से बताया गया है कि जितेन्द्र गवारे ने 10 मई की सुबह 4.50 बजे माउंट मकालू पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। उनकी सफलता पर बधईयों का तांता लगा है।

राय

भारत-पाक सीजफायर पर पूर्व सेना प्रमुखों और विश्लेषकों ने कहा-

ऐसा मौका अब आगे नहीं मिलेगा

नई दिल्ली। युद्ध की कगार पर पहुंचते-पहुंचते अचानक भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले संघर्ष के बाद 10 मई की शाम पांच बजे संघर्ष विराम लागू हो गया है। वहीं इस संघर्ष विराम पर तमाम पूर्व सेना प्रमुखों और रक्षा विशेषज्ञों ने अपनी अलग राय रखी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकियों पर कार्रवाई करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव दो दशक बाद चरम पर पहुंच गए हैं।

मनोज नरवणे-भारतीय सेना के पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज एम नरवणे ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा- जमीन, समंदर और हवाई सैन्य अभियानों का बंद होना एक बहुत ही स्वागत योग्य घटनाक्रम है। हालांकि हमें स्थायी दीर्घकालिक समाधान तक पहुंचने के लिए अन्य मोर्चों पर दबाव बनाए रखना चाहिए। हम घटना आधारित प्रतिक्रिया नहीं कर सकते और आतंकी हमलों में जान नहीं गंवा सकते। यह तीसरा हमला है, भविष्य में कोई और मौका नहीं है।

वेद मलिक -वहीं भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख वेद मलिक ने भी अपने एक्स हैंडल पर किए गए एक पोस्ट में लिखा- युद्ध विराम 10 मई 25 हमने भारत के भविष्य के इतिहास को यह पूछने के लिए छोड़ दिया है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी भीषण आतंकी हमले के बाद उसकी कार्रवाइयों से क्या राजनीतिक-रणनीतिक लाभ, यदि कोई हो, हासिल हुआ।

जीत के मुंह से हार छीनना भारत के राजनीति की परंपरा-वहीं इस पर रक्षा विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जीत के मुंह से हार छीनना लंबे समय से भारतीय राजनीतिक परंपरा रही है। अपने एक्स हैंडल पर उन्होंने कुछ उदाहरण भी साझा किए हैं।

1948- भारत जम्मू और कश्मीर के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाता है और फिर जब भारतीय सेना जीत की ओर बढ़ रही होती है, तो युद्ध विराम पर सहमत हो जाता है।

1954- बिना किसी बदले के, भारत तिब्बत में अपने अतिरिक्त क्षेत्रीय अधिकारों को छोड़ देता है और चीन के तिब्बत क्षेत्र को मान्यता देता है।

1960- भारत ने सिंधु बेसिन के पानी के चार-पांचवें हिस्से को अपने दुश्मन पाकिस्तान के लिए सुरक्षित रखने के लिए एक संधि पर हस्ताक्षर किए।

1966- भारत ने 1965 के युद्ध की शुरुआत करने वाले पाकिस्तान को अत्यधिक रणनीतिक हाजी पीर लौटा दिया, जो बाद में पाकिस्तान के लिए भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ करने का लॉन्चपैड बन गया। >>शेष पृष्ठ 2 पर

डाक पंजीयन क्रमांक एसएसपी जबलपुर/04/2020-2022 | www.deshbandhump.com

देश-विदेश

उधमपुर एयर बेस पाकिस्तानी ड्रोन की चपेट में आने से जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर एयर बेस पर संघर्ष विराम की घोषणा से कुछ समय पहले एक पाकिस्तानी ड्रोन की चपेट में आने से एक जवान शहीद हो गया। ड्यूटी पर तैनात एक राजस्थानी जवान शनिवार को उधमपुर स्थित एयर बेस पर आर्मी एयर डिफेंस की ओर से सफलतापूर्वक रोके गए पाकिस्तानी ड्रोन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि यह घटना भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम की घोषणा से कुछ घंटे पहले हुई।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का बड़ा फैसला

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर लगा बैन

ढाका/नई दिल्ली,एजेंसियां। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें बहुत बढ़ गई हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई आतंकवाद विरोधी कानून के तहत की गई है।

इस कदम को शेख हसीना के लिए बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है। यूनुस के कार्यालय ने कहा कि इस संबंध में आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना अगले कार्य दिवस पर जारी की जाएगी। बयान में कहा गया कि यह प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा, जब तक अवामी लीग और उसके नेताओं के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) में चल रही सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, ताकि देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा की जा सके। यूनुस सरकार ने यह भी कहा कि यह फैसला 2024 के जुलाई में हुए आंदोलन के नेताओं और कार्यकर्ताओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। इसके अलावा, यह फैसला अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमा चलाने वाले शिकायतकर्ताओं और गवाहों की सुरक्षा के लिए भी लिया गया है। यूनुस की अध्यक्षता में हुई बैठक में आईसीटीकानून में भी बदलाव किया गया, जिससे अब किसी भी राजनीतिक पार्टी और उसके संगठनों पर मुकदमा चलाया जा सकता है। बता दें कि आवामी लीग का गठन 1949 में हुआ था। अवामी लीग ने दशकों तक तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में बंगालियों की आजादी के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया।

आवामी लीग ने ही साल 1971 में मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था। इस कारण ही अलग बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। वहीं शेख हसीना बीते 16 सालों से अवामी लीग सरकार का नेतृत्व कर रही थी, लेकिन पिछले साल 5 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक जन विद्रोह में बांग्लादेश में तख्तापलट हुआ और शेख हसीन को भारत भागना पड़ा है। उनके निष्कासन के तीन दिन बाद, यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला।

बांग्लादेश में अगले साल आम चुनाव संभव

बांग्लादेश में तख्तापलट के शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था, जिसके तहत मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहा है। इसी कड़ी में बांग्लादेश में लोकतंत्र बहाल करने की मांग होने लगी है। ऐसे में माना जा रहा है कि अंतरिम सरकार जल्द ही आम चुनाव करा सकती है। माना जा रहा है कि दिसंबर 25 से जून 26 के बीच बांग्लादेश में आम चुनाव हो सकते हैं।

पुतिन का यूक्रेन को सीधी बातचीत का प्रस्ताव

मॉस्को,(एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत का प्रस्ताव रखा है। पुतिन ने कहा कि 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ बात कर सकते हैं।

यह प्रस्ताव कीव और यूरोपीय नेताओं के 12 मई से बिना शर्त 30 दिन के सीजफायर के ऐलान करने के कुछ घंटों बाद आया है। हालांकि, पुतिन ने यूक्रेन के साथ सीजफायर पर सहमत होने के अल्टीमेटम को अस्वीकार कर दिया है। यूक्रेन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के नेताओं ने शनिवार को कीव में रूसी राष्ट्रपति को धमकी दी थी कि अगर वे सीजफायर पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं तो बाकी देश यूक्रेन को सैन्य समर्थन देंगे। इस पर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन से 2022 से बंद हुई बातचीत बिना किसी पूर्व शर्त के फिर से शुरू करेंगे। रूसी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने पहले भी बात की थी, लेकिन तब लड़ाई रोकने पर सहमति नहीं बन पाई थी। पुतिन ने कहा कि वह यूक्रेन के साथ 2022 में बंद हुई शांति वार्ता को बिना किसी शर्त के फिर से शुरू करने को तैयार हैं। उन्होंने यूरोपीय नेताओं की सैन्य दबाव की रणनीति को खारिज करते हुए सीजफायर पर किसी अल्टीमेटम को मानने से इनकार किया।

इस्तंबुल में 15 मई को दोंनो देशों के बीच बातचीत संभव

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) मण्डला, जिला- मण्डला

क्रमांक/निर्माण/ई-निविदा/ सहा. आयु./2024-25/4008 मण्डला दिनांक-05/05/2025

ऑनलाईन (प्रथम) ई-निविदा

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से प्रतिशत दर पर मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम ठेकेदारों से तालिका में अंकित निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की प्रचलित दर अनुसूची (भवन कार्य हेतु) जो परियोजना संचालक, लोक निर्माण विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा जारी एवं दिनांक 01/01/2024 से प्रभावशाली है तथा विद्युतीकरण कार्यों हेतु प्रचलित दर अनुसूची लोक निर्माण विभाग (विद्युत प्रभाग) म.प्र. द्वारा जारी एवं दिनांक 01/01/2024 से प्रभावशाली (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) तथा सी.सी. रोड निर्माण कार्य हेतु फरवरी 2022 से प्रभावशाली (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन-लाइन निविदा वर्ष 2025-26 के लिये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण ऑन लाइन पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

अत: ऑन-लाइन निविदा प्रपत्र विक्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि 30/05/2025 कार्यालयीन समय शाम- 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है तथा निविदा का शेड्यूल (key date) विभागीय ई निविदा के पोर्टल पर देखा जा सकता है।

क्र.	कार्य का नाम	Online Tender NIT No.	निविदा कार्य की लागत राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (लाखों में)	अमानत राशि (लाखों में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीयन की श्रेणी
1	बैगा जनजाति सांस्कृतिक केन्द्र भवन निर्माण कार्य मण्डला एवं सेनेट्री पेयजल, विद्युत कार्य सहित।	2025-TAD-421655	376.93 (तीन करोड़ छिहत्तर लाख तिरान्वे हजार)	0.15 (पंद्रह हजार)	3.77 (तीन लाख सतहत्तर हजार)	18 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

अतएव उपरोक्तानुसार दर्शित कार्य को समय सीमा पर पूर्ण कराने के निर्देश पोर्टल पर देखा जा सकता है तथा निविदा की शेष अनिवार्य शर्ते निविदा पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
जनजातीय कार्य विभाग मण्डला

G-12683/25

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरुरी है।

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) मण्डला, जिला- मण्डला

क्रमांक/निर्माण/ई-निविदा/ सहा. आयु./2025-26/3790 मण्डला दिनांक-25/04/2025

ऑनलाईन ई-निविदा (प्रथम आमंत्रण)

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से प्रतिशत दर पर मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम ठेकेदारों से तालिका में अंकित निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की प्रचलित दर अनुसूची (भवन कार्य हेतु) जो लोक निर्माण विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा जारी तथा विद्युतीकरण कार्यों हेतु प्रचलित दर अनुसूची लोक निर्माण विभाग (विद्युत प्रभाग) म.प्र. द्वारा जारी एवं दिनांक 01/01/2024 एवं रोड कार्य हेतु निम्नानुसार कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा वर्ष 2025-26 के लिये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण ऑन लाइन पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। अत: ऑन-लाइन निविदा प्रपत्र विक्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि 28/05/2025 कार्यालयीन समय शाम- 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है तथा निविदा का शेड्यूल (key date) विभागीय ई निविदा के पोर्टल पर देखा जा सकता है।

क्र.	कार्य का नाम	Online Tender NIT No.	निविदा कार्य की लागत राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (लाखों में)	अमानत राशि (लाखों में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीयन की श्रेणी
1	विकास खण्ड मण्डला अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास / आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों /भवनों के सुदृढीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से (शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत / निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श, की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवाल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।	2025-TAD-421028	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
2	विकास खण्ड नैनपुर अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास / आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों /भवनों के सुदृढीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से (शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत / निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श, की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवाल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।	2025-TAD-421029	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
3	विकास खण्ड मोहगांव अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास / आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों /भवनों के सुदृढीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से (शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत / निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श, की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवाल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।	2025-TAD-421030	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
4	विकास खण्ड घुघरी अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास / आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों /भवनों के सुदृढीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से (शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत / निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श, की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवाल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।	2025-TAD-421031	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
5	विकास खण्ड बिछिया अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास / आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों /भवनों के सुदृढीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से (शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत / निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श, की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवाल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।	2025-TAD-421032	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
6	विकास खण्ड मवई अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास / आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों /भवनों के सुदृढीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से (शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत / निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श, की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवाल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।	2025-TAD-421034	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
7	विकास खण्ड निवास अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास / आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों /भवनों के सुदृढीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से (शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत / निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श, की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवाल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।	2025-TAD-421033	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
8	विकास खण्ड नारायणगंज अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास / आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों /भवनों के सुदृढीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से (शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत / निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श, की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवाल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।	2025-TAD-421035	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
9	विकास खण्ड बीजाडांडी अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास / आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों /भवनों के सुदृढीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से (शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत / निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श, की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवाल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।	2025-TAD-421036	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

अतएव उपरोक्तानुसार दर्शित कार्यों को समय सीमा पर पूर्ण कराने के निर्देश पोर्टल पर देखा जा सकता है तथा निविदा की शेष अनिवार्य शर्ते निविदा पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
जनजातीय कार्य विभाग मण्डला

G-12674/25

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरुरी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

ऑपरेशन सिंदूर में.....

बहुत मेहनत की। सुरक्षाबलों ने सूक्ष्मता से काम किया और आतंकी शिविरों और प्रशिक्षण स्थलों की पहचान की। कार्रवाई करने के लिए कई जगहें सामने आईं, लेकिन हमने गहन विचार-विमर्श किया, हमें एहसास हुआ कि इनमें से कुछ आतंकी केंद्र अब मौजूद नहीं हैं। हमने तय किया था कि हम केवल आतंकवादियों को ही निशाना बनाएंगे और आम नागरिकों के साथ-साथ दूसरे नुकसान को रोका जाएगा। खुफिया एजेंसियों ने नौ आतंकी शिविरों के बारे में पुष्टि की। इनमें से कुछ पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में थे, जबकि कुछ अन्य पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में थे। मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा का केंद्र है। पिछले कई वर्षों में यहां अजमल कसाब और डेविड हेडली जैसे कुख्यात लोगों को ट्रेनिंग मिली है। वहीं एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि 8-9 मई की रात श्रीनगर से नलिया तक ड्रोन और एयरक्राफ्ट से हमला हुआ। उन्होंने जो टारगेट चुने थे उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। यह हमला आधी रात तक जारी रहा। मिलिट्री या सिविलियन इन्फ्रास्ट्रक्चर पर नुकसान नहीं हुआ। वे लड़ाई चाहते थे और हम तैयार थे। हमने उनके मिलिट्री ठिकानों पर हमला किया। उनके लाहौर और गुंजरावाला के सर्विलेंस राडार ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद उनके ड्रोन अटैक सुबह तक जारी रहे, जिसका हमने जवाब दिया। लाहौर के करीब से ड्रोन अटैक लॉन्च किए गए थे। उन्होंने अपने और इंटरनेशनल पैसेंजर विमान एयर स्पेस में उड़ने दिए। तीनों सेनाओं के अधिकारी जब प्रेस ब्रीफिंग करने पहुंचे तो ऑडियो-वीडियो प्रस्तुति चलाई गई। इसके माध्यम से भी भारतीय सेना ने स्पष्ट संदेश दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि जिस बैकग्राउंड संगीत का इस्तेमाल किया गया वह- शिव तांडव स्तोत्र का है। एयरमार्शल एके भारती, लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और मेजर जनरल एसएस शारदा ने भारतीय सेना की कार्रवाई पर जानकारी दी।

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मंडला क्रं. 02 (म.प्र.)

क्रमांक 275/ग्रा.यां.सेवा/2025 मण्डला दिनांक 07.05.2025

सामग्री की दरें हेतु (ऑफ लाईन निविदा)
आमंत्रण सूचना क्रमांक 01/2025-26

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से सामग्री की दर हेतु आमंत्रण सूचना क्रमांक 01/निविदा/2025-26 दिनांक 07.05.2025 द्वारा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग मण्डला क्रमांक 02 जनपद पंचायत नैनपुर/मोहगांव/नारायणगंज /बीजाडांडी के मनरेगा योजनान्तर्गत अमृत सरोवर तालाब निर्माण कार्य में उपयोग की जाने वाली सामग्री के क्रय हेतु दरें आमंत्रित की जाती है। प्रपत्र ऑफ लाईन क्रय करने का प्रारंभ दिनांक 20.05.2025 समय 11.00 बजे से दिनांक 21.05.2025 समय शाम 6.00 बजे तक रहेगी। तथा सामग्री की दरें बंद लिफाफा इस कार्यालय में दिनांक 22.05.2025 समय शाम 3.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। कोटेशन के साथ राशि रुपये 10000.00 की एफ.डी.आर. कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मण्डला क्रं. 02 के नाम राष्ट्रीय कृत बैंक की जमा करना होगा। प्रपत्र क्रय करने हेतु विस्तृत विवरण/शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में इस कार्यालय में देखी जा सकती है। प्राप्त सामग्री की दरें दिनांक 22.05.2025 को समय 3.30 बजे शाम से उपस्थित सभी निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी।

(पी.के. कुशमारे)
कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मण्डला क्र.02
9425563109

जी- 12725/25

In The Court Of III Additional District and Session Judge District Court, Jabalpur Presiding Officer:

इरशाद अहमद

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(EXA/0000016/2022)

कैलाश बम्मी...वादी

Vs

सुनील बम्मी...प्रतिवादी

Process Id-/ 2025

पेशी दिनांक.:-19/06/2025

प्रेषिती-(1) सुनील बम्मी पिता स्व. सोहनलाल बम्मी संपादक दैनिक समाचार पत्र जबलपुर पता-पता 705 दुर्गा कालोनी संजीवनी नगर गढ़ा जिला जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी कैलाश बम्मी ने अपके विरूद्ध ईएक्स ए म.नं. 318 पुराना नया नं. 2551 धम्मन सिंह का बाडा गोरखपुर की रजिस्ट्री कराने हेतु के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 06 मई 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी - प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ आज्ञाप्ति एवं फर्दतालिका की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

कृति

(इरशाद अहमद)
जिला न्यायाधीश तृतीय जबलपुर (म.प्र.)

जाहिर सूचना

दिनांक-09/05/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार श्री मुश्ताक अहमद पिता श्री बस्सन, निवासी- एम/284, वार्ड नं. 12, नौरोजाबाद कुदरी उमरिया जिला उमरिया, (म.प्र.) के द्वारा, श्री मोहम्मद शाबान पिता श्री अब्दुल शकूर, के स्वामित्व एवं अधिपत्य का आवासीय भूखण्ड जो कि नया वार्ड ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वार्ड नं. 74, मौजा अमखेरा नं.ब. 04, प. ह.नं. 22/24 नया 80 रा.नि.म. महाराजपुर विकासखण्ड-पनागर पुरानी तहसील पनागर नई तहसील अधारताल (शेष अमखेरा) जिला जबलपुर मध्य प्रदेश खसरा नं. 130, अपवर्तन पश्चात नया खसरा नं. 130/1/1/1/1/1/1/1/1/1/ 1/1/1 /1/ 1/1/1/1 का भाग में से विक्रय भूमी डायवर्टेड प्लाट रकबा 40 बाई 45 कुल क्षेत्रफल 1800 वर्गफिट होकर उक्त प्लाट के उत्तर में युसुफ अली की सम्पत्ती, दक्षिण में 40 फिट का साईड रोड, पूर्व में 20 फिट का साईड रोड एवं पश्चिम रोड पडोसी की सम्पत्ती है, उक्त प्लाट श्री अब्दुल कादिर पिता श्री हाजी अब्दुल कय्यूम एवं श्रीमती गुलफिसा नूरी पति श्री अख्तर खान पिता श्री हाजी अब्दुल कय्यूम की सहमती से क्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार के द्वारा कर लिया होकर प्रतिफल की बयाना रकम अदा कर दी गई है व अनुबन्ध कर सौदा कर लिया गया है। सदर संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक निकाय आदी का भार, बोझ, लोन क्रय, विक्रय एवं अनुबन्ध या आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 3 दिनों में मय लेखी प्रमाण सहित अपनी लिखित आपत्ति मेरे कार्यालय मे सम्पर्क कर मेरे समक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद मेरे पक्षकार द्वारा उक्त वर्णित सम्पत्ति का विक्रय पत्र पंजियन अपने पक्ष करवा लिया जावेगा व किसी भी प्रकार की आपत्ति मेरे पक्षकार व उपरोक्त सम्पत्ति के विक्रय पर बंधनकारक नहीं रहेगी।

जबलपुर
दिनांक 09/05/2025

सैफ अली, एडव्होकेट
Off: A-14, 40 Feet Road, jagrati nagar, Amkhera Road, Jabalpur (M.P.) (M): 8817698884 E-mail: adv.ashrafisaif@gmail.com

युवाओं को रोजगार.....

मुझे गर्व है कि इंदौर ने इस दिशा में एक अनुकरणीय पहल की है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे इन अवसरों का लाभ उठाएँ और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएँ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत-पाकिस्तान संबंधों और सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर कहा कि देश अब पहले जैसा नहीं रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी शक्ति, रणनीति और तकनीकी क्षमता से यह सिद्ध कर दिया है कि हम शांति चाहते हैं, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर करारा जवाब देना भी जानते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने एक नई दिशा प्राप्त की है। आज भारत किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन अगर कोई भारत को छेड़ने की गलती करता है, तो उसे हम कभी छोड़ते नहीं हैं। हमारी सेनाएं अब पारंपरिक युद्ध पद्धतियों से आगे बढ़कर अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रही हैं। इससे दुश्मनों को हर मोर्चे पर जवाब दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत की रक्षा नीति की तुलना 'नए युग के नए भारत' से करते हुए कहा कि यह वही भारत है जो संयम रखता है, परंतु आवश्यकता होने पर शौर्य और पराक्रम का परिचय देने में पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आत्म-निर्भरता की दिशा में भी तेज़ी से अग्रसर है, चाहे वह रक्षा उत्पादन हो, सामरिक नीति हो या वैश्विक कूटनीति। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से कहा कि सरकार और सेनाओं पर विश्वास रखें, भारत अब एक सशक्त, आत्मनिर्भर और निर्णायक राष्ट्र के रूप में उभर रहा है।

नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भारत की पहचान उसके युवा हैं, और यही युवा देश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत एक ऐसा देश है जहाँ सबसे अधिक युवा जनसंख्या है, जो हमारे लिए गौरव की बात है। श्री विजयवर्गीय ने बताया कि युवाओं के कल्याण और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर सतत् प्रयास कर रही हैं।

तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने भी मेले को संबोधित किया।

प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने रोजगार मेला आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मालिनी गौड़, रमेश मेंदोला तथा गोलू शुक्ला, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष सावन सोनकर, सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष प्रताप करोसिया, सुमित मिश्रा, पूर्व विधायक जीतू जिराती तथा सुदर्शन गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इंदौर नगर निगम द्वारा आयोजित महापौर मेगा रोजगार मेला में युवाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। मेले में 150 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया और 10 हजार से अधिक रोजगार अवसर प्रस्तुत किये। इसके विरूद्ध 20 हजार युवाओं ने अपना पंजीयन कराया।

भाग लेने वाली प्रमुख कंपनियाँ-पेटीएम, एयरटेल, ज़ोमेटो, सोनी इंडिया, डॉ. रेड्डी ग्रुप, टॉरस प्राइवेट लिमिटेड, पटेल मोटर्स, एनआईआईटी लिमिटेड, आईटी, रिटेल, ई-कॉमर्स, फार्मा, कंसल्टेंसी, फिनटेक, सेल्स, अकाउंटिंग एवं मार्केटिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनियाँ शामिल हुई।

ऐसा मौका अब नहीं......

1972- शिमला में, भारत ने पाकिस्तान से बदले में कुछ भी हासिल किए बिना वार्ता की मेज पर अपने युद्ध लाभ को दे दिया। **2021-** चीन की तरफ से लद्दाख की प्रमुख सीमा पर 2020 में किए गए गुप्त अतिक्रमण के बाद, भारत ने रणनीतिक कैलाश हाइट्स को खाली कर दिया, ये पहाड़ियां इतनी अहम थीं कि भारत के पास चीन से बातचीत में दबाव बनाने का एकमात्र मजबूत कार्ड थीं और फिर लद्दाख के कुछ क्षेत्रों में चीन की तरफ से डिजाइन किए गए बफर जोन पर सहमति व्यक्त की। **2025-** आतंकवादी प्रॉक्सी के माध्यम से पाकिस्तान के चार दशक लंबे हजारों घावों वाले युद्ध को समाप्त करने के लिए, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, लेकिन बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य को हासिल किए इसे तीन दिन बाद ही रोक दिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्यों बदले हालात-ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में कुल नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। इस कार्रवाई में कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए हैं। इसके बाद से पाकिस्तान ने सीमा पर लगातार सीजफायर का उल्लंघन किया और भारत के कई शहरों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। इसके बाद भारत ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के 14 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। जिसके बाद भारतीय की ताबड़तोड़ कार्रवाई और वैश्विक दवाब के कारण पाकिस्तान ने भारत के सामने संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा। जिसे दोनों देशों ने चर्चा के बाद लागू किया। हालांकि, पाकिस्तान ने कुछ ही घंटे बाद इस संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और सीमा पार से गोली और ड्रोन के जरिए हमले भी किए थे।

देश-प्रदेश

उवाच

भारत-पाक के शक्तिशाली नेतृत्व पर गर्व

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच 4 दिनों तक चली सीमा पार की सशस्त्र शत्रुता को समाप्त करने वाले युद्ध विराम में अमेरिका की भागीदारी का दावा करने के एक दिन बाद, राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अब कश्मीर मुद्दे के हजार साल बाद समाधान के लिए अमेरिकी मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा है, और भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार का विस्तार करने का संकल्प लिया है। रविवार की सुबह ट्रंप ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद में नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें गर्व है कि अमेरिका इस ऐतिहासिक और वीरतापूर्ण निर्णय पर पहुंचने में मदद करने में सक्षम था।

रक्षा मंत्री ने किया ब्रह्मोस सेंटर का उद्घाटन

लखनऊ में होगा ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन

लखनऊ, देशबन्धु। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लखनऊ में ब्रह्मोस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी सेंटर का उद्घाटन किया है। 300 करोड़ रुपए की यह सुविधा उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसमें न केवल मिसाइल उत्पादन बल्कि टेस्टिंग, इंटीग्रेशन और एयरोस्पेस-ग्रेड कंपोनेंट्स के लिए एक मैटेरियल कॉम्पलेक्स भी शामिल है।

यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ी छलांग है, जिससे क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को रणनीतिक बढ़ावा मिलेगा। ब्रह्मोस टेस्टिंग फैसिलिटी से इस मिसाइल की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और प्रदर्शन को सुनिश्चित किया जाता है, जो इसके इंटीग्रेशन और टेस्टिंग में अहम भूमिका निभाती है। इस फैसिलिटी के जरिए मिसाइल को असेंबल करने के लिए विभिन्न घटकों और उनकी क्षमता का परीक्षण करने के लिए हाई क्वालिटी टेक्नालॉजी का इस्तेमाल किया जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर के लखनऊ नोड में सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की उत्पादन

यूनिट साढ़े तीन वर्ष में तैयार हुई है। इसका शिलान्यास 26 दिसंबर 2021 को हुआ था। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर की घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में की थी। इस कारिडोर के छह नोड लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, झांसी और चित्रकूट में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए व्यापक निवेश हो रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जिस परिस्थिति से हम गुजर रहे हैं इसलिए मैं लखनऊ नहीं आ पाया। आज ही 1998 में पोखरण में भारत ने अपनी ताकत दिखाई थी। चालीस महीने में ये प्रोजेक्ट पूरा हुआ। आजकल जो परिस्थितियां हैं, उसमें समयबद्ध काम की जरूरत है। जिन आतंकियों ने आतंकी हमला करके हमारी बहनों का सिंदूर मिटाया उसका जवाब आपरेशन सिंदूर ने दिया।

3 सौ करोड़ की लागत से यूनिट हुई तैयार

ब्रह्मोस प्रोडक्शन यूनिट 300 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की गई है। इसके लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने 80 हेक्टेयर जमीन निःशुल्क उपलब्ध कराई थी, जिसका निर्माण मात्र साढ़े तीन वर्षों में पूरा हुआ। ब्रह्मोस मिसाइल की मारक क्षमता 290-400 किलोमीटर और गति मैक 2.8 (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुणा) है। यह मिसाइल जमीन, हवा, और समुद्र से लांच की जा सकती है और 'फायर एंड फारगेट' सिद्धांत पर काम करती है, जिससे यह दुश्मन के राडार से बचकर सटीक निशाना लगा सकती है।

राज्यपाल शिल्प ग्राम महोत्सव समापन कार्यक्रम में शामिल हुए, कहा-

जनजातीय कला और शिल्प हमारी लोक संस्कृति की अनमोल धरोहर

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय द्वारा सदियों से संरक्षित खान-पान, लोक कलाएं, शिल्प, वस्त्र, आभूषण, उपकरण और चिकित्सा पद्धतियां सभी हमारी अनमोल धरोहर है। हमारी इस लोक संस्कृति का संरक्षण और प्रोत्साहन समाज का दायित्व है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय की सतत आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित मौलिक, स्वाभाविक, कला, शिल्प और संस्कृति की सृजनशीलता को निखार कर व्यवसायिक बनाने के प्रयासों की सराहना की है।

जनजातीय समुदाय की सतत आजीविका के लिए राज्य सरकार के प्रयास सराहनीय

राज्यपाल श्री पटेल तीन दिवसीय शिल्प ग्राम महोत्सव के समापन कार्यक्रम को रवीन्द्र भवन में संबोधित कर रहे थे। महोत्सव का आयोजन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वन्या प्रकाशन, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट के समन्वय से किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने समापन कार्यक्रम के पूर्व सभागार में उपस्थित कलाकारों के पास पहुंचे और समक्ष में उनसे चर्चा की। कार्यक्रम में राज्यपाल को बैतूल जिले के शिल्पकारों की बेल मेटल से बनी जनजातीय कलाकृति स्मृति प्रतीक के रूप में और महोत्सव के प्रशिक्षणार्थी शिल्पियों, कलाकारों द्वारा निर्मित उत्पादों का सेट भेंट किए गए। राज्यपाल का वरिष्ठ गोंड कलाकार आनंद श्याम ने पारंपरिक गोंड परंपरा के अनुसार साफा और बीरन माला से स्वागत किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समुदाय को सक्षम बना कर उनके विकास और खुशहाली के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं।पूरे देश में जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों के सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर को उठाने, स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे में सुधार और आजीविका के कार्य धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की अति पिछड़ी जनजातियों जिनमें राज्य के बैगा, भारिया, सहरिया जनजातीय समुदाय शामिल हैं, उनके लिए जनमन योजना के तहत सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए हैं। आयुक्त जनजातीय कार्य एवं प्रबंध संचालक वन्या प्रकाशन श्रीमन शुक्ला ने महोत्सव की जानकारी देते हुए बताया कि परंपरा को डिजाइन का साथ मिलता है तो वह आजीविका और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन जाता है। समापन कार्यक्रम में गोंड चित्र कलाकार गगन सिंह मरावी, गौंड चित्रकार एवं नृत्यांगना श्रीमती संदीप्ती परस्ते ने प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया। आयुक्त आदिमजाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं श्रीमती वंदना वैद्य ने आभार प्रदर्शन में बताया कि महोत्सव में जनजातीय कार्य मंत्री ने क्रेता के रूप में आकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया था। कार्यक्रम का संचालन विनय उपाध्याय ने किया।

समापन समारोह में अपर मुख्य सचिव सह संचालक जनजातीय अनुसंधान केन्द्र विनोद कुमार, जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन की सदस्य सह सचिव श्रीमती जमुना भिड़े, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के रजिस्ट्रार कृष्ण बिरहमन भी मंचासीन थे।

मुख्यमंत्री इंदौर स्थित लालबाग में चल रहे मालवा उत्सव में हुये शामिल, बोले-

मालवा उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत

लोक कलाकारों का बढ़ाया हौसला

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर के ऐतिहासिक लालबाग परिसर में आयोजित मालवा उत्सव में शामिल हुए। उत्सव में पहुँचकर उन्होंने वहाँ विभिन्न प्रदेशों से आए लोक कलाकारों से मुलाकात कर संवाद किया और उनका हौसला बढ़ाया। मालवा उत्सव में देश के विभिन्न प्रदेशों के साथ ही मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोक कलाकार अपने लोक कलाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्सव में बुनकर और अन्य हस्तशिल्प कलाकारों ने अपनी पारंपरिक हस्तकला, बुनकरी, मिट्टी और धातु की कलाकृतियाँ प्रदर्शित की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मालवा उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत और लोककला की जीवंत प्रस्तुति है। यह आयोजन न केवल कलाकारों को मंच प्रदान करता है, बल्कि जनमानस को भी अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार पारंपरिक कला, संस्कृति और शिल्प के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मालवा की सांस्कृतिक समृद्धि और उत्सवों की परंपरा को गौरव बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय शिल्पकारों को आर्थिक संबल भी प्राप्त होता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में सांसद तथा लोक संस्कृति मंच के संस्थापक शंकर लालवानी ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला तथा गोलू शुक्ला, सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने मालवा उत्सव में बनाए भजिए और चखा स्वाद

लालबाग परिसर में पारंपरिक लोक नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियों के साथ ही भित्तिचित्रों की प्रदर्शनी, हस्तशिल्प और व्यंजन स्टॉल लगाये गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न स्टालों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एक स्टॉल पर भजिए तले और उनका स्वाद चखा। रेजा कार्य, बटिक प्रिंट, ताँबे व पीतल की मूर्तियाँ, और आदिवासी चित्रकलाओं ने दर्शकों का ध्यान खींचा। उत्सव में सांस्कृतिक मंच पर लोकनृत्य की विभिन्न प्रस्तुतियाँ हुईं, जिनमें दर्शकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने रेसीडेंसी कोठी परिसर में किया भूमि-पूजन

न्यायाधीशों के लिये इंदौर में बनेगा गेस्ट हाउस

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इंदौर में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के लिए गेस्ट हाउस बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेसीडेन्सी कोठी परिसर इंदौर में गेस्ट हाउस का शिलान्यास किया। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी, न्यायमूर्ति एस.सी.शर्मा, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत, उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायमूर्ति एवं निर्माण समिति के चेयरमैन संजीव सचदेवा मौजूद रहे।

शिलान्यास समारोह में उच्च न्यायालय के एडमिनिस्ट्रेटिव जज विवेक रुसिया,उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल धर्मेन्द्र सिंह, न्यायामूर्ति आनंद पाठक सहित उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति एवं एडवोकेट विशेष रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, सुमित मिश्रा, संभागायुक्त दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्व. नरेंद्र सलूजा की स्मृति में प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुई श्रद्धांजलि सभा

सलूजा जी ने पार्टी के लिए प्रभावी भूमिका निभाई : शर्मा

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता स्व. नरेंद्र सलूजा की पुण्य स्मृति में भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद सहित वरिष्ठ नेता एवं पत्रकारगणों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि सभा को संबोधित किया। श्रद्धांजलि सभा में स्व. नरेन्द्र सलूजा की धर्मपत्नी श्रीमती रिम्पी सलूजा, पुत्र मीत सलूजा एवं पुत्री सुश्री आश्वी सलूजा सहित उनके परिजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद वष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि स्व. नरेंद्र सलूजा ने बहुत जल्द भारतीय जनता पार्टी की संगठन पद्धति को आत्मसात कर पार्टी के लिए प्रभावी भूमिका निभाई। स्व.नरेंद्र सलूजा ने अपनी योग्यता से दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल भाजपा में बहुत कम समय में अपनी जगह बना ली थी। उन्होंने कर्मठता और ईमानदारी के साथ दायित्व का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि पत्रकार खोजी होता है, लेकिन स्व. नरेंद्र सलूजा की जानकारी पूर्ण होती थी, इसलिए उनकी सूचना सदैव सटीक होती थी। विपक्ष को किस मुद्दे पर घेरना है वे भलीभांति जानते थे। मैं कह सकता हूं कि हमने एक ऐसे कार्यकर्ता को जल्दी खो दिया है जो हमेशा पार्टी की बात को आगे रखकर पार्टी को मजबूत करने का प्रयास करते थे। स्व. नरेंद्र सलूजा का असामयिक चले जाना भाजपा संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका चेहरा और वाणी विपक्ष को हमेशा परेशान करती थी। उनके व्यक्तित्व में विशिष्ट कार्यशैली और शब्दों में तीव्रता थी, जिससे विपक्ष भी हमेशा परेशान रहता था। उनके चले जाने से पार्टी में रिक्तता आयी है। आज हमें विश्वास नहीं होता है कि वह हंसता, खिलखिलाता चेहरा अचानक हम सभी के बीच से ओझल हो गया। वे हम सबकी स्मृतियों में हमेशा रहेंगे।

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने कहा कि स्व. नरेंद्र सलूजा का व्यक्तित्व प्रखर और निडर था। वह सूचना के स्रोत थे। स्व. सलूजा ने पार्टी को हमेशा आगे और स्वयं को पीछे रखकर कार्य किया। उन्होंने कांग्रेस में रहते हुए कांग्रेस के लिए और भारतीय जनता पार्टी में आने के बाद हमारी पार्टी के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम कर जनता के बीच पार्टी की बात को रखने का काम किया।

स्व. नरेंद्र सलूजा हमेशा कार्यकर्ता के तौर पर पार्टी का कार्य करने के लिए सबसे आगे की पंक्ति में खडे रहते थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी, पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, कांग्रेस प्रवक्ता फिरोज सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र शर्मा, सुरेश शर्मा, रविंद्र जैन, विजय शुक्ला, श्रीमती विजया पाठक, नितेंद्र शर्मा, अनुराग श्रीवास्तव, श्रीमती शेफाली गुप्ता ने संबोधित कर स्व. नरेन्द्र सलूजा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा का संचालन प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने किया।

श्रद्धांजलि सभा में पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, भोपाल जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, ग्वालियर जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. हितेश वाजपेयी, सुश्री नेहा बग्गा, बृजगोपाल लोया, कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया, पार्टी पेनालिस्ट श्रीमती गुंजन चौकसे, बृजेश पाण्डे, वंदना त्रिपाठी, कैलाश मिश्रा, सुरजीत सिंह चौहान आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

महाराष्ट्र के सतारा में सड़क दुर्घटना में तीन की मौत

कोल्हापुर/सतारा। महाराष्ट्र में सतारा जिले के फलटण तहसील के सालपे गांव में रविवार को एक सड़क हादसे में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। लोनांद पुलिस के अनुसार उज्जैन में दर्शन के लिए जा रही एक निजी बस सालपे गांव में बिरोबा मंदिर के सामने थी तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मणिपुर में 13 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने काकचिंग और इंफाल पश्चिम जिलों से केसीपी के चार सक्रिय कार्यकर्ताओं को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई-पीएस के अंतर्गत सलाम मानिंग लेइकाई से केसीपी के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। सुरक्षा बलों की एक अन्य टीम ने इंफाल पश्चिम जिले के मयांग लांगजिंग क्वाइसफाई से आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्वी जिले के लामलाई-पीएस के अंतर्गत चिंगरेल तेजपुर से पीआरईपीएके (प्रो) के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया।

स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की कार्रवाई

अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर तासी शेरपा को 5 साल का कठोर कारावास

भोपाल, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर तासी शेरपा को 9 साल की जाँच के बाद ट्रॉयल कोर्ट नर्मदापुरम ने 9 मई, 2025 को सुनवाई के बाद 5 साल के कठोर कारावास और एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। तस्कर तासी शेरपा को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल में 25 जनवरी, 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम में जुलाई-2015 में बाघ के अवैध शिकार और बाघ की हड्डियों की चीन में अवैध तस्करी के प्रकरण में अपराधी तस्कर तासी शेरपा को स्टेट टाइगर फोर्स को विवेचना के लिये सौंपा गया था। स्टेट टाइगर फोर्स ने एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी नर्मदापुरम ने 27 आरोपियों को दोषी ठहराया था।

स्टेट टाइगर फोर्स ने वैज्ञानिक विवेचना करते हुए तासी शेरपा के ब्रेन मेपिंग और नार्को एनालिसिस करवाया। इससे उसके खिलाफ महत्वूर्ण सबूत मिले, जिसके अतिरिक्त साइबर डेटा भी एकत्रित कर न्यायालय में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में पेश किया गया। जाँच के दौरान एसटीएसएफ ने इंटरपोल, वन्य-जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों से सहायता भी ली गयी।

तासी शेरपा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की महत्वपूर्ण कड़ी है। इसका नेटवर्क भारत, नेपाल, भूटान और चीन तक फैला हुआ है। तासी शेरपा मूल रूप से तिब्बत का निवासी है। शेरपा की जमानत को मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय जबलपुर ने खारिज कर दिया था। इसके बाद जुलाई-2024 में उसके द्वारा सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में जमानत याचिका दायर की गयी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने भी याचिका को खारिज कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रॉयल कोर्ट को एक साल के भीतर ट्रॉयल पूरा करने के निर्देश दिये थे। यह देश का पहला मामला है, जिसमें शिकारियों, कुरियर, बिचौलियों और तस्करों सहित 28 व्यक्तियों के पूरे गिरोह को गिरफ्तार कर दोषी ठहराया गया। इसमें एक अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर तासी शेरपा पर सफलतापूर्वक मुकदमा चलाकर दोषी ठहराया गया। इस कार्य में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नर्मदापुरम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देश में फिर बिगड़ेगा मौसम का मिजाज

30 राज्यों में आंधी, बारिश व तूफान की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के 30 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान की चेतावनी है। इस दौरान हवाएं 40 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं। अगले 2 दिन में अधिकतर राज्यों का तापमान 2-4 डिग्री तक बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 30 जिलों में आंधी-बारिश की संभावना है। पूरे मध्य प्रदेश में आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी है। उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी है। वहीं, प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में पारा 40 के करीब पहुंच गया है। आगरा में बीते दिन 80 किमी की रफ्तार से हवाएं चलीं, कई होर्डिंग और पेड़ उखड़ गए। ओडिशा के 16 शहरों में पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा। सबसे ज्यादा 42.7 डिग्री संबलपुर का रहा। पश्चिम बंगाल के 5 जिलों में हीटवेव की स्थिति रह सकती है, तापमान 40.0 डिग्री पार जा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में तापमान 38 डिग्री से 44 डिग्री के बीच रह सकता है। साथ ही हल्की बारिश या धूल भरी आंधी की संभावना है। कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना में भी तापमान 40 डिग्री के करीब जा सकता है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में भी तापमान बढ़ने की संभावना है। मंगलवार को दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा में तापमान 38 डिग्री से 44 डिग्री के बीच रह सकता है। बारिश की स्थिति कम रहेगी। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में तापमान 40 डिग्री के करीब रह सकता है।

इंदिरा गांधी को याद कर रहा पूरा देश : पप्पू यादव

पूर्णिया, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और फिर सीजफायर को लेकर बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि आज पूरा देश इंदिरा गांधी को याद कर रहा है। पूर्णिया में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि जहां 4000 किलोमीटर दूर बैठकर कोई किसी देश के लिए सीजफायर करवाता हो, उस देश का भगवान ही मालिक है।

पप्पू यादव ने कहा कि जब हमारी सेना को फ्री हैंड किया गया है, तो फिर अंकुश क्यों लगाए गए? उन्होंने कहा कि जिस देश में 'एक्स' पर पंचायत होती हो और 4000 किलोमीटर दूर बैठकर सीजफायर कराया जाता है, उस देश का भगवान ही मालिक है। उन्होंने ट्रंप पर तीखा वार करते हुए कहा कि जो दूसरों की कृपा पर चुनाव जीता हैं, वह हमारे भाग्य विधाता बन रहे हैं। हमारी सेना को जब फ्री हैंड किया गया, तो फिर पाबंदी क्यों लगाई? भारत की जनता पीओके से कम पर समझौता नहीं कर रही थी और बीच में सीजफायर का ऐलान करना कहीं से भी सही नहीं है। पप्पू यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को याद करते हुए कहा कि आज देश की जनता को इंदिरा गांधी जैसे नेता की जरूरत है। आज शाहबाज और मुनीर जैसे लोग हमें आंख दिखा रहे हैं, जो आतंकवादियों के पैसे पर पलते हैं।

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 12 मई 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

युद्धविराम का असली खेल

पिछले बुधवार को शुरु हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में एक नया जोश और उम्मीद जागी थी कि अब आतंकवाद के पीड़ितों को इंसाफ मिलेगा और पहलगाम हमले का करारा जवाब पाकिस्तान को दिया जाएगा। इस ऑपरेशन के बाद सरकार की तरफ से यही कहा भी गया कि न्याय कर दिया गया। लेकिन फिर पाकिस्तान की तरफ से आक्रमण शुरु हुए, उनका भी माकूल जवाब भारतीय सेना ने दिया। हालांकि इनमें सीमा पर बसे नागरिकों को जान-माल का काफी नुकसान हुआ, लेकिन देशभक्ति और राष्ट्रवाद के नाम पर इन पर सरकार से सवाल करना गुनाह मान लिया गया। इस बीच शनिवार शाम को अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खबर दी कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों पक्षों से लंबी चर्चा की है और उनकी मध्यस्थता के कारण अब युद्धविराम हो गया है। युद्ध खत्म होगा, इस बात पर राहत तो महसूस हुई, लेकिन यह राहत क्षणिक ही थी क्योंकि कुछ ही देर में पाकिस्तान की तरफ से हमले फिर शुरु हो गए। और फिर शनिवार देर रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने राष्ट्र को संबोधित करते हुए बताया कि उनकी ऐतिहासिक जीत हुई है। यह झटका काफी नहीं था कि रविवार सुबह डोनाल्ड ट्रंप का एक और ट्वीट आ गया, जिसमें ट्रंप ने दावा किया कि अब वह हजारों सालों से चले आ रहे कश्मीर विवाद को भी सुलझाने में मदद करेंगे।

देश ने पहले भी पांच युद्ध देखे हैं, कई बड़े आतंकी हमलों के जख्म खाए हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ हुई साजिशों को झेला है, लेकिन शनिवार से लेकर रविवार तक जितने झटके देश को मिले, ऐसा शायद कभी नहीं हुआ। इनमें सबसे अधिक दुख की बात यह रही कि इतना कुछ होता रहा और नरेन्द्र मोदी का एक लाइन का ट्वीट, एक वाक्य का राष्ट्र के नाम संबोधन सुनाई नहीं दिया। कम से कम रविवार शाम साढ़े छह बजे तक तो यही स्थिति थी।

देश में अब तक जो नहीं हुआ, वो नरेन्द्र मोदी ने मुमकिन कर दिखाया। श्री मोदी ने देश की संप्रभुता को दांव पर लगाते हुए अमेरिका को हमारे मामले में दखलंदाजी की अनुमति दे दी। जिस अंदाज में ट्रंप ने सीज़फायर को लेकर दावे किए उससे तो यही लगता है।

भारत शांतिप्रिय देश है, बावजूद इसके भारत 1947, 1962, 1965, 1971, और 1999 पांच बार युद्ध का हिस्सा बना। इसमें 62 के चीन के आक्रमण में भारत को हार मिली, लेकिन बाकी सारे युद्ध जो पाकिस्तान के साथ लड़े गए, उसमें हमें जीत हासिल हुई। भारत ने यह हमेशा सुनिश्चित किया कि कोई तीसरा देश हमारे मामले में दखलंदाजी न करे। लेकिन इस समय 2025 में पाकिस्तान के साथ जो युद्ध की स्थिति बनी, उसमें पहले तो ऑपरेशन सिंदूर चला कर नरेन्द्र मोदी ने यह बताया कि उनकी सरकार पहले की नीतियों पर ही चलेगी और हमले पर जवाबी कार्रवाई करेगी। लेकिन सात मई को हुए आपरेशन सिंदूर में मिली सफलता के महज 3 दिन बाद ही ट्रंप ने 10 मई की शाम को अचानक दुनिया को संदेश दिया कि उनकी मध्यस्थता के कारण दोनों देश युद्धविराम पर सहमत हुए हैं। 78 सालों में कभी किसी देश ने इस तरह भारत के नाम पर अपना बयान जारी नहीं किया। यहां तक कि रूस ने भी कभी भारत के साथ दोस्ती का ऐसा नाजायज फायदा नहीं उठाया, लेकिन ट्रंप ने ऐसा किया तो जाहिर है नरेन्द्र मोदी से सवाल हो रहे हैं कि वो पूरे मामले की सच्चाई बताएं। क्या उन्होंने ट्रंप को मध्यस्थता करने को कहा, अगर ऐसा है तो फिर उस विपक्ष को भरोसे में क्यों नहीं लिया, जो शुरु से इस मुद्दे पर सरकार के साथ खड़ा है। कांग्रेस की तरफ से फिर से संसद का विशेष सत्र बुलाने और सर्वदलीय बैठक में नरेन्द्र मोदी के शामिल होने की मांग की गई है, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि सरकार विपक्ष की बात सुनेगी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने तो राष्ट्र के नाम संबोधन में इसे पाकिस्तान की ऐतिहासिक जीत कहा, लेकिन श्री मोदी ने तब भी देश को यह नहीं बताया कि भारत अगर जीत का दावा कर रहा है तो फिर पाकिस्तान हार क्यों नहीं मान रहा। अपने संबोधन में शरीफ ने अमेरिका, ब्रिटेन, कतर, सऊदी अरब, तुर्किए, और चीन सबका शुक्रिया अदा किया। ऐसे में भारत को बताना चाहिए कि अगर ये सारे देश पाकिस्तान के साथ खड़े थे तो क्या इन्होंने भारत का विरोध किया है।

दरअसल सीज़फायर के बहाने कश्मीर के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय दखलंदाजी का खेल रचा गया है और इसमें जाहिर हुआ है कि नरेन्द्र मोदी कूटनीतिक मोर्चे पर बुरी तरह पिछड़ चुके हैं। ट्रंप कश्मीर विवाद को जिस तरह भारत-पाक के बीच हज़ारों सालों का मुद्दा बता चुके हैं, यह न केवल तथ्यात्मक तौर पर गलत है, बल्कि बेहद शर्मनाक भी है कि कश्मीर के संवेदनशील मुद्दे को ट्रंप इतने हल्के तरीके से पेश कर रहे हैं। हजारों सालों से विवाद की बात कहकर वे भारत की छवि भी बिगाड़ रहे हैं, क्योंकि भारत का इतिहास ऐसा नहीं रहा है कि वह किसी और की जमीन को जबरन अपना बता कर कब्जा करे। यह काम अमेरिका और ब्रिटेन जैसे साम्राज्यवादी देशों का रहा है, लेकिन ट्रंप भारत का अपमान लगातार कर रहे हैं और मोदी इस पर कुछ नहीं कह रहे।

इन हालात में इंदिरा गांधी को लोगों ने याद करना शुरु किया, जिन्होंने 71 के युद्ध में अमेरिका की धरती से ही अमेरिका को चेतावनी दे दी थी कि हमारे मामले में टांग अड़ाने का उन्हें कोई हक नहीं है। अमेरिका ने तब जो धमकियां दीं, इंदिरा गांधी ने उनका कड़ा जवाब दिया, पाकिस्तान को हराया और उसके दो टुकड़े करके दुनिया का भूगोल बदल दिया। ऐसा कमाल भारत के किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया। मगर मोदी भक्तों को इंदिरा गांधी की वीरता से भी तकलीफ हो रही है। वो सवाल कर रहे हैं कि अगर ऐसा ही था तो फिर देश पर कई आतंकी हमले क्यों हुए। ऐसी मूर्खतापूर्ण बातों का कोई जवाब नहीं हो सकता। लेकिन अफसोस होता है ये देखकर कि मोदी के महिमामंडन में लगे ये भक्त नुमा पत्रकार अनजाने में अपने देश के लिए कृतघ्न हो रहे हैं।

कश्मीर : अमेरिकी दबाव के सामने मोदी खामोश

क्या प्रधानमंत्री मोदी युद्धविराम की तरह कश्मीर पर भी किसी समझौते को मान जाएंगे? बहुत बड़ा सवाल!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा ट्वीट बहुत खतरनाक है। इसमें वे स्पष्ट रूप से कश्मीर के मामले में मध्यस्थता की बात कर रहे हैं। भारत हमेशा कहता रहा है कि यह द्विपक्षीय मसला है और भारत किसी तीसरे को इसमें शामिल नहीं करेगा। शिमला समझौता में यह सबसे अहम बात है। उसके बाद कई बार पाकिस्तान ने कभी संयुक्त राष्ट्र, कभी अमेरिका, कभी चीन के जरिए मध्यस्थता करवाने की कोशिश की मगर भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया।

इन्दिरा गांधी जिन्हें अभी अमेरिका द्वारा घोषित युद्धविराम के बाद देश में सबसे ज्यादा याद किया जा रहा है उन्होंने 1971 का युद्ध जीतने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भुट्टो को शिमला बुलाकर यह समझौता किया था। और उसमें लिखवाया था कि कश्मीर का मुद्दा दोनों देश मिलकर सुलझाएंगे। तीसरे किसी का दखल नहीं होगा।

लेकिन पहले युद्धविराम की अप्रत्याशित घोषणा और अब उसके बाद कश्मीर समस्या सुलझाने का दावा बता रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप का दबाव काम कर गया है। पाकिस्तान का उसमें आना कोई खास बात नहीं। उसके पास क्या है? 75 साल में उसने क्या हासिल किया? आज चीन उसके साथ था और वह भी उसके नहीं भारत से दुश्मनी की वजह से और अमेरिका उसे टूटने नहीं देना चाहता था इसलिए उसने युद्ध विराम करवाकर उसे बचा लिया, नहीं तो पाकिस्तान कितने दिन और भारत से लड़ पाता?

वहां के शासक इसे समझते हैं। लेकिन अपने देश की जनता को उलझाए रखने के लिए युद्ध विराम के बाद भी गोलाबारी, ड्रोन अटैक करते रहे। केवल यह बताने के लिए कि हम लड़ सकते हैं। और ठीक यही बात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने देश को संबोधित करते हुए कही। झूठी शान बताते हुए कि-हमारे सेना ने यह कर दिया वह कर दिया वे केवल जंग का महिमामंडन करते रहे।

जैसे युद्ध जिन्दगी के लिए सबसे जरूरी चीज है। इसी तरह की जज्बाती बातों ने पाकिस्तान की अवाम को 75 साल से उलझाए रखा है। और वे ऐसे ही रहें इसमें पाकिस्तान के नेताओं का दोष तो है ही चीन और अमेरिका भी यही चाहता है।

पाकिस्तान की जनता को देखना होगा कि चीन और अमेरिका जो उसके दोस्त हैं कितनी तरक्की कर चुके हैं और उनका मुल्क वहीं का वहीं है। भारत के साथ आजाद हुआ था। भारत हर क्षेत्र में कहीं से कहीं निकल गया लेकिन पाकिस्तान अभी भी कर्जा लेकर अपने खर्चे चलाने पर मजबूर है। अभी आईएमएफ से 12 हजार करोड़ रुपए अमेरिका ने दिलवाए।

इसलिए कश्मीर पर पाकिस्तान का मान जाना कोई खास बात नहीं है। लेकिन भारत अगर मध्यस्थता स्वीकार कर लेता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। अभी तक कि स्वतंत्र विदेश नीति के बिल्कुल उलट। भारतीय हितों के विपरीत। भारत की संसद के दोनो सदनों ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया था कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। और जिस हिस्से पर पाकिस्तान ने कब्जा कर रखा है वह भी। याद रहे यह प्रस्ताव उस समय की कांग्रेस सरकार ने उस समय पास करवाया था जब जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा चलाए जा रहे आतंकवाद का सबसे भीषण समय था। पाकिस्तान एक तरफ कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां चला रहा था दूसरी तरफ दुनिया में यह झूठा प्रचार कर रहा था कि भारत दिल्ली में बैठकर कश्मीरियों पर शासन कर रहा है। जबकि हकीकत यह थी कि पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के कारण वहां चुनाव नहीं हो पा रहे थे। मगर भारत वहां राजनीतिक प्रक्रिया चला कर चुनाव का माहौल तैयार कर रहा था। ऐसे समय में अन्तरराष्ट्रीय जगत को सही स्थिति बताने के लिए केन्द्र सरकार ने अपना एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र भेजा। और जानते हैं उसका नेता किस को बनाया। विपक्ष के नेता को।

शकील अख्तर

कश्मीर पर पाकिस्तान का मान जाना कोई खास बात नहीं है। लेकिन भारत अगर मध्यस्थता स्वीकार कर लेता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। अभी तक कि स्वतंत्र विदेश नीति के बिल्कुल उलट। भारतीय हितों के विपरीत। भारत की संसद के दोनो सदनों ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया था कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है।

क्यों? ताकि यह संदेश जाए कि पूरा भारत कश्मीर के मामले में एक है। अटल बिहारी वाजपेयी को दल का अध्यक्ष बनाया और जम्मू कश्मीर के नेता फारुक अब्दुल्ला को उस दल में शामिल किया। आज कांग्रेस बिना शर्त सरकार को पूरा समर्थन दे रही थी। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से ही। मगर जब बिल्कुल युद्ध जैसा माहौल हो गया तो सत्तारुढ़ पार्टी बीजेपी वीडियो जारी करके यह बताने लगी कि कांग्रेस के प्रधानमंत्री कितने कमजोर थे।

अब कमजोर थे ताकतवर थे पता नहीं मगर कश्मीर पर किसी की मध्यस्थता स्वीकार करना तो बड़ी बात किसी को इस पर बात भी करने की इजाजत नहीं देते थे। देश एक बहुत अनिश्चित मोड़ पर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी बिल्कुल खामोश हैं। पहलगाम के बाद दो आल पार्टी मीटिंग हुईं मगर एक में भी प्रधानमंत्री नहीं आए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दोनों में मौजूद थे। जबकि उनसे कहा गया कि जब नेता सत्ता पक्ष नहीं आ रहा हो तो नेता प्रतिपक्ष को जाने की क्या जरूरत? मगर राहुल ने अपनी जिम्मेदारी को समझा और वहां जाकर दोनों बार सरकार को पूरा समर्थन देने का भरोसा देकर आए।

लेकिन अब एक अचानक अमेरिका द्वारा युद्ध विराम और फिर दूसरा कश्मीर पर अमेरिका की मध्यस्थता राहुल को बोलने पर मजबूर करेगी। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर उनका दायित्व है। कश्मीर का मामला बहुत नाजुक है। भारत की भावनाओं से जुड़ा है। इसमें अचानक कोई तीसरा देश दखल देने की कोशिश करे यह भारत के लोगो को कभी स्वीकार नहीं होगा।

प्रधानमंत्री मोदी को इस पर अपना रुख साफ करना चाहिए। अभी अचानक युद्धविराम से देश हतप्रभ है। शांति सब चाहते हैं। मगर उसकी घोषणा हम करते तो बात दूसरी थी। अभी जिस भाषा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बात कर रहे हैं वह नहीं होती। उनकी भाषा लिखने योग्य भी नहीं है। ट्रोलों जैसी। घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। भारत चीखने लगा! यह एक प्रधानमंत्री की भाषा होती है? अपनी जनता को बेवकूफ बनाने की कोशिश। उसके समर्थक चीन और अमेरिका भी जानते हैं कि पाकिस्तान युद्ध में ज्यादा दिन भारत के सामने टिक नहीं पाएगा। इसलिए उन्होंने युद्धविराम करवाया। पाकिस्तान को बचाने के लिए।

मगर अब कश्मीर पर बात लाकर ट्रंप ने किसी बड़े गेम के संकेत दे दिए हैं। यह अमेरिका के, चीन के, पाकिस्तान के फायदे में हो सकता है। मगर भारत के नहीं। किसी दबाव में कश्मीर पर बात करना उसके स्वाभिमान के खिलाफ है।

मोदीजी को स्टेंड लेना पड़ेगा। नहीं तो देश लेगा। अगर ट्रंप और मोदी यह समझते हैं कि वे कश्मीर पर कोई फैसला ले सकते हैं तो भारी भूल कर रहे हैं।

ऊपर बताया ही इसीलिए कि यह 22 फरवरी 1994 का संसद के दोनों सदनों का सर्वसम्मत प्रस्ताव है। इसमें कोई फेरबदल नहीं हो सकता। और अगर कश्मीर पर कोई बात करना है तो पहले संसद से इसकी अनुमति लेना होगी।विपक्ष पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से ही संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है। ट्रंप के ताजा बयान कश्मीर के बाद फिर यह मांग दोहराई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है।मोदी के लिए यह समय बहुत मुश्किल है। अचानक युद्धविराम को उनके समर्थक भी धोखा मान रहे हैं। इससे पहले जातिवार गणना की घोषणा से भी उन्हें बहुत धक्का लगा था। जिसे वे राष्ट्रविरोधी, अरबन नक्सल का अजेंडा, भारत को तोड़ने की साजिश बताते घूम रहे थे वही उनके नेता ने कर दिया।

उस सदमे से वे उबरे नहीं थे कि ट्रंप ने पहले युद्धविराम और फिर कश्मीर पर मध्यस्थता की घोषणा कर दी। मोदी की छवि पर बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा है। वे खामोश हैं। उनके पास कोई जवाब नहीं है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

युद्ध : विनाश का वैश्विक व्यापार

■ **विवेकानंद माथने**

युद्ध मानव सभ्यता के इतिहास का एक दुखद, लेकिन महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। प्राचीन काल से लेकर आज तक, भले ही युद्धों के स्वरूप बदलते रहे हों, परंतु उनके मूल कारण आज भी वही हैं-सत्ता की लिप्सा, प्रभुत्व की चाह और संकुचित राष्ट्रवाद। महाभारत का महासंग्राम हो या प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध, हर संघर्ष के बाद शेष रह जाती हैं, केवल लाशें, उजड़े नगर, बिखरे सपने और मानवता की हार। विडंबना यह है कि आज जब विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है, तब भी दुनिया युद्ध के उन्माद से ग्रस्त है, संकुचित राष्ट्रवाद का ज्वर चढ़ा है, हर देश दूसरे को आंखें दिखा रहा है, मानो एक-दूसरे के खून का प्यासा हो। परिस्थितियां धीरे-धीरे तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही हैं।

यूक्रेन, जो कभी सोवियत संघ का हिस्सा था, अब 'नार्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन' (नाटो) से जुड़ना चाहता है। 'नाटो' ने रूस को घेरने की मंशा से यूक्रेन का समर्थन किया और यह टकराव युद्ध में बदल गया। यह संघर्ष तीन साल से जारी है। यूक्रेन के शहर खंडहरों में तब्दील हो गए हैं और बुनियादी ढांचे ध्वस्त हो गए हैं। अब तक दोनों पक्षों के कुल 1.90 लाख से अधिक सैनिक मारे गए और 2.80 लाख से अधिक घायल हुए हैं। यूक्रेन की 1.43 करोड़ आबादी विस्थापित हो चुकी है, जिनमें से 65 लाख से अधिक शरणार्थी बनकर विदेश चले गए हैं और शेष अपने ही देश में दर-दर भटक रहे हैं। यूक्रेन की अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी है, वहीं पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूस की अर्थव्यवस्था भी गंभीर दबाव में है।

हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी ज़रूरतें और सामाजिक प्रगति भी बुरी तरह प्रभावित होती है। सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी-उन्मूलन जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है।

'हमास' के हमले और नागरिकों को बंधक बनाए जाने के जवाब में इज़राइल ने गाज़ा पर भीषण हमला किया। इस बदले की आग में हज़ारों निर्दोष लोगों की जानें गईं और लाखों घायल हुए, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाज़ा के करीब 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके है, 70प्रतिशत से अधिक आवास नष्ट हो चुके हैं और अस्पताल, स्कूल, पानी और बिजली व्यवस्था का लगभग 90प्रतिशत ढांचा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। भोजन और पानी जैसी बुनियादी ज़रूरतों का भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

सूडान में 2023 से सेना और 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष में 61,000 से अधिक लोग मारे गए और 1.2 करोड़ विस्थापित हुए हैं। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद गृहयुद्ध छिड़ा, जिसने लाखों को शरणार्थी बना दिया। यमन में 2014 से जारी युद्ध ने 68प्रतिशत आबादी को मानवीय सहायता पर निर्भर कर दिया। इथियोपिया में 'टिग्रे संघर्ष' ने हजारों की जान ली और लाखों को भुखमरी की कगार पर पहुंचा दिया। इराक, लेबनान और अफगानिस्तान के ज़ख्म आज भी हरे हैं।

हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी ज़रूरतें और सामाजिक प्रगति भी बुरी तरह प्रभावित होती है। सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी-उन्मूलन जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है। भूख, बेरोजगारी और असमानता बढ़ती है। युद्ध का अंजाम केवल विनाश होता है, फिर भी युद्ध क्यों जारी रहते हैं? इसे क्यों नहीं रोका जाता? आखिर कौन हैं वे, जो युद्ध से लाभ उठा रहे हैं? दरअसल, युद्ध केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं होता, यह एक सुनियोजित योजना का हिस्सा होता है, जिसमें कुछ ताकतें पर्दे के पीछे से भारी लाभ कमाती हैं।

युद्ध के पीछे असली कारण संसाधनों पर कब्जा, हथियारों की बिक्री, मंदी से जूझती अर्थव्यवस्था को गति देना और सत्ता को मजबूत करना होता है। तेल, खनिज, जल, जमीन और श्रम पर नियंत्रण पाने के लिए बार-बार लड़ाइयां लड़ी गई हैं। अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्रों द्वारा यूक्रेन को हथियार देना एकतरफा नहीं है, बल्कि इसके पीछे यूक्रेन के संसाधनों और क्षेत्रीय प्रभाव पर पकड़ बनाने का रणनीतिक लक्ष्य भी है। इन युद्धों ने पुराने हथियारों के भंडार खाली कर दिए हैं। 'एआई ड्रोन,' 'हाईपरसोनिक मिसाइलें' और साइबर हथियार जैसी नई तकनीकों वाले हथियार भी आज़माए गए हैं। युद्ध एक ऐसी 'लाइव टेस्टिंग लैब' बन चुका है, जहां नए हथियारों को परखा जाता है और उनके लिए बाज़ार तैयार किया जाता है।

अब सभी देश हथियारों की दौड़ में शामिल हो गए हैं। इससे रक्षा उद्योग के लिए एक बड़ा बाजार खड़ा हुआ है। अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और जर्मनी जैसे देश बड़े हथियार निर्यातक हैं। युद्ध उनकी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर रहा है। पारंपरिक हथियारों से लेकर परमाणु, जैविक और अब 'आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस' (एआई) आधारित स्मार्ट हथियारों तक, यह उद्योग युद्ध पर ही टिका है। 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (सीपरी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.70 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएं जब भी आर्थिक संकट और मंदी से गुजरती हैं तब युद्ध उनके लिए एक अवसर बन जाता है। हथियारों की खपत बढ़ती है, पुराना स्टॉक खाली होता है और नए उत्पादनों का बाजार तैयार होता है। अमेरिका, रूस, फ्रांस जैसे देश पुराने हथियारों को युद्ध में झोंककर अपनी सैन्य उत्पादन प्रणाली को पुनर्जीवित करते हैं। युद्ध उनके आर्थिक पुनरुद्धार की रणनीति बन जाता है।

हाल की पहलगाम जैसी आतंकी घटनाएं निस्संदेह बहुत पीड़ादायक हैं, लेकिन यह भी सोचने की ज़रूरत है कि क्या इन हमलों के पीछे खडी बड़ी ताकतें दोनों देशों को युद्ध के रास्ते पर धकेलना चाहती हैं? जनता का आक्रोश जायज़ होते हुए भी, यह प्रश्न जरूरी है कि क्या ये हमले केवल आतंकियों के हैं या कोई और ताकत इन्हें अंजाम देकर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की ज़मीन तैयार कर रही है?

वे जानते हैं कि कोई भी बड़ा देश आम जनता के समर्थन के बिना युद्ध नहीं लड़ सकता। पहलगाम जैसे आतंकी हमलों से उत्पन्न संवेदना का दोहन करना आसान होता है। युद्ध कई बार राष्ट्र की अस्मिता से जोड़ दिया जाता है। युद्ध के पहले ऐसी परिस्थितियां तैयार की जाती हैं कि शांति और सह-अस्तित्व में विश्वास रखने वाले लोग भी युद्ध के समर्थन में खड़े हो जाते हैं। संकुचित राष्ट्रवाद को उकसाने में कॉर्पोरेट मीडिया और सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका है। फेक न्यूज़, उग्र भाषण और भावनात्मक उन्माद फैलाकर जनता को युद्ध के समर्थन में खड़ा कर दिया जाता है। लोग भ्रमित होकर प्रतिशोध की आग में युद्ध को न्याय समझने लगते हैं।

यदि यह उन्माद तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ा, तो निश्चित ही जैविक, परमाणु और 'एआई' आधारित विध्वंसक प्रणालियों का प्रयोग होगा। यह ऐसी तबाही ला सकता है जिसकी कल्पना भी भयावह है और जिसके परिणाम पूरी मानवता को सदियों भुगतने पड़ेंगे। इसलिए जरूरी है कि हम युद्धोन्मादी नेताओं, उकसाने वाले मीडिया संस्थानों और हथियार बेचने वाले देशों के खिलाफ एकजुट होकर युद्ध को ही चुनौती दें। यह लोगों की ज़िम्मेदारी है कि वे युद्ध को नकारें और शांति का रास्ता चुनें। विनाश नहीं, जीवन चुनें!

(लेखक 'आजादी बचाओ आंदोलन' एवं 'किसान स्वराज आंदोलन' से संबद्ध हैं।)

आपके पत्र

विदेशी धरती पर पोषित आतंकवाद अब भारत नही सहेगा

भारत-पाकिस्तान के संघर्ष विराम में भारत ने वो सब कुछ पा लिया है,जिसकी कल्पना नहीं की गई। पहलगाम आतंकी घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने एक देश के रूप में पाया है वह बहुत बड़ा है। भारत ने इसके पूर्व आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में एयर स्ट्राइक भी इसी सरकार ने की है।मोदी के पहले पूर्ववर्ती सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। सेना को पहले गोली चलाने का भी आदेश नहीं था इसलिए आतंकी फौजी पर सीधा हमला करते थे। भारत ने यह संकल्प दोहराया है कि आतंकवाद नहीं रुका तो फिर घर में घुसकर मारेंगे। पहलगाम की घटना के बाद मोदीजी से देश की अपेक्षा थी और देश यह देखना चाहता था कि मोदी आतंकी घटना के बाद क्या कारवाई करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की इस ऐतिहासिक घटना में सौ से ज्यादा आतंकवादी मारे गए जिसमे अधिकांश आतंकवादी भारत के मोस्टवांटेड थे। पाकिस्तान को अब मालूम हो चुका है कि भारत अब आतंकवाद नहीं सहेगा। जिस तरह दुनिया में एक तुर्किये ने पाकिस्तान को समर्थन देने के लिए तैयार हुआ, उसके बाद पाकिस्तान का मनोबल टूट गया। आतंकवाद के खिलाफ पूरी दुनिया पाकिस्तान के खिलाफ है।सरकार ने यह संदेश दिया है कि आतंकवाद की घटना को युद्ध समान माना जाएगा और उसी के अनुरूप माना जायेगा। संघर्षविराम से पहले भारत ने अपनी शर्त जाहिर कर दी। सिंधु जल पर अभी सहमति नहीं बनी है। अभी बारिश की सीजन है। इस वर्ष पाकिस्तान को पानी की इतनी परेशानी नहीं होगी। लेकिन दिवाली के समय में गले तर करने के लिए पानी नहीं मिलेगा। तब पाकिस्तान को समझ आएगा। उस समय भारत की एक ही शर्त होगी कि आतंकवादियों को भारत के हवाले किया जाए। भारत अब अपने हितों को साधने का ही कार्य करेगा। भारत ने खोया कुछ भी नहीं है, इस ऑपरेशन सिंदूर से पाया ही पाया है। कश्मीर का राग अलापना भी बन्द हो जाएगा। भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान के खिलाफ दिखाया था,वह अद्भुत था। पाकिस्तान की घबराहट दुनिया साफ देख पा रही थी। इस बीच चीन छुपे रुस्तम की भूमिका में था। वो देखना चाहता है कि भारत के पास आधुनिक मिसाइलें की मारक क्षमता कितनी है। इस पर चीन की सिट्टी पिट्टी गुम हो गई है। सैनिकों की दृढ़ संकल्प,सटीक रणनीति और कुशल नेतृत्व के साथ पाकिस्तान पर कार्रवाई की थी, वह अकल्पनीय थी। भविष्य में आतंकी मुंह उठाने के लिए सौ बार विचार करेंगे। भारत ने आतंकियों पर कार्रवाई की थी,लेकिन पाकिस्तान को उकसावे के कारण युद्ध जैसे हालात बन गए। देश के अंदर अब राजनैतिक जंग शुरू होने वाला है। विपक्षी दल अपने-अपने विचारों और रंगमंच के सरताज बनने के लिए मीडिया के समक्ष हमला जरूर बोलेंगे। लेकिन सैनिकों की इस कार्रवाई पर कुछ नहीं बोलेंगे। मोदी सेना की हर कार्रवाई पर चट्टान की तरह खड़े दिखे। नागरिकों पर हो रहे हमले पर भारत सटीक रवैया अपनाएगा। भारत किसी भी तरह आतंकवाद को सहेगा नहीं। वैश्विक स्तर पर भारत ने यह संदेश दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ हर कार्रवाई करने में सक्षम है। भारत कभी भी पीछे नहीं हटेगा। आतंकवाद के खिलाफ प्रतिबद्धता जताई गई है। भारत आतंकवाद को अब कभी नहीं सहन करेगा। पाकिस्तान को अब पोषित आतंकवाद पर विराम करने की जरूरत है, नहीं तो पाकिस्तान को बहुत कुछ सहन करना पड़ सकता है। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अमेरिका बार-बार संघर्षविराम के लिए अपील नहीं कहेगा। इसलिए आतंकवाद को पालना बन्द कर देना चाहिए।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

ललित सुरजन की कलम से

उसने कहा था : युद्ध के बीच प्रेम की कथा

'यह एक आश्चर्यजनक सत्य है कि भारतीय भाषाओं में युद्ध से संबंधित साहित्य नहीं के बराबर लिखा गया है। मैं अपने दिमाग पर जोर डालता हूं तो पहले एक उपन्यास याद आता है देवेश दास द्वारा लिखित 'रक्तराग'। यह उपन्यास दूसरे विश्वयुद्ध के बाद लिखा गया था। देवेश दास एक आईसीएस अफसर थे। इस उपन्यास के अलावा उन्होंने अन्य कोई साहित्यिक रचना की हो तो वह मेरी जानकारी में नहीं है। इसके कई साल बाद 1965 के युद्ध पर मनहर चौहान का उपन्यास 'सीमाएं' प्रकाशित हुआ जिसकी बहुत अधिक चर्चा नहीं हो पाई। आगे चलकर जगदीशचंद्र ने सैन्य अधिकारियों के जीवन पर केन्द्रित दो उपन्यास लिखे 'आधा पुल' और 'टुंडा लाट'। आधा पुल में सैनिक छावनी का विवरण है और 1971 के युद्ध की कुछ छवियां भी हैं। इस दुखांत उपन्यास के नायक का एक मार्मिक कथन बार-बार ध्यान आता है- जिस गोली पर मेरा नाम लिखा होगा, वह जब तक नहीं लगेगी, तब तक मैं नहीं मरूंगा। जगदीशचंद्र भारतीय सेना में जनसंपर्क अधिकारी थे, इस नाते उनके ब्यौरों में प्रामाणिकता का पुट मिलता है।'

(देशबन्धु में 30 अप्रैल 2015 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/04/blog-post_29.html

प्रकाश पर्व

तीसरे नानक गुरु अमरदास जी

आपका जन्म अमृतसर के पास बासर पिता तेजभान के गृहग्राम में माता लक्ष्मी बाई की कोख से हुआ था। आप अपने पिता की तरह हर साल तीर्थयात्रा पर जाते। एक बार आपके साथ एक ब्रह्मचारी भी साथ में थे। आपने उनकी रास्ते में हर प्रकार की सेवा भी करते रहे। भोजन इत्यादि पका कर खिलाते रहे परन्तु एक बार जब वे ब्रह्मचारी ने आप से पूछा कि आप के गुरु कौन हैं? तब आप निरुत्तर हो गए। तब ब्रह्मचारी क्रोधित हो गए कहा-निगुरे के हाथ का खाना खाकर मेरा धर्म नष्ट हो गया। इस बात से आप के मन को बहुत ठेस लगी और 22 साल से लगातार हरिद्वार की यात्रा बंद कर गुरु धारण करने की सोचने लगे। देवनेत से एक बार आपकी भतीजा बहू बीबी अमरोजी गुरु नानकदेव जी की वाणी का पाठ कर रही थीं-

करनी कागज मन मसवानी बुरा भला दोय लेख भये।
जिओ जिओ कीरत चलाए लिओं
तिओं तिओं चलिए तो गुण नांही अंत हरे।
चित चेतसि की नहीं बावरिआ हरि बिसरत तेरे गुण गलिआ।।

गुरवाणी की पंक्तियां सुनकर आप अपनी भतीजा बहू बीबी अमरो से पूछते हैं कि- बेटी यह पंक्तियां किसकी हैं जो आप पढ़ रही थी। तब उन्होंने बताया कि यह वाणी गुरु नानक देव जी की हैं। उनके गुरु परलोकगमन करने के बाद उनकी जगह मेरे पिता गुरु अंगद देव जी बिराजमान हैं। तब आप गुरु अंगद देव जी के दर्शन हेतु चल पड़े फिर वहां जाकर उन्हीं के होकर रह गए। उस वक्त आपकी आयु 62 वर्ष की थी। वहां आपने 12 वर्ष लगातार 2मील दूर ब्यास नदी से जल भर कर गुरुदेव को स्नान कराते। फिर सारा दिन लंगर की सेवा करते रहते। एक दिन अंधेरी रात में जल भर कर ला रहे थे तब एक जुलाहे के खड्डी में पैर अटकने के कारण आप गिर पड़े तब खटाक की आवाज सुनकर जुलाहे ने आवाज लगाई कौन? तब जुलाहे की पत्नी बोली अमरु निधावा ही होगा जो बेटे वाला होकर भी समधियों के घर में पड़ा रहता है। अमरदास जी यह बात सुनकर कहा कि कमलिये (पगली) मैं निधावां नहीं हूं। बस इतना कहना था कि जुलाहे की पत्नी पागल हो गई। तब रात की सारी घटना गुरुदेव को पता लगी तो आपने अमरदास को 12 वर दिये- आप निमानियों के मान, नितानियों के तान-निओटियों की ओट निआसरिओ के आसरे, निगतिओं की गति, निपतियों इत्यादि बारह वर दिये। जिस खड्डी की लकड़ी से पैर टकराए थे वहां आज हरा-भरा वृक्ष लहलहा रहा है। इस तरह जब सब प्रकार से आपकी परिपक्वता की परीक्षा ले ली गई तब एक दिन आप को गुरु अंगद देव जी ने 19 मार्च सन् 1552 को गुरु गद्दी सौंपकर तीसरा नानक बना दिया और यह आदेश दिया कि- आप गोइंदवाल में बिराजमान हो जाएं। गुरुदेव ने गुरु गद्दी संभालते ही पंगत संगत की प्रथा चालू की। पहले पंगत में भोजन फिर संगत में गुरुदेव के दर्शन। इस प्रकार से बादशाह अकबर को भी गुजरना पड़ा जब वे गुरु दर्शन को गोइंदवाल आये थे। अर्थात पहले उन्होंने पंगत में बैठ कर लंगर ग्रहण किया और उसके बाद संगत में जाकर गुरुदेव के दर्शन किये और उनसे वार्तालाप भी किया। आपकी शादी बीबी मनसा देवी से हुई थी आपकी चार संतानें हुईं जो भाई मोहनजी मोहरीजी बीबी दानी जी, बीबी भाणीजी जिन्हें गुरु घर की बेटी. गुरु पत्नी और गुरु मां बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आपने सती प्रथा का भी विरोध किया। धर्मप्रचार में आपने काफी रुचि दिखाई। गोइंदवाल में आपने चौरासी सीढ़ी वाली बावली का निर्माण करवााया। हर बार स्नान का प्रत्येक सीढ़ी में पाठ करने पर 84 लाख योनियों के चक्कर से निजात मिल जाती हैं। आप द्वारा रचित वाणी के 907 शब्द गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज है। आपके उपदेश थे- हर मानव को काम, क्रोध, लोभ मोहअहंकार पर काबू कर प्रभु सिमरन में मन रमाना चाहिए। 1 सितंबर 1874 को आपने अपने छोटे दामाद भाई जेठाजी को हर प्रकार से योग्य समझ कर चौथे नानक गुरु रामदास बनाकर इस असार संसार से विदा हुए।

आज प्रकाश पर्व पर उनके बताए आदर्शों पर चलकर जीवन व्यतीत करें।

इंदर सिंह आहुजा

जीवनदायनी नर्मदा परिक्रमा पथ का विकास 2 चरणों में: राकेश सिंह

जबलपुर, देशबन्धु। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने रविवार को गौरीघाट के निरीक्षण के बाद माँ नर्मदा के पावन तट को सरयू की तर्ज पर विकसित करने तैयार की जा रही कार्य योजना की सिविल लाइन स्थित लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय में आयोजित बैठक में समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये।

बैठक में नर्मदा परिक्रमा पथ की प्रस्तावित डीपीआर पर पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया गया तथा इस पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के प्रबंध निदेशक भरत यादव, तकनीकी सलाहकार आर के मेहरा, मुख्य अभियंता गोपाल सिंह गुर्जर, कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, नगर निगम आयुक्त प्रीति यादव, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समर वर्मा, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण शिवेंद्र सिंह, पंकज दुबे, संदीप जैन, अभय सिंह, ओंकार दुबे एवं मनीष दुबे उपस्थित रहे।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा कि धार्मिक और आध्यामिक आस्था के केंद्र गौरीघाट में नर्मदा परिक्रमा पथ बेहद खूबसूरत होगा और इसका विकास पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए अयोध्या में सरयू तट की तर्ज पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नर्मदा परिक्रमा पथ का विकास दो चरणों मे होगा। पहले चरण में जिलहरी घाट से लेकर खारी घाट तक तथा दूसरे चरण में भटौली से लेकर तिलवारा घाट तक के घाटों का विकास होगा। श्री सिंह ने बताया कि नर्मदा परिक्रमा पथ की तैयार की जा रही कार्ययोजना में श्रद्धालुओं के स्नान और पूजा अर्चना के लिए 350 मीटर लंबे चैनल का निर्माण भी किया जाएगा। चैनल में जगह-जगह प्रेशर पाइप की व्यवस्था की जाएगी ताकि मां नर्मदा के जल को प्रदूषित होने से बचाया जा सके और स्वच्छ जल की उपलब्धता को सुश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि चैनल के एक ओर जहां नागरिकों की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे तो वहीं दूसरी ओर ऊंचाई से मां नर्मदा के भव्य स्वरूप का दर्शन करने के लिए व्यू प्वाइंट का निर्माण भी किया जाएगा।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने चैनल के किनारे दीवारों पर आदि शंकराचार्य जी के व्याख्यान एवं मार्कण्डेय ऋषि की परिक्रमा का संदेश देने वाले म्यूरल्स का निर्माण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। श्री सिंह ने बैठक में कहा कि गौरीघाट के पवित्र नर्मदा तट पर माँ नर्मदा प्राकट्योत्सव एवं अन्य कार्यक्रमों के लिए सांस्कृतिक मंच का निर्माण भी कराया जाएगा। साथ ही इन कार्यक्रमों में आने वाले कलाकारों के लिए रुकने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

मंत्री श्री सिंह ने नर्मदा परिक्रमा पथ की कार्ययोजना में वाहनों की पार्किंग, पर्याप्त भंडारा स्थल, दिव्यांगजनो की सुविधा के लिए रैंप, वाच टावर एवं अनाउंसमेंट के लिए साउंड सिस्टम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

गौरीघाट एवं तिलवारा घाट सरयू के तर्ज संवारने की तैयारी

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह दोपहर गौरीघाट पहुंचे। उन्होंने सिद्धघाट में माँ नर्मदा का पूजन किया तथा नर्मदा परिक्रमा भवन एवं सिद्ध कुंड का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने माँ नर्मदा के पावन तट गौरीघाट एवं तिलवारा घाट को सरयू के तर्ज पर विकसित करने की घोषणा की थी। इसके फलस्वरूप माँ नर्मदा के तटों को विकसित करने के लिए दो चरणों में कार्य योजना तैयार की जा रही है। पहले चरण में जिलहरी घाट से लेकर खारी घाट तक तथा दूसरे चरण में भटौली से लेकर तिलवारा घाट तक के विकास कार्यों की योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि माँ सरयू की तर्ज पर यहाँ अत्यंत सुंदर एक सुन्दर धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र का निर्माण किया जाएगा। प्रोजेक्ट की डीपीआर लगभग तैयार की जा चुकी है। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह के निरीक्षण के दौरान मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री भरत यादव, कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण श्री शिवेंद्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समर वर्मा, श्री पंकज दुबे, श्री संदीप जैन सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

आज विविध कार्यक्रमों में शामिल होंगे पीडब्लूडी मंत्री

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह सोमवार 12 मई को शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह सोमवार को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक नागपाल गार्डन मदन महल स्थित विधायक कार्यालय में आम जनों एवं कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे। श्री सिंह दोपहर 2.15 बजे सामुदायिक भवन बेदी नगर में आयोजित कार्यक्रम में बेदी नगर से पचमठा मंदिर तक सीसी रोड का, दोपहर 2.45 बजे राधाकृष्णर मंदिर के पास गुजराती कॉलोनी गंगा नगर में आयोजित कार्यक्रम में राधाकृष्ण मंदिर से अरविंद सिंह जी के मकान तक सीसी रोड का, दोपहर 3.15 बजे ब्रम्हेकुमारी आश्रम गंगा नगर में आयोजित कार्यक्रम में ब्रम्हरकुमारी आश्रम से मोहन डेहरिया की दुकान तक सीसी रोड का, दोपहर 3.45 बजे सोनी कॉलोनी शास्त्री नगर में आयोजित कार्यक्रम में झारिया जी के मकान से भरत विश्व्कर्मा एवं सगड़ा भेड़ाघाट मार्ग से ठाकुर जी के मकान तक तथा शाम 4.15 बजे गांधी स्मारिक के पास आयोजित कार्यक्रम में गांधी स्माररक से गोपाल उद्यान रमनगरा तक सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक वैवाहिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे तथा रात 10 बजे कार द्वारा जबलपुर से भोपाल प्रस्थोन करेंगे।

भाजपा जबलपुर संभाग की संभागीय बैठक संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर संभाग की बैठक भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में संपन्न हुई, जिसमें मुख्य रूप से भाजपा की संभाग प्रभारी, राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार उपस्थित हुई, संभागीय बैठक में विगत कार्यक्रमों की समीक्षा की गई एवं आगामी कार्यक्रमों को सुचारू एवं प्रभावी बनाने हेतु रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक में जबलपुर संभाग के जिला प्रभारी एवं जिला अध्यक्षों ने अपना कार्यवृत्त प्रस्तुत किया, जबलपुर के जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने सभी जिला प्रभारी एवं जिला अध्यक्षों का स्वागत किया।

संभागीय बैठक में जबलपुर लोकसभा के सांसद आशीष दुबे, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, जीएस ठाकुर सहित संभाग के सभी जिला प्रभारी एवं जिला अध्यक्ष उपस्थित थे।

रांझी बड़ा पत्थर शराब दुकान रहवासी क्षेत्र से दूर करने की मांग

जबलपुर, देशबन्धु। धनधारिया एवं क्षेत्रीय महिलाओं द्वारा सुबह 12: 00 से रात 8:00 तक किया गया, धरना प्रदर्शन में सैकड़ो की संख्या में महिलाएं पुरुष शराब दुकान के सामने बैठकर मांग की, जिसमें शराब दुकान के ठीक सामने सब्जी मंडी, सरस्वती स्कूल एवं फिजियोथैरेपी सेंटर है जिसके चलते सुबह से लेकर रात 12:00 तक शराबियों का जमवाड़ा बना रहता है, स्कूल में आने जाने वाले बच्चों को परेशानी शिक्षकों को परेशानी सुबह-शाम सब्जी मंडी में आने वाली महिलाओं को क्षेत्रीय लोगों को परेशानी छेड़छाड़ की घटनाएं फिजियोथैरेपी सेंटर में आने जाने वाले मरीज को परेशानी रिंमह है। कई बार शिकायत के बाद भी इस शराब दुकान को इस इलाके से दूर खोलने के लिए मांग की गई।

बताया गया किआए दिन शराब पीकर क्षेत्र में मारपीट की घटनाएं महिलाओं के साथ छेड़छाड़ लोगों के साथ अभद्र व्यवहार की घटनाएं भी कई बार हो चुकी है अगर समय रहते इस शराब दुकान को यहां से अलग नहीं किया गया तो दिन प्रतिदिन घटनाएं पड़ सकती है और किसी दिन क्षेत्र में अनहोनी भी हो सकती है, समाज सेवी सुधीर सोनू दुबे ने बताया कि क्योंकि पास में सब्जी मंडी, सरस्वती स्कूल, फिजियोथैरेपी सेंटर के चलते इस शराब दुकान को किसी दूसरी उचित जगह में स्थानांतरित करना चाहिए ताकि क्षेत्र में घटनाएं न हो सके अगर समय रहते इस शराब दुकान का अगर स्थानांतरण नहीं किया गया तो अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन होगा।

रक्तदान शिविर में हुआ 204 यूनिट रक्त का संग्रह

जबलपुर, देशबन्धु। जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा रविवार को सात्विक सेवा समिति, सक्षम महाकौशल प्रान्त, होटल एन्ड रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन एवं विशुद्ध हेल्थ केयर जनसेवा समिति के सहयोग से तिलहरी स्थित होटल विजन महल में आयोजित किए गए रक्तदान शिविर में 204 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया।

रक्तदान शिविर का शुभारम्भ क्षेत्रीय विधायक अशोक रोहाणी ने किया। नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज भी इस अवसर पर मौजूद थे। विधायक श्री रोहाणी ने पीडित मानवता की सेवा के उद्देश्य से रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए जिला रेडक्रॉस सोसायटी की सराहना की और रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

शिविर में जिला चिकित्सालय से डॉ अमिता जैन एवं डॉ अमितोज भल्ला, जिला रेडक्रॉस सोसायटी से कार्यकारिणी सदस्य सुनील गर्ग, सक्षम महाकौशल प्रान्त के डॉ अंकित सेठ एवं संकेत मलैया, सात्विक सेवा समिति के अध्यक्ष बसंत घोडावत तथा होटल एन्ड रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन से संदीप विजन, प्रिंस छाबडा, उपनीत छाबडा, विवेक डेंगरा एवं आशीष चिमनानी भी उपस्थित थे।

जबलपुर मंडल के वाणिज्य विभाग में अव्यवस्थाओं का आलम

आला अधिकारियों की उदासीनता से कतिपय रेल कर्मी लगा रहे राजस्व का चूना

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में उच्च अधिकारियों की उदासीनता और अनदेखी के चलते हर दिन अव्यवस्थाओं का ग्राफ बढ़ रहा है। इसके कारण वाणिज्य विभाग के आला अधिकारियों द्वारा अव्यवस्थाओं को पटरी पर लाने के लिये अच्छे प्रयास किये गये हैं लेकिन

वाणिज्य विभाग के सीसीआई कुछ शातिर किस्म के विभागीय कर्मियों को अपने भरोसे में लेकर व्यवस्था को पलीता लगाने में लगे हुये हैं। कुछ टीटीई तो अपने निजी स्वार्थ के चलते प्रभावशाली यूनियन के पदाधिकारियों की जी हजूरी करके अपने खुद के स्वार्थ सिद्ध करने में लगे हैं।

वहीं दूसरी कुछ तो ड्यूटी के नाम पर धड़ल्ले से मजा करते हुये खुद तो मालामाल हो रहे हैं। लेकिन इससे विभाग को हर माह लाखों के राजस्व की चपत लग रही है। इस तरह की सक्रियता बीते कई माहों से जारी है। इस पर अभी तो रोक लगती नहीं दिख रही है।

इस तरह रेलवे के आला अधिकारियों को ध्यान देने की जरूरत है। ऐसा नहीं होने पर वाणिज्य विभाग को होने वाले आर्थिक क्षति को रोका नहीं जा सकेगा। इसे लेकर रेलवे के गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं गर्म हैं।

वहीं उन कर्मियों की मुसीबत है जो ईमानदारी से यात्री ट्रेनों में ईमानदारी पूर्वक अपने दायित्वों को पूरा करने में लगे हैं। वाणिज्य विभाग के उच्च स्तर के अधिकारियों को ऐंसे टीटीई को प्रोत्साहित करने की तरफ कवायद करनी चाहिये। वहीं विभाग से मक्कारी करने वालों की पहचान कर उन पर नियमानुसार कड़े कदम उठाने चाहिये। तभी रेलवे जैसे सबसे बड़े विभाग की बेहतरी के रास्ते खुले रहेंगे।

यहां यह बात ध्यान देने वाली है कि रेलवे में सबसे कमाऊ शाखा वाणिज्य विभाग को माना जाता है। इसे रेलवे की रीढ़ की हड्डी भी कहा जाये तो कम नहीं होगा। इसलिये इसकी खामियों पर तुरंत एक्शन लेने की जरूरत है। ड्यूटी के नाम पर खिलवाड़ करने वालों को रोकने में विभाग की भलाई है। बहरहाल कब तक रेलवे के आला अधिकारी ऐसे कतिपय कर्मियों की खबर लेने का काम शुरू करेंगे यह तो आने वाले समय में पता चल पायेगा।

रेल्वे अपने ही कर्मचारी को दे रहा यातना

जबलपुर, देशबन्धु। किसी भी विभागीय कर्मचारी को सर्वप्रथम यही सिखाया जाता है, विभागीय नियमो का पालन होना चाहिए।

विडंबना तब हो जाती है, जब कर्मचारी को विभागीय नियमो के पालन कराने के लिए ही दंडित किया जाता है, दुर्भाग्यपूर्ण ये है कि कर्मचारी को ना सिर्फ़ दंडित किया जाता है, बल्कि विभागीय नियमो के पालन मे जिसने अवहेलना की उस पर कोई कार्यवाही नहीं होती। मामला डबल्यू सी आर का है, जहां के टी सी गिरीश बनकर जो की दिनांक 9/4/21 को ट्रेन नंबर 02149 मे जबलपुर से (प्रयागराज)छिंवकी तक थी, इस दौरान कटनी के पास एक आरक्षक अनिल नायडू ए सी टू मे बैठ गया। जब गिरीश बनकर ने यात्रा अधिकार पत्र मांगा तो आरक्षक ने ना सिर्फ़ अभद्र व्यवहार किया अपितु अपशब्दों का प्रयोग और झूमा झटकी भी की, चूंकि गिरीश उच्च रक्तचाप के मरीज़ है, और गोली भी उस दिन पास मे नही थी , बेचैनी होने पर वो आराम करने लगे वहीं सीट पर। फिर घर आकर तबियत ठीक नहीं लगने की बात घर मे बताई और उक्त घटना भी। अगले गिरीश परिवार के साथ बाहर घूमने गए वहां फिर बेचैनी और घबराहट होने पर रेल्वे हॉस्पिटल ले गए जहां से उन्हें आदित्य हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया गया, गिरीश की पत्नी ने डॉक्टर से पूछा उन्हे क्या हुआ है, तो डाक्टर ने बताया गिरीश की ब्रेन हेमरेज हुआ है,।

गिरीश को एक महीने बाद डिस्चार्ज किया गया लेकिन तब से गिरीश को चलने फिरने मे तकलीफ रहती है, और इस सबके बीच रेल्वे ने गिरीश का तबादला कटनी कर दिया है। यहां समझने वाली बात है कि, जिस व्यक्ति को चलने फिरने मे दिक्कत है, वो वहां अपना ख्याल कैसे रखेगा, ब्रेन हेमरेज का मामला है, रात बिरात तबियत खराब हो जाए कुछ अनहोनी हो जाए तो कौन जिम्मेदार होगा। लेकिन विभाग कर्मचारी के मानवीय पहलू पर विचार ना कर उसे यातना देने पर उतारू है।

मानवीय दृष्टिकोण जरूरी

विभाग को कर्मचारी के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, और दोषी आरक्षक को दंडित करना चाहिए। मण्डल रेल प्रबंधक कमल तलरेजा द्वारा मामले को संज्ञान मे लेते हुए कर्मचारी की बीमारी की गंभीरता को देखते हुए, तत्काल ट्रांसफर को स्थगित करते हुए कर्मचारी के मानवीय हितों को संरक्षण प्रदान करना चाहिए। और रही बात ट्रांसफर की तो जो वर्षों से कर्मचारी जमे हैं, उनको भी संज्ञान मे लेना चाहिए।

यहां गौरतलब है कि देशबंधु ने कर्मचारी की तकलीफ़ को उस समय प्रकाशित भी किया था, लेकिन विभाग अपनी हठधर्मिता के चलते कर्मचारी के प्रति अमानवीय व्यवहार पर उतारू है।

मां के ममत्व, मार्गदर्शन और प्रेरणा से मिली सर्वोच्च सफलता : निगमायुक्त प्रीति यादव

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय प्रशासनिक सेवा में आई.ए.एस. अधिकारी एवं नगर निगम जबलपुर नगर निगम के इतिहास में पहली महिला आयुक्त पद को सुशोभित करने वाली आई.ए.एस. अधिकारी श्रीमती प्रीति यादव ने 11 मई 2025 दिन रविवार को मदर्स डे पर देश-प्रदेश के सभी पूज्य माताओं को सादर नमन, वंदन करते हुए अपनी माँ श्रीमती शांति देवी यादव के संबंध में विशेष चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अपनी सर्वोच्च सफलताओं के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि जीवन में किसी बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए बच्चों के जीवन में माताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने अपनी माता श्रीमती शांति देवी यादव के बारे में बताया कि उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में जो सफलताएँ प्राप्त की उसमें उनकी माँ की भूमिका, मार्गदर्शन, और साकारात्मक प्रेरणा का अमूल्य योगदान समाहित है। जिसके प्रतिफल स्वरुप आज मे भारतीय प्रशासनिक सेवा में नगर निगम जबलपुर के आयुक्त पद को संभाल रही हूँ। उन्होंने बताया कि यह पहला अवसर है जब कोई महिला आई.ए.एस. अधिकारी नगर निगम जबलपुर में आयुक्त के पद पर पदस्थ हुई है। यह दायित्व संभालने का मुझे गौरव प्राप्त हुआ है। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि माँ के सशक्त मार्गदर्शन और बच्चों के प्रति उनके समर्पण के बिना मेरे लिए यह सफलता हासिल कर पाना संभव नहीं था। जिस शिखर पर आज मे हूँ,उसमें उनकी माँ की भूमिका सर्वोपरि एवम अमूल्य है।

मदर्स डे पे पर निगमायुक्त प्रीति यादव ने देश की सभी माताओं को प्रणाम करते हुए पुनः शुभकामनाएँ दी हैं। इस मौके पर उन्होंने सभी को संदेश दिया है कि अपनी माता को सदैव स्नेह करें और उनके आशीर्वाद से अपने भविष्य को उज्जवल बनाने कदम दर कदम बढ़ाते रहे।

जारी हुआ गेहूं खरीदी का अंतिम आंकड़ा

जबलपुर,देशबन्धु। जैसी की संभावना जताई जा रही थी, की गेहूं उपार्जन की खरीदी का आंकड़ा गत वर्ष के आंकड़ें से पीछे रहने की संभावना है, और ये संभावना सच साबित हुई, जब सम्बन्धित अधिकारी ने गेंहू खरीदी के आंकड़ें जारी किए। हालांकि सरकार ने पूरे प्रयास किए खरीदी बढ़ाने के लिए,दो बार खरीदी की अंतिम तारीख भी बढ़ाई, यहां तक की आंकड़े जारी करने मे भी, दो दिन का समय बढ़ाया। बहारहाल रात सरकार ने खरीदी का आंकड़ा जारी कर दिया जो की एक लाख चौवालिस हज़ार एक सौ उन्हत्तर मिट्रिक टन गेहूं की खरीदी हुई है । बता दें इस बार बीस हजार स्लाट बुक हुए थे, जिसमे से सोलह हज़ार किसानों ने गेंहू बेचा है। जबकि गत वर्ष बाईस हज़ार स्लॉट बुक हुए थे, और अठारह हज़ार किसानों ने गेंहू बेचा था, जो की एक लाख इकहत्तर हज़ार मिट्रिक टन था। अगर तुलनात्मक दृष्टिकोण से देखें तो गत वर्ष की तुलना मे इस वर्ष लगभग सत्ताइस हज़ार मिट्रिक गेहूं की खरीदी कम हुई।

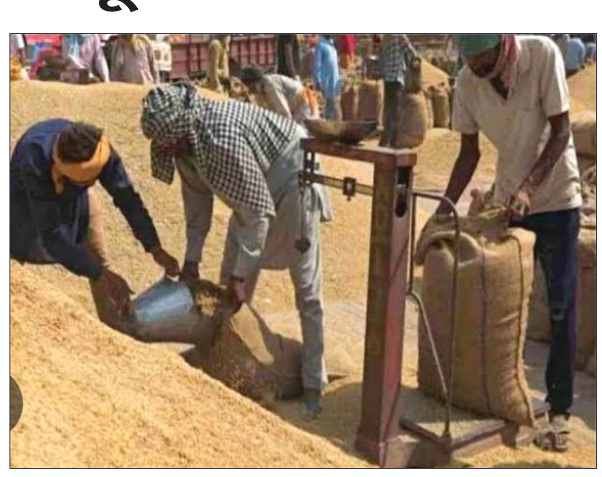

गेहूं की कम खरीदी के विषय मे जब संबंधित अधिकारी से बात हुई तो उन्होने बताया की खरीदी का बाजार भाव ज्यादा था, इसलिए ज्यादातर किसानों ने मंडी की ओर रुख किया ही नहीं। जबकि प्रशासन ने पूरी तैयारी की थी, तारीख भी बढ़ाई थी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में एनर्जी हैंडलिंग का नया कीर्तिमान : ऊर्जा मंत्री तोमर

ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश की ऐतिहासिक उपलब्धि

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्युत प्रणाली के संचालन में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। इस वर्ष प्रदेश के पारेषण नेटवर्क ने कुल 1,01,039.88 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफलतापूर्वक संचालन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 6.2 प्रतिशत अधिक है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की विद्युत कंपनियों के अभियंताओं और तकनीशियनों की विशेषज्ञता, कुशल प्रबंधन और विद्युत प्रणाली के उत्कृष्ट रखरखाव का प्रतिफल है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए समस्त विद्युत कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है।

एक दिन में सर्वाधिक एनर्जी हैंडलिंग का रिकॉर्ड भी बना

उन्होंने आगे बताया कि 24 फरवरी 2025 को मध्यप्रदेश में एक दिन में सर्वाधिक एनर्जी हैडलिंग का रिकॉर्ड भी बना। इस दिन 353.77 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफलतापूर्वक संचालन किया गया, जो राज्य की विद्युत प्रणाली की उच्च कार्यक्षमता, विश्वसनीयता और स्थिरता का प्रतीक है।

बिजली की मांग में वृद्धि और निरंतर आपूर्ति

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने यह भी जानकारी दी कि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में कुल 95,137 मिलियन यूनिट ऊर्जा का संचालन किया गया था। इस वर्ष, बिजली की निरंतर ब?ती मांग को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह उपलब्धि राज्य में सभी स्तरों पर विद्युत प्रणाली की लगातार उपलब्धता के कारण संभव हो सकी। पिछले दो वर्षों से प्रदेश में एनर्जी हैंडलिंग (ऊर्जा संचालन) में निरंतर वृद्धि हो रही है। वर्ष 2022-23 में 88,850 मिलियन यूनिट, वर्ष 2023-24 में 95,137 मिलियन यूनिट, और अब 2024-25 में 1,01,039.88 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफल संचालन हुआ है।

गुरु भक्ति का इलाही पैगाम दिया गुरु अमरदास जी ने

आस्था पूर्वक मनाया गया गुरु अमरदास जी का प्रकाशोत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। सिख धर्म के तीसरे गुरु अमरदास जी का पवित्र प्रकाशोत्सव रविवार को नगर के विभिन्न गुरुद्वारों में पूर्ण आस्था और श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। गुरुद्वारा ग्वारीघाट में आयोजित भव्य कीर्तन दरबार में बाबा लखबिंदर सिंह ने बताया कि श्री गुरु अमरदास जी ने गुरु भक्ति का इलाही पैगाम दिया और गुरुभक्ति को ही सर्वोपरि माना। उन्होंने गुरु नानक देव जी के सिद्धांतों को आगे बढ़ाते हुए आडंबरों और सती प्रथा, पर्दा प्रथा और बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ अहम भूमिका का निर्वहन किया। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में उनकी ईश्वरीय गुरुवाणी शिद्दत से दर्ज है। ज्ञानीजी ने सरबत के भले की अरदास संपन्न कराई। तदोपरांत गुरु का लंगर वितरित किया गया इस मौके पर रागी जत्था भाई नरिंदर सिंह, भाई सतनाम सिंह, भाई मनप्रीत सिंह एवं स्त्री सत्संग सभा ग्वारीघाट आदि ने सम सामयिक गुरुवाणी शबद भले अमरदास गुण तेरे, तेरी उपमा तोहे बन आव पेश कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

यहां कड़ाह प्रसाद और गुरु का लंगर के साथ ही मीठी लस्सी छबील का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रितपाल सिंह पॉली ने तथा प्रधान साहब गुलजीत सिंह साहनी ने आभार व्यक्त किया।

सभा द्वारा आज श्रद्धालुओं हेतु निशुल्क नाव की भी व्यवस्था की गई थी। आयोजन में विभिन्न सेवादारों का विशेष योगदान रहा। इस दौरान समाजसेवियों को सिरोपा प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आगा चौक दरगाह में उर्स का आगाज, चादर जुलूस आज

जबलपुर, देशबन्धु। आगा चौक स्थित हजरत किब्ला मिर्जा चिश्ती नियाजी निजामी अलैह के उर्स का आगाज रविवार को महफिले मिलाद शरीफ से हुआ! उर्स में स्थानीय व दूर दराज से बड़ी तादाद मे अकीदतमंद तशरीफ लाए हैं। मजार शरीफ पर नजरों न्याज का सिलसिला जारी है।

उर्स शरीफ के मौके पर दरगाह परिसर में शानदार सजावट की गई है। उर्स शरीफ के मौके पर दोपहर 3 बजे सन्दल जुलूस निकाला जाएगा। मुतवल्ली सैय्यद लियाकत अली, गुलाम अली घीवाला सेक्रेट्री मोहम्मद रफीक खान, सैय्यद साबिर अली ने तमाम अकीदतमंदो से शिरकत की गुजारिश की है।

नरसिंह भगवान से की सर्व मंगल की कामना

जबलपुर, देशबन्धु। वैदिक मंत्र अनुष्ठान सर्व कल्याण के लिए होते हैं, सनातन धर्म में सर्व मंगल की कामना है, श्रीहरि नारायण के नाम जप मात्र भक्त के सभी कष्टों का नाश होता है। भक्त प्रह्लाद ने हरि भक्ति में लीन होकर समस्त कष्टों को सहन किया तो खंबे से नारायण भगवान नरसिंह रूप में प्रगट हुए। राष्ट्र के मंगल के लिए निरंतर प्रार्थना करना चाहिए उक्त उद्गार श्रीमद् जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह देवाचार्य जी महाराज ने श्रीहरि विष्णु के महाअवतार भगवान नरसिंह के प्राकट्य दिवस पर नरसिंह मंदिर शास्त्री ब्रिज में तीन दिवसीय वैदिक महोत्सव में कहे। वैशाख शुक्ल नृसिंह चतुर्दशी पर प्रात: महाभिषेक, षोडशोपचार पूजन, दिव्य श्रृंगार, नाम जप, सायं काल सहस्त्रार्चन, हवन, तर्पण महाआरती और भोग भंडारा आयोजित किया गया। जगतगुरु राजारामाचार्य जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी जी महाराज, आचार्य अनूप देव शास्त्री, महंत मनीषादास, स्वामी बालकदास सहित बड़ी संख्या में संत महात्माओं ने सर्व मंगल की कामना की। नरसिंह प्राकट्य महोत्सव में मंत्री राकेश सिंह, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अभिलाष पांडे, भाजपा अध्यक्ष रत्नेश रिंकू विज, भाजपा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, पार्षद प्रतिभा भापकर, राममूर्ति मिश्रा, ठाड़ेश्वर महावर सहित जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भगवान नरसिंह प्राकट्य महोत्सव में श्याम साहनी, अशोक मनोध्या, गुलशन मखीजा, शरद काबरा, लकी भाटिया, राजेन्द्र प्यासी, एस एन शर्मा, कमलजीत परमार, ठाकुर हरकेश सिंह, डॉ दीपक बहरानी, डा वी के भारद्वाज, डा हितेश अग्रवाल, प्रवेश खेड़ा, विष्णु पटेल, विध्येश भापकर, जगदीश साहू, राजेन्द्र यादव, डॉ संदीप मिश्रा, मनोज पटेल, नीरज मिश्रा, लोकराम कोरी, जगदीश साहू, मनोज नारंग, के के बस्सी, वीणा साहू, शिवकली मालवीय, गीता पांडे, अंजू भार्गव, नीता चावला, आचार्य मंडल के लालमणि मिश्रा, राम जी पुजारी, ब्रह्मचारी हिमांशु, आचार्य रामफल शास्त्री, आचार्य दीपनारायण शास्त्री, श्री नरसिंह मंदिर गीता धाम भक्त मंडल, सनातन धर्म महासभा जबलपुर ने किया है।

जितनी बाती की आरती उतने जन्मों के पापों का क्षय- ब्रह्मचारी सुबुध्दानन्द

जबलपुर, देशबन्धु। श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मढ़ाताल में चल रहे पर्व महाआरती महोत्सव के क्रम में आज पीताम्बरा भगवती माँ बगलामुखी का आम्रफलों द्वारा सहस्त्रार्चन जगद्गुरु शंकराचार्य पीठाधीश्वर महाराज श्री के निजी सचिव ब्रह्मचारी सुबुध्दानन्द जी महाराज एवं ब्रह्मचारी चैतन्यानन्द जी महाराज के परम सन्निध्य में किया गया। ब्रह्मचारी श्री सुबुध्दानन्द जी महाराज ने बताया कि परब्रह्म परमात्मा की उपासना के अनेक उपचार होते हैं, उन उपचारों में षोडशोपचार पूजन अत्यंत विशिष्ट माना जाता है उन षोडशोपचार पूजन में आरती सबसे विशिष्ट मानी जाती है आरती का मतलब होता है।

साधक अपने इष्ट से अत्यधिक प्रेम करता है और इतना प्रेम करता है कि वह अपने इष्ट को सदा सर्वदा सुखी देखना चाहता है इसी भाव से आरती के द्वारा वह सारे के सारे कष्ट जो उसके इष्ट के होते हैं अपने में लेना चाहता है नारद भक्ति सूत्र में भी इसी बात का वर्णन करते हुए लिखा है तत सुखा सुखितवम अपने प्रेम के आसपत के सुख में सुखी रहना उसे हर क्षण सुख में देखना यह भगवत भक्ति कहलाती है वैशाख पर्व चल रहा है यह श्रेष्ठ इसलिए माना जाता है इस मास में भगवान सूर्य नारायण मेष राशि में रहते हैं मेष सूर्य बड़ा प्रखर माना जाता है इसका सूर्य सारे के सारे पापों को नष्ट कर देता है आरती का जो दर्शन करता है उसके जितनी बाती की आरती का दर्शन करता है इतने जन्मों के पाप उसके नष्ट हो जाते हैं।

एक सुखद संयोग यह भी है कि भगवान नरसिंह का अवतरण दिवस भी है आज ही के दिन भगवान नरसिंह अवतरित हुए थे इसलिए जो भी आरती का दर्शन करेगा उसे भगवान नरसिंह की विशेष कृपा प्राप्त होगी। इस मौके पर आचार्य राजेन्द्र प्रसाद शास्त्री, के.बी. सिन्हा, अनिरुद्ध सिन्हा, बी.के. पटेल, गोविन्द साहू, ऋषि अग्रवाल, विवेक गुप्ता, मोनू परिहार, मनोज सेन आदि भक्त शामिल रहे।

फातिमा माता मरियम की वार्षिक भक्ति ....नवीना का आठवां दिन

माता मरियम की भांति प्रभु येसु की वाणी को सुनें और पहचानें...फादर रॉड्रिक्स

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी जबलपुर में सेंट थॉमस स्कूल परिसर स्थित फातिमा की माता मरियम के तीर्थस्थल में वार्षिक भक्ति के अंतर्गत आज नौदिवसीय प्रार्थना का आठवां दिन था। आज के पावन ख्रीस्तयाग के मुख्य याजक सेंट अलॉयशियस कॉलेज के एडमिनिस्ट्रेटर फादर प्रदीप रॉड्रिक्स ने भक्तजनों की उपस्थिति में पावन ख्रीस्तयाग अर्पित करते हुए कहा...

हम आज भला गड़रिया का रविवार मना रहें हैं। प्रभु येसु हमारे भले गड़रिए हैं। भला गड़रिया अपनी भेड़ों को पहचानता है हमें भी हर अवसर पर प्रभु की वाणी को सुनना और उनका अनुसरण करना चाहिए क्योंकि यह हमारा कर्तव्य भी है। अनेक बार हम प्रभु को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं। हमें प्रभु को सुनने की अत्यंत आवश्यकता है। माता मरियम ने प्रभु की वाणी को सुनकर कहा आपका कथन मुझ में पूरा हो, और माता मरियम अपने संपूर्ण जीवन में प्रभु की बातों को लेकर चलती रहीं। जिस तरह ईश्वर ने माता मारियन को चुना और उन्होंने अपनी बुलाहट को स्वीकार करते हुए परमेश्वर की योजना को पूर्णता तक पहुंचाती है वैसे ही हमें ईश्वरीय बुलाहट को पहचानकर ईश्वर के कार्यों की सेवा के लिए अपने आप को प्रस्तुत करना है। नवनिर्वाचित संत पिता लियो चौदहवें ने अपने संकल्प में जिस महत्वपूर्ण बात को सम्मिलित किया है वह है माता मरियम के प्रति भक्ति को दृढ़ता के साथ बढ़ाया जाए। आज कलीसिया को हम माता मरियम के समक्ष समर्पित करें कि अधिक से अधिक लोग ईश्वरीय बुलाहट के लिए, आगे आये और कलीसिया की सेवा के लिए अपने आपको समर्पित करें। आज हमारे लिए एक माता है जो प्रेरणा का स्त्रोत है वो है माता मरियम जो सदा निष्कलंक रहीं, उन पर किसी भी प्रकार के पाप का कलंक या दाग नहीं लगा।

दैनिक राशिफल

सोमवार 12 मई 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2081, शक संवत 1946 हिजरी 1445। वैशाख शुक्ल पक्ष की अष्टमी, नक्षत्र- ।

मेष आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से आज का दिन लाभदायक रहेगा। लंबे समय का आर्थिक आयोजन पूरा कर सकेंगे।

वृषभ परिश्रम की अपेक्षा कम परिणाम मिलने पर भी आप निष्ठापूर्वक काम को आगे बढ़ाएंगे। आपके क्षेत्र की विशालता और वाणी की मधुरता अन्य लोगों को प्रभावित करेगी।

मिथुन महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करेंगे। घर में माता और स्त्री वर्ग के लिए आप अधिक भावनाशील बन जाएंगे। तनाव महसूस कर सकते हैं।

कर्क आज का दिन नए काम की शुरुआत या सफलता के लिए अच्छा रहेगा। मित्रों और स्वजनों से मिलकर आप खुशी अनुभव करेंगे। किसी यात्रा की संभावना है।

सिंह परिवार के सदस्यों के साथ सुख-शांति में दिन व्यतीत होगा। उनका सहयोग मिलेगा। महिला मित्रों की विशेष मदद मिलेगी। अपनी प्रभावकारी वाणी से अन्य लोगों का ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

कन्या अपने समृद्ध विचार और बोली से आज आपको लाभ होगा। किसी के साथ नए संबंध में जुड़ सकते हैं। आज का दिन व्यापार की दृष्टि से लाभदायक रहने की संभावना है।

तुला आज के दिन ज़रा सा भी असंयमित और अनैतिक व्यवहार आपको तकलीफ में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

वृश्चिक घर परिवार के साथ आपको आनंद और संतोष की अनुभूति होगी। पत्नी और पुत्र की तरफ से अच्छे समाचार मिलेंगे। शुभ कार्य में भाग ले सकेंगे।

धनु काम में सफलता का दिन है। नए काम की शुरुआत कर सकेंगे। व्यापारी अपने बिजनेस का आयोजन और विस्तार अच्छी तरह कर सकेंगे। नौकरी में उच्च पदाधिकारी आपकी पदोन्नति के लिए विचार करेंगे।

मकर आप अपने व्यापार के लिए नई शैली से काम करेंगे। लेखन और साहित्य संबंधी काम को आगे बढ़ा सकते हैं। शारीरिक थकावट और भय की अनुभूति होगी।

कुंभ आपके मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न हो सकते हैं। आपके मन में क्रोध और दु:ख की भावना हो सकती है।

मीन भाग्य का साथ होने के आज का दिन अच्छी तरह व्यतीत होगा। बिजनेस में भागीदारी करनी हो तो समय अनुकूल है। जीवनसाथी के साथ निकटता का अनभव होगा।

ताइक्कांडो यूनियन के सात खिलाड़ियों को मिली ब्लेक बेल्ट

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर इंडियन ताइक्कांडो यूनियन एवं मध्यप्रदेश ताइक्कांडो यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवम्बर 2024 को ताइक्कांडो ब्लैक बेल्ट परीक्षा का आयोजन रॉक फोर्ड सोफ्टसोल कम्प्यूटर एकेडमी परिसर स्थित मध्यप्रदेश ताइक्कांडो यूनियन के मुख्य कार्यालय में आयोजित की गई। ब्लैक बेल्ट परीक्षा मे मध्यप्रदेश राज्य से 7 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें जबलपुर जिले से छ: खिलाड़ी एवं नर्मदापुरम से एक खिलाड़ी ने भाग लिया। परीक्षा में सम्मिलित ताइक्कांडो खिलाड़ी मोहित यादव, कार्तिक यादव, कृतिका खियानी, कामाक्षा पटेल, प्रियांशी उपाध्याय, वैष्णवी उपाध्याय के नाम हैं।

राष्ट्रीय ध्वज को लेकर निकलेगी पंचकोशी परिक्रमा

आज 466 वी पंचकोशी परिक्रमा भेड़ाघाट में

जबलपुर, देशबन्धु। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से प्रत्येक पूर्णिमा को निकल जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा 12 मई वैशाख पूर्णिमा पर प्रात 6:00 बजे सोमवार को भारत माता के उदघोश के साथ पूज्य संत महात्माओं के सानिध्य में 466 वी पंचकोशी निकाली जाएगी

संकीर्तन मंडल देश भक्ति गीतों के साथ हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लेकर निकलेंगे देश की सेना के लिए प्रार्थना की जाएगी कि वह कम समय में अपना पूरा काम कर दे सिंदूर का बदला ले ले ऐसा सबक सिखाएं की दुनिया याद रखें बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज के सानिध्य में होगा एवं विशाल भंडारे के साथ परिक्रमा का समापन होगा उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा के अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमाशंकर पटेल मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल विनोद दीवान मनोज गुलब्बानी दुर्गा पटेल सुरेश विश्वकर्मा कैलाश विश्वकर्मा विशाल पड्या आदि ने की है

स्वयं भू सिध्देश्वर महादेव श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में आज भंडारा

जबलपुर, देशबन्धु। आज वैशाख माह की पूर्णमासी के पावन मौके नर्मदा के भटौली घाट पर विशाल भन्डारे का प्रसाद वितरण किया जायेगा। सुबह सुंदरकांड के बाद कन्या भोजन के बाद प्रसाद वितरण शुरू हो जायेगा।

जिसमें मालपुआ, खीर, कढ़ी, चांवल एवं अन्य व्यंजनों को प्रसाद में वितरित किया जायेगा। भक्तों से उपस्थिति का आग्रह मंदिर संस्थापक पंडित मनोज तिवारी ने किया है।

जागरूक क्रिश्चियन मंच ने समर बाइबिल कैम्प की सराहना की

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश जागरूक क्रिश्चियन मंच के प्रदेश अध्यक्ष - रॉबर्ट मार्टिन और प्रदेश संयोजक जेम्स एंथोनी (पूर्व पल्ली सचिव निर्मला चर्च) ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि काँचघर स्थित निर्मला चर्च में बाइबिल स्टडी समर कैम्प जहां बच्चों ने न सिर्फ बाइबिल के बारे में जानकारी ली बल्कि अदर गतिविधियों जैसे स्पोर्ट्स, डांस, गीत संगीत की शिक्षा भी ग्रहण की, समर कैम्प के समापन में जागरूक क्रिश्चियन मंच के पदाधिकारियों द्वारा कैम्प में उपस्थित सभी बच्चों और शिक्षकों को नास्ता, ठंडा पेय देते हुए पूर्व पल्ली सचिव निर्मला चर्च के जेम्स एंथोनी द्वारा समर कैम्प में उपस्थित सभी बच्चों, पालकों, मंच के पदाधिकारियों और शिक्षकों को बाइबिल के मुख्य सुसमाचार के ज्ञान से अवगत कराते हुए संबोधित किया गया और साथ ही सभी बच्चों को प्रभु येसु की शिक्षा पर चलने के लिए प्रेरित किया गया

जिससे क्रिश्चियन समाज के बच्चे प्रभु यीशु का अनुसरण करते हुए सत्य, मार्ग और जीवन को पहचाने, प्रभु येशु ही सत्य, मार्ग और जीवन है स्वर्ग से उतरी हुई जीवन की रोटी प्रभु येशु है जो उसे ग्रहण करता है उसे फिर कभी भूख और प्यास नहीं लगेगी अथार्थ वह पवित्र आत्मा से तृप्त किया जाएगा इस प्रकार से पवित्र बाइबिल के सुसमाचार से जेम्स एंथोनी पूर्व पल्ली सचिव निर्मला चर्च के द्वारा बच्चों को बाइबिल के ज्ञान से अवगत कराया गयाइ समर कैम्प में मिशनरीज ऑफ चैरिटी की सिस्टर्स भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर जागरूक क्रिश्चियन मंच के रॉबर्ट मार्टिन, जेम्स एंथोनी, फ्रांसिस एंथोनी, क्लेमेंट पायस, शैलेश जॉर्ज, एनोस विक्टर, मनोज एंथोनी (कैथोलिक डायोसिस के फोटोग्राफर) गुडविन चार्ल्स, डेनिस क्लेमेंट, अल्बर्ट एंथोनी, रोज़ मेरी थॉमस, रोहित गवांडे, डायगो अंड्राडे, मरदलीन मेरी, ब्रिजिता गावंडे, मरलीन जोसफ, विरोनिका बैप्टिस्ट, क्रिस्टीना चार्ल्स, लेन्सी सैमसन, क्लेरिटा ग्रेगरी, ट्रीज़ा रोड्रिग्स, हेंड्री एंथोनी, रिंकू पीटर, अल्फ्रेड एम्ब्रोस, राकेश श्रीवास, देवेंद्र भट, कुलदीप सिंह, डिएगो एंड्रेड, फिलिप एंथोनी, लॉरेंस मार्टिन, आनंद राज एंथोनी, सुनील रिचर्डसन, सुधीर पावेल आदि ने उपस्थित होकर समर कैम्प के बच्चों की हौसला अफ़ज़ाई की है।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री बांके लाल रैकवार- कांचघर पुलिस लाइन फिसलना मंदिर के पास निवासी नेहा, दीपू व स्व. प्रकाश रैकवार के पिता श्री बांके लाल रैकवार (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री ध्रुव कुमार पटेल- आमनपुर मदनमहल निवासी श्री ध्रुव कुमार पटेल (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंदा बाई चौधरी- गली नं. 4, बादशाह हलवाई मंदिर के पास पोलीपाथर निवासी श्री सुखलाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती चंदा बाई चौधरी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संजय कुमार भोजक- अमखेरा गोहलपुर निवासी श्री संजय कुमार भोजक (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मन्नू लाल साहू- समदड़िया ग्रीन सिटी माढ़ोताल रोड निवासी श्री मन्नू लाल साहू (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मथुरा प्रसाद अहिरवार- आईटीआई नई बस्ती माढ़ोताल निवासी श्री मथुरा प्रसाद अहिरवार (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती कल्लू बाई काछी- इंद्रानगर गली नं. 2, रामपुर निवासी श्री प्रकाश चंद काछी की धर्मपत्नी श्रीमती कल्लू बाई काछी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोना बाई चौधरी- गली नं. 8, शांतिनगर दमोहनाका निवासी श्री सन्ने लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती सोना बाई चौधरी (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री चेतन देवनानी- आलोक नगर अधारताल निवासी श्री चेतन देवनानी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गीता बाई चौधरी- बाबा टोला जानकीदास मंदिर के पास निवासी श्री ओम प्रकाश चौधरी धर्मपत्नी श्रीमती गीता बाई चौधरी (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण प्रसाद तिवारी- भरत कॉलोनी मड़ई व्हीकल निवासी श्री नारायण प्रसाद तिवारी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मनोज अहिरवार- झिन्ना मोहल्ला राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री अच्छे लाल अहिरवार के पुत्र श्री मनोज अहिरवार (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

शहर में कमीशन पर खिलवाया जा रहा आईपीएल सट्टा

हिसाब किताब के दस्तावेज, मोबाइल, नगदी सहित सटोरिया धराया

जबलपुर,देशबन्धु। शहर में आईपीएल का हाईटैक सट्टा कमीशन पर खिलाने वाले सटोरिए भी सक्रिय हैं जिनके तार न सिर्फ शहर बल्कि संभाग के अन्य जिलों में भी फैले हुए हैं। मदन महल थाना पुलिस ने मदन महल चौक पर ऐसे ही कमीशन पर आईपीएल क्रिकेट का सट्टा खिलाने वाले एक सटोरिए को मुखबिर की सूचना पर बीती रात धरदबोचा। आरोपी के कब्जे से हिसाब-किताब के दस्तावेज, 3 मोबाइल और 4 हजार 225 रुपये नगदी जब्त की गई।

एसपी के निर्देश पर चल रही मुहिम

टीआई मदन महल संगीता सिंह ने बताया कि एसपी सम्पत उपाध्याय द्वारा वर्तमान में चल रहे आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान पतासाजी कर क्रिकेट का सट्टा खिलाने वाले सटोरियों की धरपकड़ हेतु समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं सभी थाना प्रभारियों को आदेशित किया गया है। आदेश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली रितेश कुमार शिव के मार्गदर्शन में थाना मदनमहल की टीम द्वारा कमिशन पर आईपीएल क्रिकेट का सट्टा खिलाकर का हिसाब किताब करने वाले सटोरिए को गिरफ्तार किया गया।

खुलेआम कर रहा था कारोबार

श्रीमति सिंह ने बताया कि बीती रात्रि को

विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि ग्वारीघाट निवासी नीरज दौलतानी काफी दिनों से आईपीएल सट्टे का काम कर रहा है। अब तक किये गये सट्टे का अभी तक का हिसाब किताब करने के लिये मदन महल चौक के पास आया हैं। जो अपने पास हिसाब-किताब का रजिस्टर एवं मोबाइल रखा हैं। सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश देते हुये आमनपुर रोड पर मुखबिर के बताये हुलिये के व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया। जिसने पूछताछ पर अपना नाम नीरज दौलतानी उम्र 31 वर्ष निवासी सुखसागर ब्लू, थाना ग्वारीघाट बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास कपड़े के थैले में 3 कीपैड मोबाइल, एक रजिस्टर, कैलकुलेटर चार्जर सहित रखे मिला, रजिस्टर को चैक करने 15 अप्रैल से 4 मई तक खेले एवं खिलाये गये आईपीएल के सट्टे का हिसाब लिखा होना पाया गया।

हर एक बैटिंग का मिला हिसाब किताब

आरोपी नीरज दौलतानी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी आरोपी विजय उर्फ बिज्जू सिंधी द्वारा उपलब्ध करायी गई आईडी जेएएडब्ल्युईएक्ससीएच9 डॉट कॉम में आई.पी.एल. मैच का सट्टा खिलाने एवं रन, बाल, ओवर , बेटिंग के हिसाब से पैसे का लेखा-जोखा कर विजय उर्फ बिज्जू सिंधी तथा धर्मेन्द्र, पल्लव मिश्रा के साथ सट्टे की कटिंग करता हैं। उसने स्वीकार किया कि वह इन आरोपियों के साथ मिलकर आईपीएल क्रिकेट मैचों में लगे पैसे को देता तथा कमीशन के आधार पर कार्य करता हैं। आरोपी धर्मेन्द्र चक्रवर्ती निवासी भानतलैया, पल्लव मिश्रा निवासी चौथापुल , विजय उर्फ विज्जू सिंधी तलाश की जा रही हैं। आरोपी नीरज दौलतानी उम्र 31 वर्ष निवासी सुखसागर ब्लू थाना ग्वारीघाट के कब्जे से 3 नग कीपैड मोबाइल, कैलकुलेटर चार्जर सहित, पेन , रजिस्टर तथा आईपीएल से अर्जित की गई रकम 4 हजार 225 रूपये जब्त करते हुए आरोपियों के विरूद्ध धारा 4 क सट्टा एक्ट तथा 49, 52 बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई।

इनकी रही उल्लेखनीय भूमिका

सटोरिया को आईपीएल क्रिकेट मैच के सट्टे का हिसाब किताब करते हुये रंगे हाथ पकडने में प्रधान आरक्षक निर्मल सनोडिया, कृष्ण कुमार, आरक्षक बालाराम, अभिषेक की सराहनीय भूमिका रही।

महिला की हत्या कर शव नाले में फेंका!

माढ़ोताल में संदिग्ध परिस्थिति में मिला शव, शरीर पर चोटों के निशान देख लगाए जा रहे कयास

जबलपुर,देशबन्धु। शहर में जिला पुलिस की हर रोज चलाई जा रही अपराधियों के खिलाफ मुहिम का भी खौफ शहर के अपराधियों में नजर नहीं आ रहा हैं। जब-तब सामने आ रही हृदय विदारक मामले और आपराधिक घटनाएं बानगी दे रही हैं कि शहर में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

इसी तरह की एक घटना माढ़ोताल थाना क्षेत्र के ग्राम मंगेला, मंगेली में शमशान नाला के पास देखने मिली जब एक महिला की नाले में संदेहास्पद परिस्थितियों में लाश मिली। करीब 30 वर्षीय महिला की शिनाख्त तो नहीं हो पाई हैं लेकिन मृतका के सिर एवं शरीर के अन्य हिस्सों में जिस तरह चोटों के निशान दिखाई दे रहे हैं उससे पुलिस सूत्रों के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला जघन्य हत्या की वारदात के बाद साक्ष्य छिपाने की दृष्टि से सूनसान नाले में फेंके जाने का प्रतीत हो रहा हैं।

रविवार दोपहर मिली थाने में सूचना

टीआई नीलेश दोहरे ने बताया कि रविवार की दोपहर ग्राम मंगेला, मंगेली मुक्तिधाम के पास नाले में एक महिला का शव मिलने की सूचना मिली।

सूचना पर वे हमराह स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। जहां गांव के सरपंच ग्राम मंगेला निवासी 41 वर्षीय अर्जुन सिंह चढ़ार ने बताया कि रविवार दोपहर लगभग करीब 2 बजकर 20 मिनट पर उन्हें और उप सरपंच मुनीम कुमार कुशवाहा को सूचना मिली कि मंगेली शमशान नाला में एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हैं, महिला की उम्र करीब 30 वर्ष लग रही हैं। सूचना पर वे मौके पर पहुंचे तो देखा अज्ञात महिला का शव नाले में पड़ा था सिर एवं शरीर में चोट जैसे निशान थे।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। सूचना पर पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक माढोताल बी.एस. गोठरिया, एफएसएल अधिकारी डॉक्टर अजय सिंह, मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों एवं एफ.एस.एल. टीम की उपस्थति में पंचनामा कार्रवाई कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर प्रकरण जांच में लिया गया। शव 2 दिन पूर्व का होना प्रतीत हो रहा है, अज्ञात महिला की शिनाख्तगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

पराली जलाने के विवाद पर मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। पनागर थानांतर्गत पराली जलाने के विवाद पर एक दुग्ध व्यवसायी एवं सिकमी पर खेती करने वाले युवक के साथ तीन युवकों ने मारपीट कर दी। पुलिस के अनुसार इस मामले में पीड़ित ग्राम तिलगवां निवासी 34 वर्षीय रामसेवक राय ने रिपोर्ट दर्ज कराई।

रामसेवक ने पुलिस को बताया कि वह दूध का व्यवसाय करता है एवं उसने खेरमाई मंदिर के सामने कृष्ण बहादुर राजपूत की जमीन 3 वर्ष के लिये सिकमी पर ली हैं। रविवार दोपहर लगभग 1 बजे गांव के आरोपी आकाश यादव, विकास यादव एवं महेश यादव तीनों आकर बोले कि वह बहुत दूध बेच कर कमाता है और खेत के कटे गेहूं के डंठलों में आग लगाया हैं। रामसेवक ने मना किया कि उसने आग नही लगाई है। इस पर आरोपी आकाश यादव उससे शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगा, उसने पैसे देने से मना किया तो तीनों गाली गलौज करने लगे, गालियां देने से मना किया तो तीनों मारपीट करने लगे विकास यादव ने सब्जी काटने वाले चाकू से हमलाकर उसकी आंख के पास तथा बायें गदेली तथा उंगली में चोट पहुंचा दी, उसकी मां भागवती राय एंव पिता मुन्ना राय आये तो महेश यादव ने डंडे से हमलाकर उसकी माँ को बाएं पैर एवं कान में चोट पहुंचा दी। बीच बचाव के दौरान उसके पिता के हाथ में चोट आ गयी। आरोपी विकास यादव ने चाकू मार दिया तथा तीनों गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 118(1), 119(1, 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सेल्समेन के सूने मकान का ताला तोड़ कर चोरी

जबलपुर,देशबन्धु। सराफा में सेल्समेन का कार्य करने वाले एक वृद्ध के गोहलपुर स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर किसी चोर ने नगदी और जेवरों पर हाथ साफ कर दिया। इस मामले में पीड़ित गणपति विहार निवासी 60 वर्षीय भगवान सिंह ठाकुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई।

श्री ठाकुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वे सराफा में सेल्समेन का काम करते हैं। 9 मई की शाम लगभग 7: 30 बजे उनके भांजे सुरेन्द सिंह जो सराफा में गोरेलाल धर्मशाला में निवास करते थे, अचानक खत्म हो जाने से वह अपने परिवार सहित अपने मकान में ताला लगाकर शोक कार्यक्रम में गया था। सुबह लगभग 5-30 बजे अपने बच्चों 28 वर्षीय शुभम ठाकुर एवं 25 वर्षीय सत्यम ठाकुर को घर भेजा था। उनके बेटों ने उन्हें फोन कर बताया कि घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा है तथा मम्मी की आलमारी का सामान बिखरा हुआ पड़ा हैं। लॉकर टूटा है, चैक करने पर सोने का हार, मंगलसूत्र, झुमकी, चैन, अंगूठी, लौंग तथा चांदी की पायल, गिलास, चूड़ी, बिछिया तथा नगदी 18 हजार रुपये गायब थे। सूने घर में किसी चोर ने घर का ताला तोड़कर घर में घुसकर सोने चांदी के जेवर तथा नगदी पर हाथ साफ कर दिया। रिपोर्ट पर धारा 331, 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

वाहन के विवाद पर दो पक्ष भिड़े

जबलपुर,देशबन्धु। बरेला थाना अतंर्गत शारदा मंदिर विद्युत मंडल कार्यालय के पास ओवर टेक करने और गाड़ी को साईड करने की बात पर दो पक्षों ने एक दूसरे के साथ मारपीट कर बेसबॉल के डंडे, पाईप रॉड, लोहे की रॉड, और लाठी से हमला कर घायल कर दिया।

मारपीट की इस वारदात में पांच लोग घायल हो गए। बरेला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरानी बाजार बरेला निवासी 38 वर्षीय सब्जी व्यापारी नीरज रजक बीती रात लगभग 1 बजे आशीर्वाद गार्डन से शादी सामारोह से चौपहिया वाहन से लौट रहा था। वह जैसे ही शारदा मंदिर एमपीबी आफिस के पास पहुंचा तभी पीछे से सफेद रंग की बुलेरो आयी और ओवरटेक कर उसे गाड़ी किनारे करने के लिये बोला, उसने गाड़ी रोकी तो बुलेरो गाड़ी चालक ने नीरज रजक और उसके

साथी मनीष मार्को, दिलीप कुमार मरकाम के साथ बेसबाल के डंडा एवं पाईप राड से मारपीट कर नीरज के सिर हाथ, कमर पीठ पर और दिलीप कुमार के हाथ एवं मनीष मार्को को होंठ में चोटें पहुंचा दी तथा जान से मारने की धमकी दी।

वहीं दूसरे पक्ष बरेला निवासी 23 वर्षीय शराब सेल्समेन रोहित सिंह तोमर देर रात लगभग 1.30 बजे धनपुरी से अपनी सफेद रंग की बुलेरो में नगदी लेकर आ रहा था। तभी शारदा मंदिर एमपीबी आफिस के सामने रिछाई बरेला में नीरज अपनी गाड़ी पिकअप गाड़ी की बोनट पर बैठा था रोड़ पर जाम लग रहा था। उसने नीरज से कहा अपनी गाड़ी साईड कर लो जाम लग रहा है, उसे निकलना है इसी बात पर नीरज रजक गाली गलौज करने लगा तथा गाड़ी से लोहे की राड लेकर आया और उसे धक्का देकर राड से हाथ में मारा और नीरज के साथी के लाठी से हमलाकर उसके हाथ कमर में चोटें पहुंचा दी। सोनू सिंह तोमर को बीच बचाव के दौरान हाथ में चोटें आ गयी। नीरज एवं नीरज के साथी बरेला में रहना तो उसके हिसाब से रहो नहीं तो जान से मारने और शराब दुकान बंद करा देगें की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

पति, सास, ससुर और ननद के खिलाफ प्रकरण दर्ज

जबलपुर,देशबन्धु। रांझी थाना पुलिस के सामने महज 3 वर्ष पूर्व परिणय सूत्र में बंधी एक नवविवाहिता को प्रताड़ित किए जाने का मामला सामने आया हैं। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर उसे प्रताड़ित करने वाले आरोपी पति, सास, ससुर, ननद के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया हैं।

पुलिस के अनुसार इस मामले में बीती रात न्यू गोकलपुर, रांझी निवासी 34 वर्षीय कविता कश्यप ने रिपोर्ट दर्ज कराई। कविता ने बताया कि उसका विवाह लगभग 3 वर्ष उसकी शादी गोकलपुर स्थित आलोक कश्यप के साथ हिन्दू रीति रिवाज से हुआ था। शादी के बाद से ही आरोपी पति आलोक कश्यप एवं सास रेखा कश्यप, ससुर ओमप्रकाश कश्यप, ननद दामिनी कश्यप उसे छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़ा करते थे। मारपीट करने की धमकी देते थे। इसी बीच नवम्बर 2024 में उसके पिता बालकृष्ण रैकवार की तबियत खराब होने की वजह से वह अपने

मायके रानीताल चली गयी थी। तभी से मायके में रह रही है 11 जनवरी 2025 का वह ससुराल गोकलपुर आई, तो चारों आरोपियों ने उसके साथ झगड़ा कर जान से मारने की धमकी दी। शादी में उसके पिता ने ससुराल वालो को घर गृहस्थी का सामान दिया था। उसके बाद भी ससुराल वालों के द्वारा और रुपयों की मांग की जा रही हैं। रिपोर्ट पर धारा 85, 351(2), 3(5) बीएनएस तथा 3, 4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पहले टक्कर मारी फिर मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। मदन महल थानांतर्गत गुलजार होटल के पास एक मोटरसाइकिल चालक को रविवार सुबह एक दूसरे मोटर सायकिल ने पहले लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मारी फिर अपने दो साथियों को बुलाकर मारपीट कर दी।

इस मामले में पीड़ित मूलतः ग्राम जमुनिया, भारकच्छ, जिला रायसेन एवं वर्तमान में शुक्ला नगर मदन महल में निवास कर रहे 40 वर्षीय पर्वत सिंह ठाकुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई। पेशे से प्राइवेट कार्य करने वाले पर्वत ने पुलिस को बताया कि रविवार सुबह लगभग 11 बजे वह छोटी लाईन फाटक से होण्डा शोरूम अपनी मोटर सायकल हीरो सीडी डीलक्स क्रमांक एमपी 20 एन एफ 3122 की सर्विसिंग कराने के लिये जा रहा था। वह जैसे ही होण्डा शोरूम के सामने गुलजार होटल के पास पहुंचा। तभी मदनमहल चौक तरफ से आ रही एवेंजर मोटर सायकल के चालक ने उसकी गाड़ी में टक्कर मार दिया।

कार ने बग्घी को मारी टक्कर, घोड़ी की मौत

जबलपुर,देशबन्धु। एक विवाह समारोह से लौट रही बग्घी (घोड़ागाड़ी) को एक तेज रफ्तार कार ने इतनी तेज टक्कर मारी की न सिर्फ बग्घी क्षतिग्रस्त हो गई बल्कि टक्कर लगने से घोड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में पीड़ित अली का बगीचा, गोराबाजार निवासी 37 वर्षीय समीर खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई।

समीर ने पुलिस को बताया कि वह घोड़ा बग्गी का काम करता है। रविवार को एक शादी कार्यक्रम में बरेला से अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एन एस 9154 से अपने साथी मोहम्मद अजहर खान के साथ वापस अपनी घोड़ागाड़ी को लेकर वापस लौट रहा था। दोपहर लगभग ढ़ाई बजे वह विजन महल के पास मेन रोड में कार क्रमांक एमपी 20 डब्ल्यु ए 0666 के चालक ने तेज गति एवं लापरवाही से वाहन चलाते हुये उसकी घोड़ी गाड़ी मे पीछे से टक्कर मार दी। जिससे उसकी घोड़ी को चोट आने से मृत्यु हो गयी। समीर ने बताया कि उसकी घोड़ी की कीमत करीब 1 लाख 5 हजार रुपये थी। रिपोर्ट पर धारा 281, 325 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

विवाह समारोह के दौरान मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। पाटन थानांतर्गत एक मैरिज गार्डन में प्रीतिभोज के दौरान मामूली विवाद पर मारपीट हो गई। इस मामले में बीती रात ही टिकरी शहपुरा निवासी 19 वर्षीय अभिजीत सिंह लोधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। ज्ञानगंगा कॉलेज के छात्र अभिजीत ने बताया कि बीती रात करीब 11 बजे वह अपने चचेरे भाई अनिल सिंह लोधी के दोस्त के भाई की शादी में साहू कालानी स्थित भगवानदास मैरिज गार्डन पाटन में गया था। मैरिज गार्डन में वे खाना खा रहे थे। इसी दौरान वहीं पर कुछ लोग आपस में झगड़ा कर रहे थे। अभिजीत एव उसके भाई अनिल सिंह ने जाकर बीच बचाव करने की कोशिश की तो उसे एवं उसके भाई अनिल सिंह को आरोपी संजय लोधी, तारेन्द्र लोधी, हेमंत लोधी तीनों गाली गलौज करने लगे। अभिजीत ने गालियां देने से मना किया तो आरोपी संजय लोधी ने गमला उठाकर उसके सिर में मारकर चोट पहुंचा दी। आरोपी हेमंत ने उसके भाई अनिल सिंह को पकड़कर धक्का मुक्की की तथा आरोपी तारेन्द्र लोधी ने पत्थर उठाकर अनिल सिंह के सिर एवं कान के पास चोट पहुंचा दी। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 118(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामूली बात पर धारदार युवक पर हमला

जबलपुर,देशबन्धु। पनागर थानांतर्गत एक बदमाश को शराब पीने के लिए रुपए न देने पर आरोपी ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। इस मामले में पीड़ित युवक को पनागर सीएचसी में भर्ती कराया गया। उपचार के लिए युवक के भर्ती होने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस को घायल अभिषेक केसरवानी के मौसेरे भाई मंगल भवन के पीछे, गांधीवार्ड निवासी 20 वर्षीय अंकित गुप्ता ने आपबीती सुनाई। अंकित ने पुलिस को बताया कि रविवार दोपहर लगभग 12 बजे वह अपनी मौसी के बेटे अभिषेक केशरवानी के साथ अपने घर के सामने बातें कर रहा था। तभी मोहल्ले का आरोपी भूरा बर्मन आकर अभिषेक केशरवानी से शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगा। अभिषेक ने पैसे देने से मना किया तो भूरा बर्मन गाली गलौज करते हुये चाकू से हमलाकर माथे एवं हथेली की उंगली में चोटें पहुँचा दी तथा भाग गया। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 118(1), 119(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

शराब के लिये रुपये न देने पर मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। थानातंर्गत मानेगांव में चार असमाजिक तत्वों ने एक युवक से शराब पीने के लिये रुपयों की मांग करते हुए मारपीट कर दी। युवक की चीख पुकार सुन घर की महिलाएं बीच बचाव करने पहुंची तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि मानेगांव विश्वकर्मा मोहल्ला निवासी टेक सिंह गौड़ हलवाई का काम करता है। बीती शाम जब वह घर पर था, उसी समय गणेश गंज स्कूल के पास रहने वाला प्रियांशु गुप्ता अपने साथी राघव भल्ला, अमन पटैल, अमन महोबिया घर के सामने आकर उसके भतीजे आकाश ठाकुर उर्फ अक्कू को आवाज देकर बाहर बुलाया। जैसे ही उनका भतीजा आकाश घर के बाहर आया तो चारों आकाश से शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगे। आकाश ने पैसे देने से मना किया तो चारों गाली गलौज करते हुये हाथ मुक्कों से मारपीट करने लगे। झगड़े की आवाज सुनकर वह एवं बहू दीक्षा ठाकुर, मीना ठाकुर बीच करने लगे तो चारों ने दीक्षा ठाकुर एवं मीना ठाकुर के साथ हाथ मुक्कों से मारपीट कर हाथ में चोट पहुँचाये तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

सड़क हादसे में कार क्षतिग्रस्त

जबलपुर,देशबन्धु। बेलखेड़ा थानांतर्गत गुल्ला तिराहे पर रविवार दोपहर एक एलपीटी वाहन की टक्कर से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। इस मामले में शंकर नगर, मदर टैरेसा, निवासी 35 वर्षीय राजपाल धाकड़ ने रिपोर्ट दर्ज कराई। राजपाल ने पुलिस को बताया कि वह प्राइवेट नौकरी करता हैं। रविवार को वह अपनी कार क्रमांक एमपी 13 जेड एल 4926 से जबलपुर से राजमार्ग थाना सुआतला जा रहा था। दोपहर लगभग 3 बजे गुल्ला तिराहा बेलखेड़ा के पास एक एलपीटी वाहन क्रमांक एमपी 20 जीए 8498 के चालक ने तेज गति लापरवाही से चलाते हुए पीछे से उसकी गाड़ी में टक्कर मार दी। जिससे उसकी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। जिसमें उसे लगभग 1 लाख रुपये का नुकसान हुआ हैं। रिपोर्ट पर धारा 281, 324(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कार की टक्कर से दो घायल

जबलपुर,देशबन्धु। शहपुरा थानांतर्गत चंद्रमौली गार्डन के पास रविवार शाम एक कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। पुलिस के अनुसार प्रताप धर्मकांटा के सामने कोतवाली निवासी 18 वर्षीय पृथ्वी चौधरी अपने रिश्ते के भाई सौरभ की मोटर सायकिल से नरसिंहपुर से रविवार को वापस जबलपुर लौट रहा था। वे शहपुरा चंद्रमौली गार्डन के पहले मेन रोड पर पहुंचे ही थे कि तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 जेडएन 7548 के चालक ने तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मोटर सायकिल में टक्कर मार दी। जिससे दोनों को हाथ पैरो में चोटे आ गईं। रिपोर्ट पर धारा 281, 125 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

युवक ने फांसी लगाई

जबलपुर,देशबन्धु। अधारताल थानांतर्गत पन्नी मोहल्ला निवासी एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना मृतक के छोटे भाई 22 वर्षीय संजय झारिया ने दी। संजय ने बताया कि उसके बड़े भाई 28 वर्षीय शुभम झारिया, पत्नी एवं माँ के साथ अलग मकान में रहता हैं। बीती रात शुभम खाना खाकर अपने कमरे में सो गया था। बाहर वाले कमरे में माँ सो रही थी जबकि शुभम की पत्नी मानेगांव, रांझी स्थित मायके गई हुई थी। रविवार सुबह करीब 7 बजे संजय को उसकी माँ सवित्रि झारिया ने फोन पर सूचना दी कि शुभम ने कमरे में लगी लोहे की पाईप में अपने गमछे से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जिससे उसकी मृत्यु हो गई। सूचना पर पंचनामा कार्रवाई कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर प्रकरण जांच में लिया गया।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

जबलपुर,देशबन्धु। ग्वारीघाट थानांतर्गत हुए एक सड़क हादसे में घायल युवक की रविवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 8 मई को हुए सड़क हादसे में घायल ग्वारीघाट निवासी शेख अब्दुल को उपचार के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान रविवार दोपहर करीब उसकी मौत हो गई।

फसलें सूख रही नहरों में पानी नहीं छोड़ रहे

परेशानी ग्रीष्मकालीन फसलों को बचाने नहर से कुंड वितरिका में पानी छोड़ने की मांग

गांधीग्राम, देशबन्धु। गर्मी के मौसम की ग्रीष्म्रकालीन फसलों के लिए पानी की दरकार है किंतु नहर विभाग के अधिकारियों की उदासीनता से किसान नाराज हैं।किसानों का कहना है कि हजारों रुपये महीने वेतन उठाने वाले अधिकारियों का आलम यह है कि फील्ड पर नहरों की दयनीय हालत देखने का इनके पास समय नही है। वर्तमान समय मे गांव गांव जलसंकट की स्थिति है, जलस्तर नीचे खिसकने जलस्त्रोत सूखने से ग्रीष्मकालीन फसलों के साथ साथ लोगों को नहाने,कपड़े धोने,राहगीरों को पानी पीने,पशु पक्षियों को पानी की समस्या जटिल होती जा रही है। इस हेतु नर्मदा घाटी बरगी नहर व्यापवर्तन परियोजना के जल उपभोक्ता संस्था गांधीग्राम की कुंड वितरिका पिपरिया नहर में पानी छोड़े जाने की माँग की है ,जिससे वर्तमान में उड़द, मूंग की फसल को जरूरी पानी मिल सके।गर्मी के चलते ग्रीष्मकालीन फसल उड़द, मूंग की फसल के खेतों में पानी की कमी के चलते खेतों की ऊपरी परत की मिट्टी में दरारें आने लगी हैं। उपरोक्त विषय में प्राप्त जानकारी अनुसार जल उपभोक्ता गांधीग्राम संस्था के अंतर्गत लगभग 14 ग्रामों के किसानों को ग्रीष्मकालीन फसल उड़द, मूंग हेतु पानी की महती आवश्यकता है। कुण्ड

वितरिका पिपरिया में पानी छोड़ने की मांग की जा रही है। जिससे कुंड वितरिका से माइनर व सब माइनर में जरूरत अनुसार पानी उपलब्ध हो सके।

इन ग्रामों में खेतो को पानी की दरकार-जल उपभोक्ता संस्था गांधीग्राम की ग्राम बम्होरी,धमकी, मिढ़ासन, पिपरिया,देवनगर, कैलवास, उमरिया,तपा, खुडावल, शहजपुरा, ताला, धनगवां, कुकरई,चन्नौटा के खेतों में किसानों ने लगभग 70 से 80 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में उड़द,मूँग आदि लगाई है। किसानो ने कहा है कि ग्रीष्मकालीन फसल हेतु वर्तमान में पानी की आवश्यकता है। आदि ग्रामों के किसानों ने खेतों को समय पर पानी देने की दरकार की है।किसानो का कहना है नहरों में पानी छोड़े जाने से ग्रीष्मकालीन फसलों को जीवित रख सकेंगे।

किसानों में मायूसी- किसानों में वासुदेव मिश्रा, प्रकाश मिश्रा, उत्तम तिवारी, विजय चौरसिया, धनंजय लखेरा, प्रदीप लखेरा, शैलेश चौरसिया, मिलन चौरसिया, रामधनी चौरसिया,खुशीलाल लखेरा, नंदू चौरसिया, भूपत चौरसिया ने कहा है कि अभी तक नहरों में पानी नहीं छोड़ने के कारण किसानों में मायूसी छाई हुई है।

भीषण गर्मी में जलस्त्रोत सूखने से पशु-पक्षियों को भी हो रही परेशानी -ग्रामीण क्षेत्र में किसानों ने भीषण गर्मी के प्रकोप से जलस्त्रोत सूखने व पशु पक्षी के साथ जनता के पीने का पानी नहीं मिलने की समस्या आ रही है। इस समस्या के चलते किसानों नहरों में पानी छोड़ने की मांग की है। किसानों की गर्मी के मौसम में लगाने वाली फसलों को पानी देने के लिए परेशानी आ रही है। कुओं,बोर में जलस्तर समाप्त हो रहा है। इससे किसान फसलों को पानी नहीं दे पा रहे हैं।

क्षेत्र में संचालित औद्योगिक इकाइयों में बेरोजगारों को नहीं मिला काम

भटक रहे युवा, कर रहे पलायन, जिम्मेदार बेफिक्र

गोसलपुर, देशबन्धु। जहां एक ओर प्रदेश की सरकार द्वारा लोगों को ज्यादा से ज्यादा स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिहाज से ग्रामीण अंचल व स्थानीय स्तर पर औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाती हैं परंतु सिहोरा तहसील के गोसलपुर सेक्टर के तहत खनिज से आधारित व अन्य प्रकार की लगभग आधा दर्जन औद्योगिक इकाइयां संचालित है परंतु क्षेत्र के स्थानीय मजदूर युवा शिक्षित बेरोजगारों को इन इकाइयों पर शासन के नियमों के मुताबिक रोजगार नहीं मिल पाता बल्कि बाहरी लोग जैसे महाराष्ट्र गुजरात उत्तर प्रदेश अन्य प्रदेश व अन्य जिलो के लोगों को ज्यादा महत्व दिया जाता है।

स्थानीय युवाओं की उपेक्षा की जाती है बाहरी लोगों को काम दिया जाता है जिससे गोसलपुर सहित आसपास के लगभग दर्जन भर गांव के मजदूर युवा शिक्षित बेरोजगार रोजगार की तलाश में भटकते रहते हैं मजबूरी में उन्हें महानगरों की ओर पलायन कर अपना घर परिवार चलाना पड़ता है क्षेत्र में जब इन औद्योगिक इकाइयों की स्थापना हुई तब इन औद्योगिक इकाइयों के संचालकों द्वारा बड़े-बड़े वादे किए गए थे की औद्योगिक इकाई की स्थापना से क्षेत्रीय युवाओं को रोजगार मिलेगा जिससे क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदलेगी परंतु ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ और बल्कि इन औद्योगिक इकाइयों की उड़ती धूल जहरीले पानी बड़े बडे वाहनों की आवाजाही से स्थानीय लोगों का जीना हराम है और रोजगार के नाम पर स्थानीय लोगों को कुछ नहीं मिला जिससे स्थानीय बेरोजगारों के मन में रोष व्याप्त है।

क्षेत्रीय जन जीवन लाल गुप्ता अबधभूषण दुबे बिहारी रजक मनीष पटेल अनिल चौधरी दीपक पटेल गुलाब सिंह मरकाम अनिल जैन पुरुषोत्तम असाटी ने इस ओर जिला प्रशासन व श्रम विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है की गोसलपुर क्षेत्र में संचालित उद्योगिक इकाइयों में शिक्षित बेरोजगार मजदूर युवाओं को प्राथमिकता के तौर पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए, ताकि क्षेत्रीय युवाओं को भटकना न पड़े और महानगरों की ओर पलायन न करना पड़े।

सार-समाचार

स्वसहायता समूह भी रोज नहीं खोल पा रही राशन दुकान

बरेला, देशबन्धु। राज्य शासन द्वारा राशन दुकान नियमित रूप से खुले,इसके लिए नित नए नवाचार करती रहती हैं ताकि जनता को शासन की कल्याणकारी योजना का लाभ मिलता रहे। इसी संदर्भ में राज्य सरकार द्वारा जहां-तहां राशन दुकानौसे सेल्समेन को हटाकर गांव के ही स्वसहायता समूह को प्रदान की गई है ताकि गांव के लोगों को रोज राशन दुकान खुली मिले तथा नियमित राशन भी मिले किंतु इसके बावजूद भी यह देखने आ रहा है कि स्व सहायता समूह को प्रदान की गई राशन दुकान भी नियमित नहीं खुल रही हैं अपितु अब तो वह भी सेल्समैन की कार्य प्रणाली पर ही काम कर रही हैं इसके कारण ग्रामीणों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण ग्राम पहाड़ीखेड़ा स्थित राशन दुकान है जहां पर स्व सहायता समूह द्वारा संचालित की जाने वाली राशन दुकान महीने में वह मुश्किल दो-तीन दिन ही खुल रही है।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यह राशन दुकान गांव के ही स्व समूह द्वारा चलाया जाता है ।कुछ समय तो स्व सहायता समूह द्वारा यह दुकान नियमित रोज खोली जाती थी किंतु समय बीतने के पश्चात यह दुकान भी सेल्समैन के तर्ज पर ही कार्य करने लगी है। यह दुकान अब वर्तमान में वमुश्किल दो तीन दिन ही खुल रही है।इस तीन दिन में यदि कोई राशन धारी राशन ले ले तो ठीक है अन्यथा उसका राशन भी लैप्स हो जाता है। हितग्राहियों को ओ पी एस मशीन में अंगूठा लगाने के पश्चात उन्हें कोई पर्ची नहीं दी जाती है जिसकी वजह से ग्रामीण हितग्राहियों को मिलने वाले सामान की सही जानकारी नहीं हो पाती है तथा उपभोक्ताओं से नमक के ?1 के मूल्य के नाम पर ?5 वसूले जा रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि स्वच्छता समूह के संचालकों द्वारा उन्हें कोई पर्ची नहीं दी जाती है इसके कारण उनको मिलने वाले सामग्री की मूल्य की भी कोई जानकारी नहीं हो पाती है। स्थानीय ग्रामीणों ने सहकारिता विभाग के उच्च अधिकारियों से राशन दुकान की जांच कर कार्यवाही की मांग की है तथा राशन दुकान नियमित्त खोलने की मांग की है।

भाजपा शहर और ग्रामीण मंडल अध्यक्षों की परिचयात्मक बैठक

संभाग प्रभारी राज्यसभा सांसद पाटीदार ने किया संबोधित

पाटन, देशबन्धु। भाजपा के शहरी एवं ग्रामीण जिले के समस्त मंडल अध्यक्ष गण की परिचयात्मक बैठक संभाग प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार की उपस्थिति में भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में संपन्न हुई। बैठक को संभाग की प्रभारी,राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष पूर्ण ईमानदारी से संगठन के कार्य में लगें एवं बूथ तक पार्टी की नीति रीति को पहुंचाएं, संगठन विस्तार करते हुए आगामी कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार कर उनका उचित क्रियान्वयन करे। बैठक को भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने संबोधित करते हुए कहा कि शीर्ष नेतृत्व की मनसा रूप भाजपा कार्यकर्ता जबलपुर में संगठनात्मक कार्य पूरी निष्ठा से कर रहे हैं।

राजेंद्र कुशवाहा भैय्यन का निधन

पनागर, देशबन्धु। शिवाजी वार्ड निवासी श्री राजेंद्र कुशवाहा जी भैय्यन का 58 वर्ष की आयु में निधन हो गया आप विवेक कुशवाहा के पिताजी,राजकुमार कुशवाहा रसिया के चाचा थे अंतिम संस्कार जगमोहन वार्ड स्थित शमशान घाट पर किया गया।

11 केवी लाइन का पोल हाइवा ने किया क्षतिग्रस्त

हाइवा चालक पर केस दर्ज हाइवा चालक फरार

पाटन, देशबन्धु। विद्युत विभाग पाटन ने 11 हजार केवी लाइन के पोल को क्षतिग्रस्त करने का मामला हाइवा चालक के खिलाफ दर्ज कराने का मामला सामने आया है। पाटन थाने से मिली जानकारी के अनुसार पाटन उड़ना मार्ग पर स्थित आरती ढाबा के नजदीक हाइवा चालक एमपी 20 एचबी 7010 के चालक ने 10 से 11 मई की दरमियानी

रात में लापरवाही बरते हुए 11 केबी की विद्युत सप्लाई लाइन के पोल को क्षतिग्रस्त कर दिया जिससे ग्रामीण इलाकों की विद्युत सप्लाई प्रभावित हुई। बिजली विभाग को जानकारी मिलते ही वाहन चालक के विरुद्ध विद्युत अधिनियम के तहत पाटन थाने में अपराध क्रमांक 205/25 धारा 281 बीएनएस,139 के तहत मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गर्विता जैन ने मुंबई में रिकॉर्ड किया भक्ति भजन, दिव्यांगता को दी मात

सबका मालिक एक है भजन से सबके दिलों तक पहुंची आवाज़

पाटन, देशबन्धु। पाटन निकाय पार्षद दीपक जैन ने बताया कि महाकाल की नगरी उज्जैन में रहने वाली जैन समाज की होनहार दिव्यांगता बेटी गर्विता जैन ने मुंबई के आर्यन स्टूडियो में एक भावनात्मक साँई भजन सबका मालिक एक हैकी रिकॉर्डिंग कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

इस भजन की ख़ास बात यह है कि इसे गाया है एक दिव्यांग कलाकार ने,जो बचपन से व्हीलचेयर पर हैं, लेकिन आत्मबल,प्रतिभा और संगीत के प्रति जुनून ने उन्हें आज इस ऊँचाई पर पहुँचा दिया। गर्विता जैन के माता-पिता संगीता जैन और विजय कुमार जैन का निरंतर साथ और समर्थन इस सफर में उनकी सबसे बड़ी ताकत बना। बचपन से ही संगीत में रुचि रखने वाली गर्विता,आज कई नामचीन बॉलीवुड सिंगरों के गानों को उनके सामने लाइव परफॉर्म कर चुकी हैं। उनकी आवाज़

में भक्ति की जो गहराई है,वह श्रोताओं को आत्मा तक छू जाती है। हाल ही में उज्जैन और इंदौर में मालवा संगीत पुरस्कार के दौरान साधना सरगम के सामने अपने गीतों की प्रस्तुति देकर सम्मान हासिल किया है। यह भजन न केवल धार्मिक भावना को उकेरता है,बल्कि समाज में धर्मों के बीच एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश भी देता है। गीत के बोल लिखे हैं शामी एम इरफ़ान ने,संगीत निर्देशन किया है प्रदीप रंजन ने,और इसे प्रस्तुत किया है गर्विता म्यूज़िक क्रियेशन तथा मेहर प्रोडक्शन ने। जल्द ही इस भजन की वीडियो शूटिंग शुरू की जाएगी,जिसमें गर्वित जैन की प्रेरणादायक यात्रा को भी दर्शाया जाएगा। एल्बम का नाम है 卐सबका मालिक एक जो शीघ्र ही डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और यूट्यूब पर भी रिलीज़ किया जाएगा। यह सिर्फ एक गीत नहीं,बल्कि एक संदेश है। अगर आपका संकल्प सच्चा हो,तो कोई भी समस्या उस संकल्प को पाने में बाधा नहीं बन सकता। गर्विता जैन इसका साक्षात उदाहरण हैं।

प्रदेश और जिले की प्रावीण्य सूची में आए राजबहादुर, वेदांशी और साक्षी का स्वागत

बच्चे अपने माता पिता और स्वयं का सपना साकार करें : न्यायाधीश

पाटन, देशबन्धु। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये जिसमे नगर के तान्या कॉन्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल के राजबहादुर सिंह राजपूत ने बायो समूह में प्रदेश में नवां स्थान वही वेदांशी ठाकुर ने गणित समूह से 12वी में और साक्षी विश्वकर्मा ने 10 वी कक्षा में जिला टॉप किया।

ज्ञात हो कि कृष्णबहादुर ने 500 में से 475 अंक 95 प्रतिशत के साथ केमिस्ट्री में 100 अंक, वेदांशी ठाकुर ने 500 में से 481 अंक 96.2 प्रतिशत गणित में 99 अंक वही साक्षी विश्वकर्मा ने 500 में से 490 अंक 98 प्रतिशत विज्ञान में 100 अंक प्राप्त किये। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर के जनप्रतिनिधि,समाजसेवी सहित अभिभावकों ने बच्चों को टीका,फूलमाला एवं मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं देकर बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की। वही तहसील कार्यालय में एसडीएम मानवेन्द्र सिंह राजपूत ने बच्चों को मिठाई खिलाकर सभी से परिचय लिया एवं आगे भविष्य में कैसे

टॉपर बच्चों को मिठाई खिलाकर एडीएम मानवेन्द्र सिंह ने दी बधाई

अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं इस हेतु प्रेरित किया साथ ही प्राचार्य सीएस ठाकुर,उपप्राचार्य सुजीत सिंह एवं उपस्थित शिक्षकों को भी बधाई दी। इस अवसर पर तहसीलदार दिलीप हनवत,लोको पायलट रंजीत सिंह,मोहन सिंह,शैलेन्द्र किरार ,अजीत सिंह,प्रदीप सिंह ,सुजीत तिवारी आदि के साथ ही कार्यालय के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसके अलावा न्यायालय परिसर में मान न्यायाधीश एडीजे ओमप्रकाश रजक,न्यायाधीश भारती यादव,अधिवक्ता संघ तहसील अध्यक्ष एड रघुवीर सिंह ने सभी बच्चों को टॉफी खिलाकर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मान न्यायाधीश ओमप्रकाश रजक ने अच्छे अंक लाने पर सभी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए आगे लक्ष्य निर्धारित कर अपने माता -पिता और स्वयं का सपना कैसे साकर हो इसके लिये प्रेरित किया।

सुषमा खरे की बुंदेली कृति का अतिथियों ने किया विमोचन

सिहोरा, देशबन्धु। अभिव्यक्ति साहित्य संस्था एंव पाथेय संस्था के संयोजन में नगर की प्रतिष्ठित साहित्यकार सुषमा वीरेंद्र खरे द्वारा रचित बुंदेली किस्सा कहानियों और फिर उनपर दोहा चौपाइयों का समावेश सहित कृति सुषमा की बुंदेली किस्सा नामक पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम खितौला के छोटू महाराज सभागार में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम शिप्रा खरे तथा प्रांजल खरे द्वारा लेखिका श्रीमती खरे द्वारा रचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तथा भगवान चित्रगुप्त महाराज का पूजन अर्चन अतिथियों द्वारा किया।

आयोजन में आये अतिथियों में डॉ हरिशंकर दुबे, नगर के वरिष्ठ साहित्यकार अश्वनी कुमार पाठक, प्रतुल श्रीवास्तव, भगवत आचार्य दुबे, राजेश पाठक प्रवीण, संतोष नेमा, डॉ. संध्या जैन श्रुति, डॉ. मकुल तिवारी, कायस्थ समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रत्ना श्रीवास्तव, देवेंद्र श्रीवास्तव,अमरेन्द्र श्रीवास्तव, शशि खरे,रेखा श्रीवास्तव आदि ने श्रीमती खरे के लिए अपने आत्मीयता भाव प्रस्तुत कर अनुग्रहित किया। साथ ही डॉ अरुणा पांडे,सशक्त हस्ताक्षर संस्था के गणेश प्यासा आदि ने लेखिका श्रीमती खरे का सम्मान पत्र शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया।

इसी तरह अंजना सराफ ने रजत जणित श्रीफल भेट किया संचालन नारायण तिवारी ने किया। इस अवसर पर इंद्रमणि त्रिपाठी, विजय वागरी कछार, भरत नामदेव, लक्ष्मी नारायण पटेल, अखिलेश खरे, साधना साहू, गौमती देवी, विकल्प खरे, राजेन्द्र खरे, सुधा खरे, सरिता खरे, शिल्पा खरे, अनिल ब्यौहार, रश्मि ब्यौहार, आशा अवस्थी, आशुतोष तिवारी, अपर्णा शुक्ला, विश्वजीत श्रीवास्तव, दीप्ति श्रीवास्तव, मीनू परिहार ,प्रदीप श्रीवास्तव, प्राध्यापक आनंदी लाल आदि उपस्थित थे।

आदिगुरु शंकराचार्य के 'जीवन दर्शन एवं सांस्कृतिक एकता के देवदूत' विषय पर व्याख्यान आयोजित

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। आदिगुरु शंकराचार्य की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् विकास खंड शहपुरा द्वारा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहपुरा में आचार्य शंकरचार्य के जीवन दर्शन एवं सांस्कृतिक एकता के देवदूत विषय पर व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित एनएस ठाकुर ने आदिशंकराचार्य की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा रचित ग्रंथों के बारे में उपस्थित जनों को बताया। सेवानिवृत शिक्षक आरके भार्गव ने आदिशंकराचार्य जी के शिष्य तोटकाचार्य जी की कथा के माध्यम से गुरु कृपा का महत्व समझाया।शिक्षक चंद्रभान सिंह कौरव ने कहा कि शंकराचार्य ने सांस्कृतिक एकता को स्थापित करने के लिए पूरे भारत देश की पद यात्रा की और अलग अलग क्षेत्रों और धर्मो के धर्माचार्यों शास्त्रार्थ कर वेदांत दर्शन की स्थापना की। उन्होंने पूरे भारत को एकता के सूत्र में जोड़ने हेतु चारों दिशाओं में चार मठों उत्तर में ज्योतिषमठ, पश्चिम में द्वारिका शारदा पीठ, पुरी गोवर्धन पीठ , श्रृंगेरी पीठ की स्थापना की। समाज में व्याप्त जाति प्रथा, क्षेत्रवाद, भाषावाद कुरीतियों को दूर करने के लिए वेदों और उपनिषदों की व्याख्याएं कर वेदांत दर्शन के महत्व को समझाया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के डॉ मदन पटेल जी ने आधुनिक भारत में शंकराचार्य के दर्शन की महत्ता अनेक उदाहरणों से प्रस्तुत की। कार्यक्रम संयोजक सोनिया सिंह ने उपस्थित सभी वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

एकाग्र होकर की गई भक्ति भवसागर से पार करती है : आचार्यश्री समय सागर

पनागर, देशबन्धु। 14 मइ से आयोजित सप्त गजरथ एवं श्री पंचकल्याणक की आयोजन को लेकर दूर-दूर से धर्म प्रेमीजन पनागर पहुंचना प्रारंभ हो गए हैं पूज्य महाराज श्री के सुबह 8:00 बजे से मांगलिक प्रवचन एवं अन्य कार्यक्रम प्रारंभ होते हैं और 9.30 बजे से मुनि संघ की आहार चर्या चालू हो जाती है नगर में धर्ममय वातावरण बना हुआ है जबलपुर कटंगी पाटन शाहपुरा सिहोरा गोसलपुर बरेला भेड़ाघाट सहसपुर सहित अनेक स्थानों से भक्तजन पुरुष माताएं युवा वर्ग जनता पहुंच रहें है। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य आचार्य समय सागर महाराज ने आज अपने मांगलिक प्रवचन में कहा कि व्यक्ति मंदिर तो जाता है लेकिन वहां भी भगवान की भक्ति से दूर रहता है और उसका मन यहां वहां भटकता है संसारी प्राणी निश्चित भगवान की शरण से दूर रहेगा मंदिर तो जाएगा लेकिन उसे उसका वास्तव में लाभ नहीं मिलेगा अगर भगवान की भक्ति करना है अगर भगवान को प्राप्त करना है या भगवान की शरण में जाना है तो उसे एकाग्र चित् होकर भक्ति का लाभ लेना होगा तभी वह अपना उद्धार कर सकता है देव शास्त्र गुरु की भक्ति प्रत्येक मानव को संसार सागर सेपार ले जा सकती है आज कार्यक्रम में का संचालन श्री जैन प्रबंधकरनी सभा एवं गजरथ कमेटी के अध्यक्ष राजेश कटंगा ने किया।

ईरानी विदेश मंत्री अराघची की अमेरिका को दो टूक, बोले- हम अपने परमाणु अधिकार नहीं छोड़ेंगे

दोहा, (आईएएनएस)। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने ओमान में अपनी अप्रत्यक्ष वार्ता के चौथे दौर से एक दिन पहले स्पष्ट कर दिया कि उनका देश अमेरिका के साथ वार्ता में अपने परमाणु अधिकारों को लेकर अटल रहेगा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि शनिवार को दोहा में चौथे अरब-ईरानी वार्ता सम्मेलन में अराघची ने दोहराया कि ईरान हमेशा से परमाणु अप्रसार का प्रतिबद्ध सदस्य रहा है और यूरेनियम संवर्धन सहित परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अपने अधिकार को बनाए रखता है। उन्होंने पुष्टि की, हम परमाणु हथियार नहीं चाहते हैं और सामूहिक विनाश के हथियारों का ईरान के सुरक्षा सिद्धांत में कोई स्थान नहीं है। यही इस कारण से, हम पश्चिम एशियाई क्षेत्र को परमाणु-हथियार-मुक्त क्षेत्र बनाने की दिशा में आगे बढ़े। अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के साथ-साथ अन्य देशों के साथ सद्भावनापूर्वक बातचीत करना जारी रखेगा।

झूठ के बखान में सामने आए पाकिस्तान के पुराने पाप

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर सहमति तो बन गई है, लेकिन भारत की शर्तों पर। पाकिस्तान अपनी हार छिपाने के लिए बड़ी-बड़ी डींगे हांक रहा है। पाकिस्तानी सेना ने प्रेस कॉफ्रेंस में जमकर झूठ बोला। हालांकि इस झूठ के बखान में उसके पोल भी खुल गई। पाकिस्तानी सेना के बड़े अफसर ने कैमरे के सामने कबूल किया कि पुलवामा आतंकी हमला उसने किया था। बता दें कि पाकिस्तान हमेशा पुलवामा आतंकी हमले में अपनी भूमिका से इनकार करता आया है। पाकिस्तानी सेना का यह बयान अब सोशल मीडिया पर उनकी ही सरकार की किरकिरी कर रहा है।

2019 के पुलवामा आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान ने पहली बार सार्वजनिक मंच से अपनी भूमिका स्वीकार की है। पाकिस्तान एयरफोर्स के प्रवक्ता एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने पुलवामा में अपनी टैक्टिकल ब्रिलिएंस से उन्हें समझाने की कोशिश की थी...

यह बयान पाकिस्तान की वर्षों से चली आ रही उस रणनीति को पूरी तरह झुठला देता है, जिसमें वह पुलवामा हमले में अपनी संलिप्तता से इनकार करता रहा है। औरंगजेब अहमद का यह दिखावटी बहादुरी अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के सामने आया, जिसमें उनके साथ ष्ठत्र ढ्ढस्क्क लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी और नौसेना प्रवक्ता भी मौजूद थे।

पाकिस्तान के झूठ की पोल खुली

14 फरवरी 2019 को पुलवामा में एक आत्मघाती हमला हुआ था, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद (छ्वद्गरू) से जुड़े आतंकवादी ने सीआरपीएफ के 40 जवानों को शहीद कर दिया था। भारत ने इस हमले के लिए सीधे तौर पर पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया था, लेकिन पाकिस्तान ने हमेशा इन आरोपों को खारिज किया। अब एयर वाइस मार्शल औरंगजेब के इस बयान ने न केवल पुलवामा हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता को उजागर कर दिया है।

पाकिस्तान का दोहरा चेहरा

औरंगजेब ने कहा, अगर पाकिस्तान की सीमा, जमीन, जल या लोग खतरे में हों, तो कोई समझौता नहीं होगा। पुलवामा में हमने टैक्टिकल ब्रिलिएंस से संदेश देने की कोशिश की थी, अब हमने रणनीतिक स्तर पर भी क्षमता दिखा दी है। इस बयान ने पाकिस्तान की कूटनीतिक पाखंड और दोहरे रवैये को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया है।

बालाकोट एयर स्ट्राइक

पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट

एयरस्ट्राइक के तहत पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर को नष्ट कर दिया था। इस ऑपरेशन में 12 मिराज-2000 लड़ाकू विमानों ने जैश के सबसे बड़े ठिकाने को तबाह किया था।

आज का इतिहास

1459- राव जोधा ने जोधपुर की स्थापना की।
1666- पुरंदर की संधि के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज औरंगजेब से मिलने आगरा पहुंचे।
1784- पेरिस समझौता प्रभावी हुआ।
1820- नर्सिंग को सम्मानजनक पेशा बनाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल का इटली के फ्लोरेंस में जन्म हुआ।
1847- विलियम क्लेटन ने ओडोमीटर का आविष्कार किया।
1915- क्रांतिकारी रासबिहारी बोस ने जापानी नौका सानुकी मारू पर सवार होकर भारत छोड़ा।
1965- इजरायल और पश्चिम जर्मनी ने राजनयिक संबंध शुरु करने के लिए पत्रों का आदान प्रदान किया।
1993- हिन्दी के जाने माने कवि शमशेर बहादुर सिंह का निधन।
2002- अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर फिदेल कास्त्रो के साथ बातचीत करने के लिए पांच दिन की यात्रा पर क्यूबा पहुंचे।

मरकज तैयबा के वीडियो हो रहे वायरल, लश्कर और 313 ब्रिगेड का जिहादी प्रोपेगेंडा एक्टिव

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने 7 मई को पाकिस्तान के मुरीदके में स्थित मरकज तैयबा मस्जिद को काफी नुकसान पहुंचाया था। हमले में कई आतंकी मारे भी गए। यह मस्जिद आतंकियों को ट्रेनिंग देने वाला केंद्र था। अब इस मस्जिद के नए वीडियो सामने आए हैं। इन वीडियो को पाकिस्तान के आतंकी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और 313 ब्रिगेड ने अपना खुला समर्थन दिया है। स्काई न्यूज के मुताबिक, टिकटॉक, यूट्यूब और गूगल जैसे प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किए वीडियो में लश्कर, 313 ब्रिगेड और मुजाहिद फोर्स जैसे शब्दों का बार-बार उल्लेख किया गया है। इन वीडियो में कई युवकों को हथियारों के साथ सड़कों पर चलते देखा जा सकता है, जबकि एक वीडियो में बच्चों को मस्जिद के अंदर मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग लेते हुए दिखाया गया है। वीडियो के कैप्शन में लिखा है - हम छोटे सैनिक हैं और काफिरों से लड़ते हैं। वीडियो में इस्तेमाल किया गया 313 हैशटैग सीधे तौर पर जिहाद और आतंकी मानसिकता से जुड़ा हुआ है।

कौन है '313 ब्रिगेड'

विशेषज्ञों के अनुसार, '313 ब्रिगेड' अल-कायदा की पाकिस्तान में सक्रिय इकाई है, जो कई आतंकी संगठनों का साझा मंच है। इसमें तालिबान, जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-झंगवी, हक्कानी नेटवर्क और लश्कर-ए-तैयबा जैसे समूह शामिल हैं। टेररिज्म रिसर्च एंड एनालिसिस कंसोर्टियम की वरिष्ठ विश्लेषक मुस्कान सांगवान के मुताबिक, '313' संख्या पैगंबर मोहम्मद के उन अनुयायियों की याद दिलाती है जिन्होंने बद्र की लड़ाई में हिस्सा लिया था। यही संख्या इन आतंकियों के लिए 'प्रेरणा' बन गई है।

पहलगाम हमला और भारत का ऐक्शन

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत और दर्जनों घायल हो गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर के मुखौटा संगठन टीआरएफ ने ली थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरु किया। चार दिनों तक भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष देखने को मिला। अब अमेरिकी की मध्यस्थता के बाद भारत और पाक में सीजफायर हो चुका है।

सोशल मीडिया पर जिहादी प्रोपेगेंडा

रिपोर्ट में बताया गया कि सोशल मीडिया पर इन आतंकियों की मौजूदगी बेहद सक्रिय है। कई यूजर्स ने अपने ञ्जद्बद्घञ्जश्वद्म यूज़रनेम में '313' जोड़ा हुआ है और हथियारों के साथ वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। एक वीडियो में यहां तक लिखा गया -अपने हथियार उठाओ और जंग पर निकलो।

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया और भारत का रुख

पंजाब प्रांत की सरकार (जहां मुरीदके स्थित है) ने भारतीय एयरस्ट्राइक की निंदा की है और आपातकाल घोषित किया है। वहीं पाकिस्तान ने हमेशा की तरह आतंकी कैंपों की मौजूदगी से इनकार किया है। लेकिन सोशल मीडिया पर खुलेआम हो रही आतंकी गतिविधियों की यह तस्वीर पाकिस्तान की सच्चाई को उजागर करती है — जहां प्रतिबंधित संगठन न सिर्फ खुलेआम काम कर रहे हैं, बल्कि तकनीक और प्रचार का इस्तेमाल करके अपने मकसद को बढ़ावा भी दे रहे हैं।

भारत और पाकिस्तान में हुए युद्धविराम पर आया बांग्लादेश का बयान, क्या बोले यूनुस?

भारत और पाकिस्तान के बीच कई दिनों से चल रहे तनाव में कमी आ गई है। दोनों देश युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं, लेकिन इसके बाद भी पाकिस्तान ने शनिवार रात भारत के कई शहरों पर ड्रोन हमले किए, जिसे एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। हालांकि, इसके बाद से एलओसी और बॉर्डर राज्यों में शांति है। भारत-पाक में सीजफायर का बांग्लादेश ने स्वागत किया है। इसके साथ ही, उन्होंने भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व और कथित मध्यस्थता के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ की है।

यूनुस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तत्काल प्रभाव से युद्ध विराम पर सहमत होने और बातचीत में शामिल होने के लिए ईमानदारी से सराहना करता हूं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप और विदेश मंत्री रुबियो की प्रभावी मध्यस्थता के लिए भी उनकी गहरी सराहना व्यक्त करना चाहूंगा। बांग्लादेश कूटनीति के माध्यम से मतभेदों को सुलझाने के लिए हमारे दोनों पड़ोसियों का समर्थन करना जारी रखेगा।

युद्धविराम की घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की थी। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा था, अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात की बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों को कॉमन सेंस और बेहतरीन बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करने के लिए बधाई। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि युद्धविराम को सुरक्षित करने में अमेरिकी मध्यस्थता महत्वपूर्ण थी। वहीं, भारत में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संघर्ष विराम की पुष्टि करते हुए कहा, भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाई है। भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लगातार दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है। वह ऐसा करना जारी रखेगा। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भी संघर्ष विराम की पुष्टि करते हुए कहा, पाकिस्तान और भारत तत्काल प्रभाव से संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। पाकिस्तान ने हमेशा अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास किया है।

सूडान में जेल पर ड्रोन हमला, 19 कैदियों की मौत

खार्तूम, 11 मई (आईएएनएस)। सूडान के पश्चिमी हिस्से नॉर्थ कोर्दोफान राज्य के एल ओबैद शहर में स्थित केंद्रीय जेल पर शनिवार को ड्रोन हमले हुए। इसमें कम से कम 19 कैदियों की मौत हो गई और 45 से अधिक घायल हो गए। यह जानकारी एक चिकित्सा सूत्र और चश्मदीदों ने दी। एल ओबैद अस्पताल के एक चिकित्सा सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अस्पताल में 19 शव और 45 घायल लाए गए हैं। उसने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जेल भवन के पास मौजूद एक चश्मदीद ने बताया, तीन ड्रोन ने पांच मिसाइलें दागीं, जिनमें से तीन सीधे जेल भवन और कैदियों के रहने वाले हिस्से पर गिरीं।

पाकिस्तान को शाबाशी देने वाला चीन अब प्रोपेगेंडा पर उतरा, कहा- अटैक में भारत की...

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन चले संघर्ष के बाद युद्धविराम लागू हो गया है। यह सीजफायर भारत की शर्तों पर लागू हुआ और सिंधु जल समझौता अभी भी सस्पेंड है। भारत ने दो टूक शब्दों में कहा कि किसी भी हरकत का हम पूरी ताकत से जवाब देंगे। उधर, चीन सीजफायर को लेकर पाकिस्तान को शाबाशी दे चुका है और अब उसने भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा में पाकिस्तान की भाषा बोलनी शुरू कर दी है।

चीन के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने पाक सेना के हवाले से दावा किया है कि पाकिस्तान के साइबर हमले में भारत की 70 प्रतिशत बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। चीनी मीडिया भी इस दावे से इनकार नहीं कर रहा है। हालांकि भारतीय दूतावास ने इसे झूठा बताते हुए अपने आधिकारिक सिना वेइबो अकाउंट पर इसका खंडन किया।

चीन का दोगला चेहरा

इससे पहले चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से फोन पर बात की, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा के लिए समर्थन की बात की। वांग ने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ महत्वपूर्ण योगदान दिया है और चीन हमेशा पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा।

चीन का दोगला चेहरा इससे पता चलता है कि वह कुछ दिन पहले आतंकवाद की कड़ी निंदा कर चुका है। उसने कहा था वह किसी भी सूरत में आतंकवाद का समर्थन नहीं करता है।

चीन ने अब एक बार फिर पाकिस्तान के पक्ष में बयान जारी किया है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ढ्डस्क्क) ने एक बयान जारी किया था, जिसमें यह दावा किया गया था कि पाकिस्तान के द्वारा किए गए एक साइबर हमले के कारण भारत की 70 प्रतिशत बिजली आपूर्ति ठप हो गई है।

पाकिस्तान के दावे पर चीन क्या बोला

चीनी मीडिया कह रहा है कि पाकिस्तान की सेना ने भारत के पावर ग्रिड पर साइबर हमले की बात कही है, लेकिन इसके सही होने के लिए और तथ्यों की जांच की आवश्यकता है। चीन के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ ने कहा है कि हालांकि इस घटना की सत्यता की पुष्टि की जानी बाकी है, लेकिन यह संभव है कि एक साइबर हमले के कारण पावर ग्रिड की विफलता हो सकती है, जैसे यूक्रेन युद्ध के दौरान हुआ था। इसके परिणामस्वरूप बड़े औद्योगिक और सामाजिक संकट हो सकते हैं।

भारत के खिलाफ चीन का प्रोपेगेंडा

चीनी मीडिया ने इस घटना को तकनीकी दृष्टिकोण से संभव बताया और कहा कि यह वह स्थिति हो सकती है जिसमें साइबर हमले से पावर सिस्टम में एक या एक से अधिक विफलताएं हो सकती हैं, जो पूरे ग्रिड में एक श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया का कारण बन सकती हैं। जबकि दूसरी ओर भारत ने इसे पूरी तरह से भ्रामक और झूठा करार दिया है।

सुडोकू 6910

		5			7		6	
2			9	5	6	4		
	4	6						
8		2	4			6		7
4				6				3
5		1			3	2		4
						3	1	
		4	8	1	9			6
	7		6			9		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6910

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४					■	■	

बायें से दायें:-
१. कूटनीतिज्ञ
४. जंगल की पैदावार
६. घर
७. दौड़ने वाला, धोबी, दूत
८. वेश्या
१०. जोड़ने वाला, संधि, मेल
११. गुत्थी, फंसाव, सोच, चिंता, कठिनाई
१३. लड्डू
१४. घूस, रिश्वत
१५. नुकसान के बदले दी जाने वाली रकम, क्षतिपूर्ति (उर्दू)
१७. दृष्टि, निगाह (उर्दू)
१९. दूर तक फैली हुई ऊंची और चौरस जमीन
२१. कमल
२२. अनुभवी, कुशल, विद्वान
२४. सूर्यपुत्री

ऊपर से नीचे:-
१. शासन, केंद्र
२. मनुष्य की खोपड़ी
३. ब्रह्मा, पद्मासन
४. जंगलों में रहना
५. बांस की तिलियों और कागज से बना खिलौना जिसे धागों से बांध कर हवा में उड़ाया जाता है
९. नाटक करने या लिखने वाला
११. कर्ज, ऋण
१२. पहाड़ आदि से गिरने वाला जलधारा, निर्झर
१३. बंधन, कष्ट आदि से छुड़ाना
१४. विलंब न सह सकने वाली इच्छा, प्रिय से मिलने की इच्छा
१५. सहयात्री (उर्दू)
१६. पशु,प्राणी (उर्दू)
१८. असह्य(उर्दू)
१९. पढ़ा हुआ
२०. चलन. तौर-तरीका
२३. निपुण, कुशल

वर्ग पहेली-6909

१ व्य	था	२ क	था	■	■	३ सि	कं	४ द	रा
व	■	मा	■	५ मु	खि	या	■	र्श	■
६ सा	कि	न	■	ला	■	७ स	म	क	८ क्ष
य	■	दा	■	९ य	मि	त	■	■	मा
■	१० बे	र	११ ह	म	■	■	१२ कु	रू	प
■	हा	■	वा	■	१३ अ	स	ली	■	न
१४ बु	ल	१५ बु	ला	■	प	■	१६ न	१७ त	■
द्धि	■	न	■	१८ आ	द	१९ त	■	न	■
२० म	स्त	क	■	ल	■	२१ न	वा	ग	२२ त
त्ता	■	२३ र	ह	स्य	म	य	■	■	र्ज

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

ऑप्रेशन सिंदूर में इंटेलिजेन्स इनपुट बने बड़े मददगार

■ जोगेंद्र सोलंकी

नई दिल्ली, 10 मई (देशबन्धु)। पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादियों के अड्डों और ट्रेनिंग कैंपस पर सफल एयर स्ट्राइक के बाद दुश्मन मुल्क में घुसकर भारतीय वायुसेना ने अभी तक जो भी कामयाबी हासिल की है उसमें देश की सर्वोच्च खुफिया एजेंसी रिसर्च एनालिसिस विंग (रॉ) से मिले इंटेलीजेंस इनपुट का खास योगदान रहा है।

पहलगाम में आतंकी हमले के 15 दिन बाद 6 मई की दरम्यानी रात पाकिस्तान तथा पीओके में 25 मिनट की छोटी सी अवधि में 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना ने हमला किया जिसे ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया गया था। जिसमें जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मौलाना मसूद अजहर के दर्जनभर करीबी रिश्तेदारों के साथ सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने बहावलपुर (जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय), मुरीदके (लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय), सियालकोट (आतंकी अड्डा) और चक अमरू (आतंकी शिविर) और मुजफ्फराबाद में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के शिविरों के साथ कोटली, भीमबर, बाग और गुलपुर में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। वह केवल बाहरी खुफिया एजेंसी रॉ से मिले इन्टैलीजेंस इनपुट के आधार पर संभव हो पाया है॥ बता दें कि पहलगाम हमले के बाद जब रक्षा मंत्रालय सैन्य अफसरों और खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर पाकिस्तान को सबक सिखाने की रणनीति तैयार कर रहा था तब रॉ ने पीओके व पाकिस्तान में आतंकवादियों और सेना द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण कैंप और लॉचिंग पेड के 21 ठिकानों की पूरी जानकारी दी थी। बताया जा रहा है कि इसी लिस्ट के आधार पर 9 ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर प्रहार किया गया और इसमें कामयाबी भी मिली। इस एयर स्ट्राइक के बाद जब पाकिस्तान लगातार तीन दिन से भारत पर ड्रोन अटैक कर रहा था उसके बाद घर में घुसकर की जा रही स्ट्राइक में भी रॉ से मिल रहे इंटैलीजेंस इनपुट का बड़ा रोल है। चाहे अरब सागर में खड़े भारतीय युद्धपोत आईएनएस विक्रांत करांची में बंदरगाह की तबाही हो या पाकिस्तान के अलग-अलग शहरों में प्रमुख सैन्य ठिकानों व ऐयरबेस की जानकारी सब कुछ तीनों सेनाओं को देश की सर्वोच्च खुफिया एजेंसी ही उपलब्ध करा रही है।

बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और एनएसए अजित डोभाल के निर्देश पर खुद रॉ चीफ तीनों सेनाओं के साथ इंटैलीजेंस इनपुटस को लेकर कोर्डिनेशन कर रहे हैं।

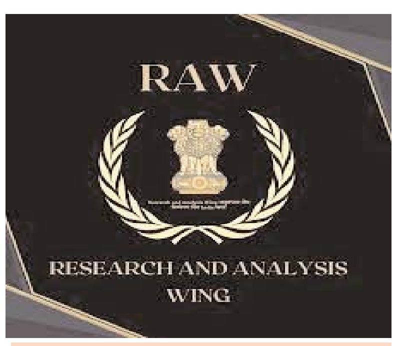

■ रॉ के पास है पाकिस्तान में आतंक के अड्डों और सैन्य ठिकानों की पूरी जानकारी

खेल जगत

ऐसेंगफा गोगोई ने युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, 55 किग्रा भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक जीता

राजगीर। असम की ऐसेंगफा गोगोई ने रविवार को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 55 किग्रा भारोत्तोलन में कुल 183 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता। 17 वर्षीय गोगोई, जो कोच राहुल शर्मा के तहत 2023 से लखनऊ में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण ले रही हैं, ने पिछले दिसंबर में कतर के दोहा में 2024 एशियाई चैंपियनशिप में पश्चिम बंगाल की कोयल बार द्वारा बनाए गए 182 किग्रा के समग्र लिफ्ट के युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पिछले साल चेन्नई में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पदक से चूकने वाली ऐसेंगफा ने स्नैच में 75 किग्रा भार उठाकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिसके बाद उन्होंने 79 किग्रा और 81 किग्रा भार उठाया। इस दौरान, ऐसेंगफा ने ओडिशा की मीना सांता के 81 किग्रा के स्नैच रिकॉर्ड की बराबरी।

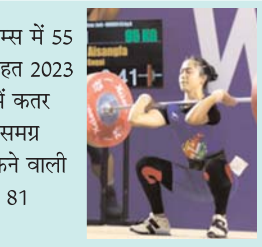

भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 97 रनों से हराकर त्रिकोणीय शृंखला जीती

- स्मृति मंधाना को उनकी 116 रनों की शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया
- हर्षिता समाराविक्रमा (26) रन और देवमी विहंगा (चार) रन बनाकर आउट हुई

कोलंबो, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। स्मृति मंधाना (116) की शतकीय, हरलीन देओल (47), जेमिमाह रॉड्रिग्स (44) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (41) की शानदार पारियों के बाद स्नेह राणा (चार विकेट) और अमनजोत कौर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार को फाइनल में मुकाबले में श्रीलंका को 97 रनों से हराकर त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला अपने नाम कर ली। 343 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की बेहद शुरुआत खराब रही और उसने अपना पहला विकेट हसिनी परेरा (शून्य) के रूप में गवां दिया। परेरा को अमनजोत कौर ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान चामरी अटापट्टू ने विष्मी गुणारत्ने के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिये 68 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में अमनजोत कौर ने विष्मी गुणारत्ने (36) को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद नीलाक्षी डिसिल्वा और अटापट्टू के बीच तीसरे विकेट लिये 73 रन जोड़े। 24वें ओवर में स्नेह राणा ने चामरी अटापट्टू (51) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। हर्षिता समाराविक्रमा (26) रन और देवमी विहंगा (चार) रन बनाकर आउट हुई। 33वें ओवर में स्नेह राणा ने नीलाक्षी डिसिल्वा (48) को आउटकर श्रीलंका को छठा झटका दिया। इसके बाद श्रीलंका का कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। अनुष्का संजीवनी (28) और मल्की मदारा (शून्य) पर आउट हुई। सुगंधिका कुमारी (27) और पिउमी वत्सला (नौ) रनआउट हुई। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका की पूरी टीम को 48.2 ओवर में 245रन पर समेट कर मुकाबला 97 रनों से जीत लिया।

स्मृति मंधाना को उनकी 116 रनों की शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। वही टूर्नामेंट में 15 विकेट लेने वाली स्नेह राणा को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। भारत की ओर स्नेह राणा ने चार विकेट लिये अमनजोत कौर को तीन विकेट मिले। श्री चरणी ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 15वें ओवर में प्रतिका रावल (30) के रूप में गिरा।

उन्हें इनोका रनावीरा ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हरलीन देओल ने स्मृति मंधाना के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 120 रनों की साझेदारी हुई। 33वें ओवर में देवमी विहंगा ने स्मृति मंधाना को आउट कर श्रीलंका को दूसरी सफलता दिलाई। स्मृति मंधाना ने 101 गेंदों में 15 चौके और दो छक्के लगाते हुए (116) रनों की शतकीय पारी खेली। इसके बाद 37वें ओवर में देवमी विहंगा ने अपना अर्द्धशतक बनाने जा रही हरलीन देओल (47) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। वहीं कप्तान हरमनप्रीति कौर ने 30 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (41) रन बनाए।

पंकज आडवाणी बॉल्कलाइन स्नूकर फाइनल में स्नूक से भिड़ेंगे

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। कई बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी ने शनिवार को यहां एनएससीआई डोम में 32 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाले एनएससीआई बॉल्कलाइन 4.0 अखिल भारतीय स्नूकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हिमांशु जैन को 8-2 से हराकर 5 लाख रुपये की विजेता राशि के लिए खुद को तैयार कर लिया। आडवाणी ने तीन शतक से अधिक ब्रेक के साथ मैच पर अपना दबदबा बनाया, जिसमें पराजित जैन ने दो फ्रेम अपने नाम किए। आडवाणी सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक के लिए शहर में हैं, जिसमें उन्होंने ध्रुव सिटवाला के खिलाफ जीत हासिल की और वर्ली में स्नूकर इवेंट में अभी तक किसी दबाव में नहीं आए हैं। दूसरे सेमीफाइनल में, ईशप्रीत सिंह चड्डा ने आदित्य मेहता को 8-6 से हराकर जीत दर्ज की और अब उनका मुकाबला आडवाणी से होगा, जो पिछले साल के फाइनल की तरह ही होगा(शुक्रवार को इससे पहले, आडवाणी ने केतन चावला के खिलाफ बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल मैच 7-1 से जीता था। बेस्ट ऑफ 13 फ्रेम नॉक-आउट मैच में, आडवाणी ने अंतिम चार फ्रेम में 63, 82, 57 और 60 के हाई ब्रेक के साथ शानदार फॉर्म दिखाया और शुक्रवार को एनएससीआई डोम में शानदार जीत दर्ज की। अंतिम आठ के एक अन्य मैच में, हिमांशु जैन ने दिग्विजय कादियान को 7-2 से हराया, जबकि ईशप्रीत सिंह चड्ढा ने सौरव कोठारी को 7-2 से हराया।

बायर्न ने मुलर के विदाई मैच में 2-0 की जीत के साथ जीता खिताब

- मुलर कई मौकों पर खुद गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन अपनी खास रात में गोल नहीं कर पाए।

बर्लिन, 11 मइ (एजेंसियां)। बायर्न म्यूनिख ने शनिवार को लाल रंग में थॉमस मुलर के अंतिम मैच को चिह्नित करने वाली एक भावनात्मक रात में 33वें दौर के मैच में बोरूसिया मोनचेंग्लाडबैक पर 2-0 की घरेलू जीत के साथ बुंदेसलीगा खिताब के जश्न को सील कर दिया। सभी की निगाहें मुलर पर थीं क्योंकि उन्होंने एलियांज एरिना में अपनी 750वीं और अंतिम उपस्थिति के लिए टीम का नेतृत्व किया। अनुभवी, जिन्होंने क्लब के साथ 13 बुंदेसलीगा खिताब और दो चैंपियंस लीग जीते हैं, को जोरदार तालियाँ मिलीं और प्रशंसक कोरियोग्राफी के साथ सम्मानित किया गया। एक शांत शुरुआत के बाद, माइकल ओलिस ने 31वें मिनट में बायर्न को जीवंत कर दिया। दाईं ओर से अंदर की ओर बढ़ते हुए, उन्होंने हैरी केन के लिए मोनचेंग्लाडबैक गोलकीपर जोनास ओमलिन को चकमा देते हुए एक शॉट मारा। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, केन का यह इस सत्र का 25वां गोल था, जिससे वह अपने पहले दो बुंदेसलीगा अभियानों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले पहले बायर्न खिलाड़ी बन गए। मोनचेंग्लाडबैक के लिए भी कुछ पल ऐसे रहे, जब टिम क्लेइंडिएन्स्ट, रोक्को रीट्ज और टॉमस क्नेंकारा ने मैनुअल नेउर की कड़ी परीक्षा ली, जिन्होंने चोट से उबरकर शानदार प्रदर्शन किया। बायर्न के कप्तान ने अपनी क्लीन शीट बरकरार रखने के लिए नजदीकी रेंज से कई बेहतरीन बचाव किए।

मुलर कई मौकों पर खुद गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन अपनी खास रात में गोल नहीं कर पाए। 84वें मिनट में उन्हें स्टेडियम के सभी कोनों से तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बाहर ले जाया गया, जबकि उनके साथी खिलाड़ी गार्ड ऑफ ऑनर के लिए लाइन में खड़े थे। खेल के अंतिम क्षणों में, ओलिस ने लेरॉय साने के साथ एक शानदार मूव को पूरा करके स्कोर 2-0 कर दिया।

बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने कहा, मुझे नहीं पता कि भावनाओं को किसने अधिक महसूस किया, थॉमस ने या बायर्न के प्रशंसकों ने। आने वाले वर्षों में, हम वास्तव में महसूस करेंगे कि वह इस क्लब के लिए कितना महत्वपूर्ण था।

दूसरी ओर, निचले स्थान पर मौजूद क्लब होल्स्टीन कील को चौथे स्थान पर मौजूद फ्रीबर्ग से 2-1 से हार के बाद दूसरे टियर पर भेज दिया गया। बोचुम को भी रेलीगेट किया गया क्योंकि मेंज 4-1 की जीत के साथ शीर्ष छह में पहुंच गया। लीपजिग ने वेर्डर ब्रेमेन के साथ मुकाबला साझा किया लेकिन उनके पास चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई करने का कोई मौका नहीं था।

जल्द ही होनी वाली है आईपीएल के बचे मैचों की शुरूआत!

> हम अब जल्द से जल्द विदेशी खिलाड़ियों को भारत वापस लाने की प्रक्रिया भी शुरू करेंगे

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी दस आईपीएल फ्रेंचाइजी को मंगलवार तक एकत्रित होने को कहा है, क्योंकि टूर्नामेंट के फिर से शुरू होने की संभावना है।

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के कारण बीसीसीआई ने शुक्रवार को आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था, खासकर धर्मशाला में पंजाब किंग्स-दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत के बाद हवाई हमलों और जम्मू और पठानकोट जैसे आस-पास के इलाकों में ब्लैकआउट के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। निलंबन के समय, आईपीएल 2025 ने 58 गेम पूरे कर लिए थे - जिसमें 12 लीग चरण के मैच और प्लेऑफ शेष थे। निलंबन की घोषणा के तुरंत बाद, सभी फ्रेंचाइजी के क्रिकेटर, साथ ही अधिकांश सहयोगी स्टाफ सदस्य अपने-अपने घरों और देशों के लिए रवाना हो गए। रविवार को नाम न बताने की शर्त पर एक शीर्ष फ्रेंचाइजी अधिकारी ने आईएएनएस से कहा, हां, हमें मंगलवार को अपनी टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को इकट्ठा करने के बारे में सूचित किया गया है। हमें कहां इकट्ठा होना है, यह अभी पता नहीं है। लेकिन अब तक, हमें बीसीसीआई से टीम को इकट्ठा करने की प्रक्रिया शुरू करने और मंगलवार तक सभी को इकट्ठा करने के बारे में संदेश मिला है। हम अब जल्द से जल्द विदेशी खिलाड़ियों को भारत वापस लाने की प्रक्रिया भी शुरू करेंगे आईएएनएस को पता चला है कि पंजाब किंग्स के मुख्य कोच और सहायक कोच रिकी पोंटिंग और ब्रैड हैडिन अभी भी भारत में हैं और जस्टिन लैंगर (मुख्य कोच, लखनऊ सुपर जायंट्स) और माइक हसी (बल्लेबाजी कोच, चेन्नई सुपर किंग्स) जैसे उनके अन्य कोचिंग समकक्षों के विपरीत ऑस्ट्रेलिया वापस नहीं गए हैं।

इस एजेंसी ने पहले शनिवार को बताया था कि बीसीसीआई का लक्ष्य 25 मई से पहले आईपीएल के सभी शेष मैच पूरे करना है, क्योंकि भारत %ए% टीम को इंग्लैंड के तीन मैचों के दौरे के लिए रवाना होना है।

मूल आईपीएल कार्यक्रम के अनुसार, 25 मई को फाइनल होगा, जो कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा(यह समझा जाता है कि संशोधित कार्यक्रम के लिए तिथियों और स्थानों पर अंतिम निर्णय आईपीएल गवर्निंग काउंसिल द्वारा लिया जाएगा, जो सरकार से मिलने वाली सलाह के बाद लिया जाएगा, खासकर शनिवार रात को संघर्ष विराम के उल्लंघन के बाद।

चोटिल हेजलवुड का फिर से आईपीएल में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। चूंकि बीसीसीआई सीमा पार तनाव के कारण अस्थायी निलंबन के बाद आईपीएल 2025 को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है, इसलिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अपने प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बिना ही सीजन पूरा करना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज, जो पहले से ही कंधे की चोट से जूझ रहे थे, 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आरसीबी के घरेलू मुकाबले से चूक गए थे और 9 मई को टूर्नामेंट रोक दिए जाने से पहले उनके अगले मैच के लिए भी खेलना अनिश्चित था। अब, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के साथ, आईपीएल के लिए उनका भारत लौटना असंभव सा लग रहा है। हेजलवुड, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में साइड स्ट्रेन और पैर की समस्या सहित कई चोटों से उबरने के लिए कठोर पुनर्वास किया था, लय हासिल करने के लिए आईपीएल का उपयोग कर रहे थे।

उंगली की चोट से उबर रहे हैं आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार इस समय उंगली की चोट से उबर रहे हैं। अगर आईपीएल 2025 को अस्थायी रूप से निलंबित न किया गया होता, तो वह कम से कम दो मैचों से बाहर रहते। टूर्नामेंट के अस्थायी रूप से निलंबित होने के कारण उन्हें बिना कोई मैच गंवाए कम से कम एक सप्ताह का समय मिल गया है। पाटीदार को 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ आरसीबी के घरेलू मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी।

सार संक्षेप

सिनर ने इटैलियन ओपन में जीत हासिल की

रोम। शीर्ष वरीयता प्राप्त और वर्तमान विश्व नंबर 1 जानिक सिनर ने शनिवार को एटीपी इटैलियन ओपन के दूसरे दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नवोन को 6-3, 6-4 से हराकर अपने वापसी मैच में सीधे सेटों में जीत हासिल की। इस साल फरवरी में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ मामले के समाधान समझौते के बाद सजा स्वीकार करने के बाद इतालवी ने अपने दो डोपिंग अपराधों के लिए तीन महीने का प्रतिबंध लगाया था। मार्च 2024 में उनका क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सिनर का डोपिंग प्रतिबंध आधिकारिक तौर पर 5 मई को समाप्त हो गया। रोम में शीर्ष वरीयता प्राप्त होने के कारण, उन्हें पहले दौर में बाई मिली और उन्होंने इस सीजन में क्ले पर अपनी शुरुआत की। शुरुआती सेट में, सिनर ने पहले छह गेम में 4-2 की बढ़त बनाई।

हरियाणा ने जीता खेलो इंडिया यूथ गेम्स कबड्डी का खिताब

गया। हरियाणा की टीम ने गुरुवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र को हराकर कबड्डी का खिताब अपने नाम किया।
आज यहां बिहार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के इनडोर हॉल में खेले गये मुकाबले में कप्तान जय हिंद लाठेर की अगुवाई वाली हरियाणा की अंडर-18 लड़कों की टीम ने कबड्डी के फाइनल में महराष्ट्र की टीम को 39-28 के अंतर से हराया। वहीं महाराष्ट्र को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।
हरियाणा के लिए रेडर प्रिंस दहिया, ईशांत और निखिल शानदार प्रदर्शन कर अपनी मजबूत रेड से टीम को कई अंक दिलाने में मदद की। इससे पहले हरियाणा ने अपने खिताब को डिफेंड करने कवायद कर्नाटक पर 58-31 की शानदार जीत के साथ शुरुआत की की। इसके बाद हरियाणा ने आंध्र प्रदेश को 37-28 और छत्तीसगढ़ को 55-30 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

गोल्फ: कोरिया चैम्पियनशिप में दीक्षा और प्रणवी संयुक्त 32वें स्थान पर

सोल (दक्षिण कोरिया), 11 मई (एजेंसियां)। दीक्षा डागर और प्रणवी उर्स ने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन शनिवार को यहां न्यू कोरिया कंट्री क्लब में अरामको कोरिया चैम्पियनशिप के दो राउंड के बाद दोनों संयुक्त 32वें स्थान पर रहीं। दीक्षा ने 3 ओवर के निराशाजनक फ्रंट नाइन से वापसी की, जबकि प्रणवी ने अपने दूसरे नाइन पर तीन शॉट गंवा दिए, जो कोर्स का फ्रंट साइड था। दीक्षा ने 2 ओवर 74 का स्कोर किया, और प्रणवी ने 3 ओवर 75 का स्कोर किया, और अब दोनों का स्कोर दो राउंड के लिए 3 ओवर 147 है। इस बीच, अवनी प्रशांत (79-73) दूसरे राउंड में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद कट पार करने में विफल रहीं और त्वेसा मलिक (79-76) भी बाहर हो गईं। व्यक्तिगत स्पर्धा में, गत विजेता और घरेलू पसंदीदा हियो जू किम चार अंडर-पार के स्कोर के साथ घरेलू मैदान पर ली-ऐनी पेस से एक शॉट आगे हैं। दक्षिण कोरिया ने गीले मौसम में एक ठोस दिन बिताया, लगातार दूसरे राउंड में 70 (-2) का स्कोर बनाया। ली एन पेस के तीन अंडर-पार पर अकेले दूसरे स्थान पर रहने के साथ, इक्वाडोर की डेनिएला डार्केआ और फ्रांस की पेरिन डेलाकॉर - हाल ही में इन्वेस्टेक एसए महिला ओपन की विजेता - दो अंडर-पार पर तीसरे स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बॉब काउपर का निधन

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बॉब काउपर का रविवार को 84 वर्ष की उम्र में बीमारी से लड़ते हुए निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी डेल और बेटियां ओलिविया और सेरा हैं। काउपर एक बेहद प्रतिभाशाली बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। वह अपनी आकर्षक बल्लेबाजी, धैर्य और बड़ी पारियां खेलने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। उनके करियर का सबसे यादगार पल 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेली गई 307 रनों की पारी थी। यह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट का पहला तिहरा शतक था।

सेविला एफसी प्रशंसकों के 'हिंसक हमले' के बाद प्रशिक्षण मैदान में रात बिताने वाली पहली टीम

सेविले, 11 मई (एजेंसियां)। सेविला एफसी ने पुष्टि की है कि समर्थकों द्वारा हिंसक हमलों के बाद उनकी पहली टीम को शनिवार की रात अपने प्रशिक्षण मैदान, जोस रेमन सिस्नेरोस पलासियोस स्पोर्ट्स सिटी में बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सेविला एफसी ने बैलीडोस स्टेडियम में सेल्टा विगो के खिलाफ 2-3 से हार झेलने के बाद अपनी केंद्र की यात्रा की और संगठित कट्टरपंथियों के एक गिरोह का सामना किया, जिन्होंने अत्यधिक हिंसा की। सेविला एफसी इस शनिवार की रात जोस रेमन सिस्नेरोस पलासियोस स्पोर्ट्स सिटी में हुई संगठित बर्बरता की कड़ी निंदा करता है, सेल्टा डे विगो के खिलाफ मैच के बाद पहली टीम के केंद्र पर पहुंचने के बाद। सेविला एफसी अनुरोध करता है कि सुरक्षा बल और कोर इन घृणित कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए अत्यधिक परिश्रम करें, जो संगठित कट्टरपंथियों के एक गिरोह द्वारा किए गए थे जिन्होंने अत्यधिक हिंसा के साथ काम किया। शिकायतों से परे, सेविला एफसी इन अपराधों के अपराधियों की तलाश में सहायता करने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह इन कार्यों में शामिल लोगों की पहचान करने में मदद करने की कोशिश करेगा और इस घटना में कि वे सेविला एफसी के प्रशंसक और सदस्य हैं, अथक कार्रवाई करेगा। अंत में, सेविला एफसी किसी भी विरोध प्रदर्शन की पूरी तरह निंदा करता है जिसमें हिंसा और आपराधिक कृत्य शामिल हैं जैसे कि इस शनिवार, 10 मई को देखा गया। बयान में कहा गया, क्लब निश्चित है कि ये कार्य सेविला प्रशंसकों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं, जो रेमन सांचेज-पिज्जुआन में यूडी लास पालमास के खिलाफ मंगलवार के मैच के महत्व से भी अवगत हैं।

ऑटो रिक्शा चालक की बेटी अस्मिता की नजर जूनियर विश्व भारोत्तोलन पदक पर

- अस्मिता ने पहले क्लीन एंड जर्क में 95 किग्रा उठाकर 94 किग्रा का आंकड़ा पार कर युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया
- अस्मिता, जो इस महीने 18 साल की हो गई हैं, का जन्म सतारा जिले के कराड शहर में हुआ था।

राजगीर, 11 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की अस्मिता दत्तात्रेय ढोने ने राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 49 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के अपने सफर में दो युवा राष्ट्रीय भारोत्तोलन रिकॉर्ड तोड़ दिए। ढोने ने पांच महीने पहले कतर के दोहा में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में क्लीन एंड जर्क और कुल मिलाकर अपना ही युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने मध्य प्रदेश के इंदौर में 2022 खेलो इंडिया यूथ गेम्स में रजत पदक जीता था। अस्मिता ने पहले क्लीन एंड जर्क में 95 किग्रा उठाकर 94 किग्रा का आंकड़ा पार कर युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और फिर बारबेल पर दो और किग्रा जोड़कर फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया और अपना कुल मिलाकर 170 किग्रा कर लिया, जो राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के उनके प्रदर्शन से 8 किग्रा बेहतर है। उत्तर प्रदेश की मानसी चामुंडा (75+88) ने युवा राष्ट्रीय स्नैच रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जीता, जो असम की पंचमी सोनोवाल द्वारा 2022 में बनाए गए रिकॉर्ड से बेहतर है। साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली अस्मिता, जो इस महीने 18 साल की हो गई हैं, का जन्म सतारा जिले के कराड शहर में हुआ था। उनके पिता दत्तात्रेय ढोने ऑटोरिक्शा चलाते हैं और मां निर्मला एक डेयरी किसान हैं। अस्मिता ने अपने गृहनगर में सम्राट पवार के अधीन प्रशिक्षण लेना शुरू किया, जिसे वह आज भी जारी रखती हैं। अस्मिता ने साई मीडिया को बताया कि मैंने कक्षा 7 में वजन उठाना शुरू किया, जब मैं लगभग 14 साल की थी। मेरी बड़ी बहन भी भारोत्तोलन में थी और इसलिए उसके कोच सम्राट सर ने मुझे भी उसके साथ भारोत्तोलन शुरू करने के लिए कहा। मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं क्योंकि मैंने राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

इटैलियन ओपन: गॉफ ने लिनेट पर जीत के साथ मियामी की हार का बदला लिया

रोम, 11 मई (एजेंसियां)। पिछली बार मियामी में मैग्डा लिनेट के खिलाफ, कोको गॉफ अपने करियर की तीन मुकाबलों में पहली बार पोल खिलाड़ी से हार गई थीं, लेकिन रविवार को इंटरनैशनली बीएनएल डी इटालिया के तीसरे दौर में लिनेट पर 7-5, 6-3 से जीत के साथ अमेरिकी ने बदला चुका लिया।पहली बार हार्ड कोर्ट के अलावा किसी अन्य सतह पर लिनेट का सामना करते हुए, गॉफ ने पहले सेट में कड़ी टक्कर दी और अपने करियर में तीसरी बार रोम में चौथे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका अगला मुकाबला यूएस ओपन विजेताओं के मैच में एम्मा राडुकानू से होगा, क्योंकि 2021 की न्यूयॉर्क चैंपियन ने अपने तीसरे दौर के मैच में वेरोनिका कुडरमेतोवा को हराने के लिए एक सेट से पीछे रहने के बाद वापसी की। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच बहुत कम अंतर था, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि विश्व की नंबर 4 खिलाड़ी शुरुआती बढ़त लेने के बावजूद अपने खेल को लगातार जारी नहीं रख पाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में 40 अनफोर्स्ड एरर किए, जिसमें गॉफ ने 24 और सिर्फ नौ विनर लगाए।

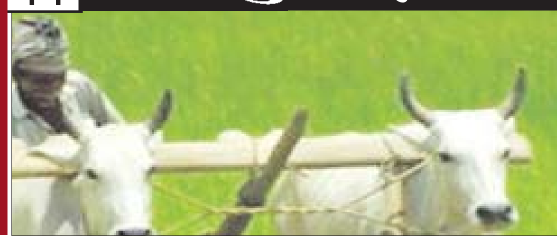

कटहल की खेती की सम्पूर्ण जानकारी

कटहल की खेती ज्यादातर भारत के केरला और तमिल नाडू क्षेत्र में की जाती है। कटहल को इंग्लिश में जैकफ्रूट के नाम से जाना जाता है। कटहल का पौधा सदाबहार माना जाता है। कटहल में पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं ,जो हमारे शरीर के लिए बेहद लाभकारी होते है। कटहल के वृक्ष की लम्बाई 8-15 मीटर तक होती है। कटहल के वृक्ष में फल लगना बसंत ऋतू से शुरू होता है ,और वर्षा ऋतू तक ये फल देता है। कटहल का वृक्ष छोटा और मध्यम फैलावदार होता है। कटहल को सब्जी के लिए उपयुक्त माना जाता है। कटहल के वृक्ष पर सालाना 80-90 फल प्रति वर्ष लगते है। इसके फल दिखने में गहरे हरे रंग और गोल आकर के रहते हैं। कटहल का बीज वाला भाग मुलायम होता है। इसके फल पकने में लम्बा समय लेते हैं , इसी कारण कटहल का लम्बे समय तक सब्जी के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

कैसे उगायें कटहल का पौधा ?- कटहल का पौधा यदि आप लगाने की सोच रहे हैं ,तो सबसे पहले कटहल के पके हुए फल को ले। पके हुए फल में से बीजो को निकाल लें। कटहल की बुवाई के लिए उपजाऊ मिट्टी का चयन करें। कटहल की खेती वैसे किसी भी प्रकार की मृदा में की जा सकती है ,लेकिन मिट्टी उपजाऊ होनी चाहिए।

कटहल की बुवाई से पहले मिट्टी में जैविक खाद और अन्य उर्वरक खाद अच्छे से मिला लें ,ताकि कटहल की खेती अच्छे से की जा सके। कटहल के खेत में बुवाई के बाद पानी का छिड़काव करना ना भूलें। पौधा लगाने के बाद पौधे की 1 साल से ज्यादा देखभाल करनी चाहिए ,समय समय पर पौधे की नराई होती रहनी चाहिए। ऐसा करने से पौधे में खरपतवार की समस्या कम देखने को मिलती है।

कटहल के पेड़ में खाद और उर्वरक

कटहल के पेड़ में प्रत्येक वर्ष फल लगता है। पेड़ की अच्छी उर्वरकता और उत्पादकता के लिए उसमे समय समय पर खाद लगाना चाहिए । किसानो द्वारा कटहल की खेती में गोबर खाद ,यूरिया ,पोटास और फास्फोरस जैसे खादों का प्रयोग किया जा सकता है। जैसे पेड़ में वृद्धि होती है ,उसी प्रकार कटहल के पेड़ में लगने वाले खाद में भी वृद्धि होती रहनी चाहिए, ताकि वृक्ष की उत्पादकता बढ़ती रहे। कटहल के पेड़ में खाद डालने के लिए नीचे एक गड्ढा बना लिया जाता है ,जिसमे खाद के मिश्रण को डाला जा सके।

अच्छी और ज्यादा पैदावार के लिए समय -समय पर खेत में खाद को डालते रहना चाहिए। कटहल के पेड़ से रोगग्रस्त शाखाओ को निकाल दे ताकि पेड़ की वृद्धि में कोई रुकावट ना आये।

कटहल की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी और जलवायु - जैसा की आपको बताया गया है कटहल की खेती किसी भी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है, लेकिन बलुई और दोमट मिट्टी को इसके लिए ज्यादा उपयुक्त माना गया है। कटहल को उष्णकटिबंधीय फल माना जाता है, क्यूंकि इसका उत्पादन शुष्क और नम दोनों मौसमो में किया जा सकता है। कटहल की खेती को ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं रहती है। अधिक सिंचाई करने की वजह से फसल नष्ट हो सकती है। कटहल की जड़े ज्यादा पानी को नहीं सोख सकती है ,इसीलिए किसानो द्वारा खेत में जल निकासी का प्रबंध करना चाहिए।

कटहल की कुछ उन्नत किस्मे इस प्रकार है

रसदार

खजवा

सिंगापुरी

गुलाबी

रुद्राक्षी आदि कटहल की किस्मे है। ज्यादातर कटहल का उत्पादन बीज से ही किया जाता है। एक ही प्रकार के बीज से की गयी खेती में अलग अलग प्रकार के अंतर देखने को मिलते है। यह अंतर ज्यादातर मौसम में बदलाब होने के कारण और मिट्टी की किस्म में पाए जाने वाले फर्क की वजह से होता है।

कटहल के खेत में लगने वाले कीट और रोग - कटहल की फसल में लगने वाले रोग और कीट का मुख्य कारण है समय पर खाद न डालना , सिंचाई न हो पाना आदि। फसल में रोग लगने का मुख्य कारण खेत में नमी का होना भी हो सकता है। खेत में ज्यादा सिंचाई कर देना या फिर अधिक वर्षा की वजह से खेत में नमी का आ जाना ,ये फसल की उत्पादकता पर गहरा प्रभाव डालता है।

पेठा कद्दू की खेती से किसान करेंगे ताबड़तोड़ कमाई

पेठा कद्दू की खेती करके किसान बढ़िया कमाई कर सकते हैं। पेठा कद्दू को सफेद कद्दू भी कहते है। आपको बता दे कि इस कद्दू से मिठाई बनाई जाती है। जिसकी वजह से किसानों को इसकी बढ़िया कीमत मिलती है। पेठा कद्दू को गुणों का खजाना भी कहा जाता है। सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जिन किसी को डिप्रेशन की समस्या है वह इसका सेवन करके उसे कंट्रोल कर सकते हैं। आंखों के लिए यह फायदेमंद होता है और वजन घटाने में मदद करता है। साथ ही कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी मदद करता है।

आजकल कोलेस्ट्रॉल की समस्या बढ़ती जा रही है तो ऐसे में इसका सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। चलिए जानते हैं पेठा कद्दू की खेती करने के लिए किसान कौन सी उन्नत किस्म की बुवाई कर सकते हैं और पेठा कद्दू की खेती कब की जाती है।

पेठा कद्दू की उन्नत किस्मे- पेठा कद्दू की खेती करने के लिए आपको उन्नत किस्मों का चुनाव करना चाहिए। जिससे बढ़िया कमाई हो तो यहाँ पर आपको हम कई बढ़िया किस्मों के बारें में बताने जा रहे है। जिसमें पूसा हाइब्रिड 1, पूसा विश्वास, पूसा विकास, सीएस 14, कासी हरित कद्दू, सीओ 1 व 2, हरका चंदन, कल्यानपुर पंपकिंग 1, नरेंद्र अमृत, अरका सूर्यमुखी, अंबली, पैटी पान, और येलो स्टेटनेप आदि आते है। इनसे बढ़िया उपज मिलेगी। चलिए जानते है पेठा कद्दू की खेती के बारें में।

कद्दू एक बेल वाला पौधा है। जिसकी खेती साल में तीन बार कर सकते है। जिसमें फरवरी से मार्च के साथ जून से जुलाई और सितंबर से अक्टूबर महीने आते है। जब बढ़िया समय होता है। जिसमें मिट्टी की बात करें तो पेठा कद्दू की खेती के लिए दोमट और बलुई दोमट मिट्टी बेहतर होती है। अगर एक हेक्टेयर में पेठा कद्दू लगाते है तो करीब 8 किलोग्राम बीज चाहिए होंगे। इस तरह पेठा कद्दू की खेती करके किसान आमदनी बढ़ा सकते है। संसार का पिद्दू सा फल जो आपके शरीर को बना देगा लोहा, हर दिन सेवन और बीमारी की छुट्टी, जाने नाम और फायदे करोंदा एक ऐसा फल है जिसके बारे में आज हम बात कर रहे हैं. इसे खाने से आपके शरीर के सारे रोग जड़ से खत्म हो सकते हैं. ऐसा माना जाता है कि इसके नियमित सेवन से आप खतरनाक बीमारियों से बचे रह सकते हैं और हमेशा स्वस्थ रहेंगे. करोंदा का इस्तेमाल कई दवाओं में भी किया जाता है।

सफेद आलू और गुलाबी आलू को भी फेल कर देगा ये काला आलू

सफेद आलू और गुलाबी आलू को भी फेल कर देगा ये काला आलू, एक बार कर ली खेती तो खरीदना पड़ जाएगी पैसे गिनने की मशीन यदि आप भी किसान है और खेती के जरिये बहुत ही तगड़ा मुनाफा कमाना चहाते है तो आज हम आपको एक ऐसे आलू के किस्म की खेती के बारे में बताने जा रहे है जिसे करके आप भी मालामाल हो जायेगे और आपके घर में भी बरसने लगेगा खूब पैसा, दरसल दोस्तों गुलाबी और सफेद आलू का जमाना जा चूका है, अब लोग काले आलू की खेती कर रहे है और बंपर कमाई भी कर रहे है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में भी ज्यादा सुधार आएगा, साथ ही इसमें कई अधिक गुण पाए जाते है जिससे आप बड़ी बड़ी बीमारियों से छुटकारा पा सकते है।

कैसे करें काले आलू की खेती ?

काले आलू की खेती ठंडे मौसम में की जाता है, यदि आप भी इस रबी सीजन में इसकी खेती करना चाहते हैं, तो समय के अनुसार नवंबर काफी अच्छा महीना होता है, इस महीने में इसकी बुवाई करने से आपको काफी अच्छी पैदावार मिल सकती है, इसके साथ ही, यदि आप इसे रेतीली दोमट मिट्टी में इस काले आलू को उगाते हैं तो आपकी फसल काफी अच्छी विकसित होगी।

इसके लिए आपको बुवाई से पहले खेत की गहरी जुताई करनी होगी, इसके बाद खेत में रोटावेटर का उपयोग करना होगा, जुताई के बाद मिट्टी को पूरा भर देना होगा, फिर ही आप आलू लगाए इसके लिए कतार से कतार में डेढ़ फीट की दूरी रखनी होगी और पौधों के बीच 5 इंच की दूरी रखनी होगी, इसके बाद समय-समय पर सिंचाई और निराई करने के बाद, फसल के फूल आने से पहले पौधों के पास मिट्टी चढ़ा देनी होगी, यदि आप इस तरह इसकी खेती करते है तो आपको कम समय में बहुत ही अच्छा मुनाफा कमाने को मिलेगा और आपको ज्यादा खर्चा भी नहीं करना होगा।

क्या-क्या है फायदे ? - हार्ट के मरीजों के लिए काले आलू का सेवन करना काफी बेहतर माना जाता है। सफेद आलू के सेवन से वजन बढ़ता है लेकिन यदि आप काले आलू का सेवन करें तो इससे वेट लॉस होता है।

इसमें कई इंफ्लेमेंटरी गुण और एंटीऑक्सीडेंट गन होते है जिससे आप आसानी से कैंसर की बिमारी से बच सकते है।

ये खून की कमी को भी दूर करता है और आपके शरीर में रक्त शोधन अच्छा रहता है।

इसमें विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है जिससे आपके शरीर में कई बीमारयों की झंझट खत्म हो जाती है।

इससे आपकी आँखों की रौशनी भी बढ़ती है।

इससे आपके बाल झड़ने की समस्या 100 प्रतिशत कम होती है।

इससे आप आसानी से त्वचा के रोगों से छुटकारा पा सकते है।

प्याज की खेती: रोपाई से लेकर फसल कटाई तक की समस्त जानकारी

सब्जियों और मसाले दोनों रूप में प्याज एक महत्वपूर्ण फसल है। इसमें कुछ मात्रा में प्रोटीन और विटामिन पाए जाते हैं। इसके आलावा प्याज में औषधीय गुणों की एक विस्तृत श्रृंखला भी पायी जाती है। इसका उपयोग सलाद, अचार और सूप में किया जाता है। प्याज की खेती भारत के निम्न राज्यों में की जाती है जिसमें महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और बिहार आदि शामिल हैं। भारत में प्याज का सबसे अधिक उत्पादन मध्य प्रदेश राज्य में किया जाता है।

प्याज की खेती के लिए उपयुक्त मृदा- प्याज की खेती के लिए आमतौर पर सभी प्रकार की मृदा उपयुक्त होती है। लेकिन अच्छी जल निकासी, नमी धारण क्षमता और कार्बनिक पदार्थ से भरपूर दोमट से चिकनी मिट्टी आदर्श मानी जाती है। प्याज की खेती के लिए मृदा का आदर्श पीएच मान 6 - 7 के बीच उपयुक्त होता है।

प्याज की रोपाई से पहले नर्सरी में पौध तैयार की जाती है। बाद में उसको मुख्य खेत में रोपित किया जाता है।

नर्सरी बेड- नर्सरी बेड तैयार करने के लिए ध्यान रखें कि 1 एकड़ क्षेत्र के लिए 200 वर्ग मीटर नर्सरी बेड की आवश्यकता होती है। इसकी आखिरी जुताई के दौरान 200 किलोग्राम गोबर की खाद को 2 लीटर ट्राइकोडर्मा हरजेनियम के साथ मिलाकर प्रयोग करें। इसका प्रयोग करने से पौधों में डैंपिंग ऑफ, जड़ सड़न, कॉलर सड़न और अन्य मृदा जनित रोग को नियंत्रण करने में सहयता मिलती है। बेड तैयार करते समय 1 - 1.2 मीटर चौड़ी, 10 - 15 सेमी ऊँची और सुविधाजनक ऊंचे बेड तैयार करें। क्यारियों के बीच 70 सेमी की दूरी बनाए रखें।

बीज दर: 1 एकड़ खेत के लिए 3 - 4 किलोग्राम बीज की आवश्यक होती है।

बीज उपचार- बीजों की नर्सरी में बुवाई करने से पहले बाविस्टिन से उपचारित करें। इसके लिए 2 ग्राम बाविस्टिन को 1 लीटर पानी में मिलाकर घोल तैयार करें फिर बाद में इस तैयार मिश्रण से प्याज के 1 किलोग्राम बीजों को उपचारित करें। इसके आलावा डैम्पिंग ऑफ और अन्य रोगों को नियंत्रित करने के लिए जैव कवकनाशी में 1 किलो बीज के लिए 50 मिली पानी में 8-10 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरिड मिलाकर उपयोग करें।

बुवाई-

बुवाई प्रक्रिया के लिए सबसे पहले बीजों की बुवाई कतार में करें।

बीजों को 5 -7.5 सेमी की दूरी और 1 सेमी की गहराई पर नर्सरी में लगाएं।

इसके बाद मृदा,चूर्णित गोबर की खाद और वर्मीकम्पोस्ट खाद से पूरी तरह बीजों को ढक दें।

अब हल्की सिंचाई करें।

सिंचाई के लिए स्प्रिंकल या ड्रिप प्रणाली अपना सकते हैं।

आवश्यक नमी और तापमान बनाए रखने के लिए नर्सरी बेड को धान और गन्ने के पुआल से ढक दें।

बड़े प्याज लेने के लिए बीजों को 30 सेमी की दूरी पर पंक्तियों में बोएं (पंक्ति - पंक्ति के बीच 30 सेमी की दूरी और पौधों - पौधों के बीच 30 सेमी की दूरी रखें)। बाद में, बल्ब के विकास के लिए उचित दूरी देने के लिए थिनिंग किया जा सकता है। छोटे प्याज लेने के लिए, बीजों को छोटी समतल क्यारियों में बुवाई करें। बीजों को 2.5 - 3 सेमी की गहराई पर लगाएं और बुवाई के 10 दिनों बाद हाथों से निराई - गुड़ाई करें एवं हल्की सिंचाई करें।

बुवाई का उपयुक्त समय - सितंबर से अक्टूबर माह

प्याज की खेती के लिए खेत तैयारी:

खरपतवार प्रबंधन:

खरपतवार को नियंत्रित करने के लिए रोपाई के 45

दिन बाद ऑक्सीफ्लोरफेन्स 23.5 प्रतिशत श्ष्ट 200 मिली/एकड़ की दर से डालें और इसके बाद एक हाथ से निराई करें।

फसल चक्र और मिश्रित फसल-

गन्ना बोने के बाद शुरुआती 5 महीनों के दौरान प्याज को गन्ने के साथ अंतरफसल के रूप में उगाया जा सकता है। इन्हें फलियां, मक्का, ब्रैसिका और सोलेनैसियस फसलों के साथ भी उगाया जा सकता है। प्याज पोषक तत्वों का अधिक मात्रा में अवशोषण करती हैं, जिससे अगली फसल के लिए मृदा में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। फलियां वाली फसलों के साथ प्याज को उगाने से मिट्टी में नाइट्रोजन की पूर्ति होती है। इसी तरह, प्याज के साथ ब्रैसिका और सोलानेसियस फसलों की खेती भी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने एवं कीटों और रोगों काआसानी से नियंत्रण भी कर सकते हैं।

भण्डारण- कटाई और पूरी तरह से सूखने के बाद प्याज को ठंडी और सूखी जगह पर भंडारित करें। फफूंदी और सड़न से बचाने के लिए उन्हें अच्छी तरह हवादार क्षेत्र में भंडारित करें। अगर प्याज को सही तरीके से उपचारित और संग्रहित किया जाए तो इसे कई महीनों तक संग्रहीत किया जा सकता है।

बेल की वैज्ञानिक खेती

भूमि

बेल एक बहुत ही सहनशील वृक्ष है। इसे इसी भी प्रकार की भूमि में उगाया जा सकता है, परन्तु जल निकासयुक्त बलुई दोमट भूमि इसकी खेती के लिए अधिक उपयुक्त है। समस्याग्रस्त क्षेत्रों-ऊसर, बंजर, कंकरीली, खादर, बीहड़ भूमि में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। वैसे तो बेल की खेती के लिए 6-8 पी.एच मान वाली भूमि अधिक उपयुक्त होती है। भूमि में पी.एच मान 8.5 बेल की व्यावसायिक खेती की जा सकती है।

जलवायु- बेल एक उपोष्ण जलवायु का पौधा है, फिर भी इसे उष्ण, शुष्क और अर्द्धशुष्क जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। इसकी बागवानी 1200 मीटर ऊँचाई तक और 7-46 डिग्री सेल्सियस तापक्रम तक सफलतापूर्वक की जा सकती है। इसके पेड़ की टहनियों पर कांटे पाये जाते हैं और मई-जून की गर्मी के समय इसकी पत्तियाँ झड़ जाती है, जिससे पौधों में शुष्क और अर्द्धशुष्क जलवायु को सहन करने की क्षमता बढ़ जाती है।

उन्नत किस्में- बेल में अत्यंत जैवविधिता पाई जाती है तथा इसके आंकलन की आवश्यकता है। नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा चयनित किस्मों के कारण पूर्व में विकसित किस्मों, जैसे - सिवान, देवरिया, बड़ा कागजी, इटावा, चकिया, मिर्जापुरी, कागजी गोण्डा आदि के रोपण की सिफारिश अब नहीं की जा रही है। कुछ प्रमुख नवीनतम उन्नत किस्मों का संक्षिप्त विवरण निम्न है।

नरेन्द्र बेल 5- इस किस्म के पौधे कम ऊँचाई वाले (3-5 मी.) और अधिक फैलाव लिये होते हैं। फल चपटे सिरे वाले मध्यम आकार के, मीठे स्वाद होते हैं। फलों का औसत वजन 1-1.5 किलो ग्राम तक होता है तथा फलों का छिलका पतला होता है। गूदे में रेशे और बीज की मात्रा काफी कम पायी जाती है। पेड़ों से औसत उपज 70-80 किलोग्राम प्रति वृक्ष तक प्राप्त की जाती है।

पंत शिवानी- इस किस्म के पेड़ ऊपर की तरफ बढ़ने वाले और अधिक फैलाव लिये जाते हैं। फल चपटे सिरे वाले, मध्यम आकार के, मीठे स्वाद होते हैं। फल अंडाकार लम्बे, औसत वजन 1.2-2.0 किलोग्राम छिलका मध्यम पतला, गूदा अधिक (70-75 प्रतिशत), रेशा कम, अच्छी मिठास वाला और स्वादिष्ट होता है। फलों की भंडारण क्षमता अच्छी होती है तथा पेड़ों की औसत उपज 50-60 किलोग्राम वृक्ष तक पायी जाती है।

पंत अर्पणा- यह एक बौनी और विरल वाली किस्म है, जिसकी शाखाएं नीचे की तरफ लटकती रहती है। पत्तियाँ बड़ी, गहरे रंग की और नाशपाती की तरह होती है। पेड़ों पर कांटे कम पाये जाते हैं तथा फल जल्दी और उपज अच्छी होती है। फल गोलाकार और 0.6 से 0.8 किलोग्राम औसत भार के और पतले छिलके वाले होते है। पकने पर फलों का रंग हल्का होता है। इसमें बीज, लिसलिसा पदार्थ, खटास व रेशा कम पाया जाता है। लिसलिसा पदार्थ व बीज अलग थैलियों में बंद होता है, जिसे आसानी से अलग किया जा सकता है। अत- यह किस्म परिरक्षण के लिए ज्यादा उपयुक्त सिद्ध हो सकती है। फलों का गूदा मध्यम मीठा (टी.एस.एस. 35-40 ब्रिक्स), स्वादिष्ट और सुवासयुक्त होता है।

पंत उर्वशी- इस किस्म के पेड़ घने और लम्बे होते हैं। यह एक मध्यम समय में पकने वाली किस्म है। फलों का आकार अंडाकार तथा प्रति फल भार 1.6 किलोग्राम तक होता है। छिलका मध्यम पतला, गूदा मीठा स्वादिष्ट और सुवासयुक्त होता है। फलों में गूदे की मात्रा 68.5 प्रतिशत और रेशे की मात्रा कम पायी जाती है।

पंत सुजाता- इस किस्म के पेड़ मध्यम आकार के घने और फैलने वाले होते हैं। यह शीघ्र फल देने वाली और मध्यम समय में पकने वाली किस्म है। फल गोल लेकिन दोनों सिरे चपटे होते हैं। फलों का औसत भार 1.14 किलोग्राम छिलका पतला और हल्के पीले रंग वाला, रेशा कम होता है। फलों में गूदे की मात्रा 77.8 प्रतिशत तक पायी जाती है। पेड़ों की औसत उपज 45-50 किलोग्राम प्रति वृक्ष तक पायी जाती है।

गड्ढे की तैयारी तथा पौध रोपण

बेल के पेड़ों की रोपाई 6-8 मीटर की दूरी पर मृदा उर्वरता के अनुसार करनी चाहिए। रोपण के लिए जुलाई-अगस्त अच्छा पाया गया है। पौध लगाने के एक माह पूर्व 6-8 मीटर के अंतर पर 75 से 100 घन सेंटीमीटर के गड्ढे तैयार कर लेते हैं। यदि जमीन में कंकड़ की तह हो तो उसे निकाल देना चाहिए। इन गड्ढों को 20-30 दिनों तक खुला छोड़कर 3-4 टोकरी गोबर की सड़ी खाद गड्ढे की ऊपरी आधी मिट्टी में मिलाना चाहिए। ऊसर भूमि में प्रति गड्ढे के हिसाब से 20-25 किलोग्राम बालू तथा पी.एच मान के अनुसार 5-8 किलोग्राम जिप्सम/पाइराइट भी मिला कर 6-8 इंच ऊँचाई तक गड्ढों को भर देना चाहिए। इन्हीं तैयार गड्ढों में जुलाई-अगस्त में पौध रोपण करना चाहिए। पौधे लगाने के बाद हल्की सिंचाई करना उपयुक्त होता है। शुष्क और अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में जहाँ सिंचाई की समुचित व्यवस्था न हो वहाँ स्वस्थाने बाग़ स्थापन विधि को प्रोत्साहित करना चाहिए।

शिखर रोपण विधि यह देखा गया है कि बीजू/देशी पौधे बहुतायत में पाये जाते हैं जिनके फल छोटे आकार के और कम गुणवत्ता वाले होते हैं। ऐसे पौधों को उन्नत किस्मों में बदलने के लिए शिखर रोपण करना चाहिए। इसके लिए पेड़ की मोटी शाखाओं को जमीन से उचित ऊँचाई (2.5-3.0 मी.) पर मार्च में शिखर से काटकर उस हिस्से को गीली मिट्टी और टाट से ढक देते हैं। जब इन कटे हुए भागों से नई शाखाएं निकल कर कलम बाँधने योग्य हो जाएं तो उन पर जून-जुलाई में कलिकायन कर दिया जाता है। जब कलिकाएँ अच्छी तरह से फुटाव ले लेती है तो पुरानी शाखाओं को ऊपर से काट दिया जाता है। इस प्रकार के पौधों में तीसरे वर्ष से उपज प्राप्त होने लगती है।

खाद एवं उर्वरक- पौधों की अच्छी बढ़वार, अधिक फल और पेड़ों को स्वस्थ रखने के लिए प्रत्येक पौधे में 5 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद, 50 ग्राम नाइट्रोजन, 25 ग्राम फ़ॉस्फोरस और 50 ग्राम पोटाश की मात्रा प्रति वर्ष प्रति वृक्ष डालनी चाहिए। खाद और उर्वरक की यह मात्रा दस वर्ष तक इसी अनुपात में बढ़ाते रहना चाहिए। इस प्रकार 10 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले वृक्ष को 500 ग्राम नाइट्रोजन 250 ग्राम फ़ॉस्फोरस और 500 ग्राम पोटाश के अतिरिक्त 50 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद डालना उत्तम होता है। ऊसर भूमि में उगाये गये पौधे में प्राय- जस्ते की कमी के लक्षण दिखाई देते हैं। अत- ऐसे पेड़ों में 250 ग्राम जिंक सल्फेट प्रति पौधे के हिसाब से उर्वरकों के साथ डालना चाहिए या 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट का पर्णीय छिड़काव जुलाई, अक्टूबर व दिसम्बर में करना चाहिए। खाद और उर्वरकों की पूरी मात्रा जून-जुलाई में डालनी चाहिए। जिन बागों में फलों के फटने की समस्या हो उनमें खाद और उर्वरकों के साथ 100 ग्राम/वृक्ष बोरेक्स (सुहागा) का प्रयोग करना चाहिए।

सिंचाई- नये पौधों को स्थापित करे कि एक-दो वर्ष सिंचाई की अत्याधिक आवश्यकता पड़ती है। स्थापित पौधे बिना सिंचाई के भी अच्छी तरह से रह सकते हैं। गर्मियों में बेल का पौधा अपनी पत्तियाँ गिरा कर सुषुतावस्था में चला जाता है इसके अलावा इसमें पुष्पण तथा फल वृद्धि बरसात के मौसम से शुरू होकर जाड़े के समय तक होती है। इस तरह यह सूखे को सहन कर लेता है। सिंचाई की सुविधा होने पर मई-जून में नई पत्तियाँ आने के बाद दो सिंचाई 20-30 दिनों के अंतराल पर कर देनी चाहिए।

पौधों की सधाई, छंटाई और अंत: फसलें- पौधों की सधाई, सुधरी प्ररोह विधि से करना उत्तम पाया जाता है। सधाई का कार्य शुरू के 4-5 वर्षों में करना चाहिए। मुख्य तने को 75 सेंमी. तक अकेला रखना चाहिए। इसके बाद 4-6 मुख्य शाखाएं चारों दिशाओं में बढ़ने देनी चाहिए। बेल के पेड़ों में विशेष सधाई की आवश्यकता नहीं पड़ती है परन्तु सूखी, कीड़ों और बीमारियों से ग्रसित टहनियों को समय-समय पर निकालते रहना चाहिए।

रोग और कीट- रोग

बेल का कैंकर

यह रोग जैन्थोमोनस विल्वी बैक्टीरिया द्वारा होता है। प्रभावित भागों पर पानीदार धब्बे बनते हैं जो बाद में बढ़ कर भूरे रंग के हो जाते हैं। बाद में पूर्व प्रभावित भाग का उत्तक गिर जाता है और पत्तियों पर छिद्र बन जाते हैं। इस रोग की रोकथाम के लिए स्ट्रेप्टोसाइक्लिन सल्फेट (200 पी.पी.एम.) को पानी में घोल कर 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

छोटे फलों का गिरना- इस रोग का प्रकोप फ्यूजेरियमनामक फफूंद द्वारा होता है। इस रोग में बेल के छोटे फल (2-3 इंच व्यास वाले) गिरते हैं। पहले डंठल वाले छोर पर फ्यूजेरियन फफूंद का संक्रमण होता है तथा एक भूरा छोटा घेरा फल के ऊपरी हिस्से पर विकसित होता है। डंठल और फल के बीच फफूंद विकसित होने से जुड़ाव कमजोर हो जाता है और फल गिर जाते हैं। इसके नियंत्रण के लिए जब फल छोटे हों, कार्बेन्डाजिम (0.1 प्रतिशत) का दो छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

फर्जी बैंक बनाकर पांच जिलों में करोड़ों की ठगी

अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट एवं इंदौर में खोले गये थे बैंक, आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर, देशबन्धु। पुलिस ने फर्जी बैंक बनाकर डेढ़ करोड़ रुपये की ठगी के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने अनूपपुर समेत पांच जिलों में फर्जी बैंक खोलते हुए लोगों को 25 से 30 प्रतिशत ब्याज का झांसा देकर डेढ़ करोड़ रुपये बैंक खातों में जमा कराए और फिर एक दिन बैंक को बंद कर फरार हो गए।

मामले की शिकायत पीड़ित उपभोक्ताओं ने जब पुलिस के पास की तो जांच में पुलिस भी हैरान रह गई, क्योंकि जिस नाम से बैंक का संचालन किया जा रहा था, ऐसी कोई बैंक थी ही नहीं।

आरोपियों ने आईडीसीएस इंडिया नाम से ग्राहकों से अपनी फर्जी बैंक में फिक्स डिपाजिट कराए थे और लोन दिलाने का झांसा दिया था। ये फर्जी बैंक अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट एवं इंदौर में खोली थी। यहां ग्राहकों से लाखों रुपये की फिक्स डिपाजिट कराई गई। फरियादी अभिजीत सिंह पिता चारधाम सिंह उम्र करीब 32 साल निवासी वार्ड नंबर 14 पुरानी बस्ती अनूपपुर ने कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि तहसील कार्यालय के पास गिरधारीलाल सोनी के किराये के भवन में खोली गई आईडीसीएस इंडिया नाम की बैक के ब्रांच मैनेजर दीपक उपाध्याय एवं सीईओ योगेश श्रीवास ने जमा राशि पर 6 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज देने का झांसा देकर 3 दिसंबर 2024 को एक लाख रुपये की फिक्स डिपाजिट कराई और बांड लेटर दिया। पिछले तीन माह से कंपनी का ऑफिस बंद है एवं ब्याज राशि भी मिलना बंद हो चुकी है।

रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध दर्ज कर गठित पुलिस टीम ने बैंक के अनूपपुर कार्यालय को सीलबंद कर दिया गया। साथ ही मंडला पहुंचकर कंपनी के मालिक एवं सीईओ योगेश श्रीवास पिता कन्हैयालाल श्रीवास उम्र 22 वर्ष निवासी महराजपुर जिला मंडला एवं ब्रांच मैनेजर दीपक उपाध्याय पिता चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय उम्र 28 वर्ष निवासी भुआ बिछिया जिला मंडला को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही बैंक संचालन के लिए मकान किराए से देने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भी अपराध दर्ज किया गया है।

स्टैट बैंक ऑफ मॉरिसस के फर्जी दस्तावेज

शनिवार की शाम कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने सीलबंद किए गए आईडीसीएस इंडिया के कार्यालय की तलाशी में एफडी एवं लोन के कई दस्तावेज, 5 स्मार्ट फोन, लैपटॉप, 2 प्रिंटर, बैंक चेक, स्टेट बैंक आफ मॉरिसस के फर्जी तैयार बैकिंग फार्म विभिन्न बिल, स्टेशनरी सामान जब्त किया गया। अभी तक की विवेचना में 81 निवेशको से कुल 1 करोड़ 51 लाख रुपये की धोखाधड़ी की जानकारी मिली है।

लग्जरी कार समेत अन्य संपत्तियां जब्त की जाएंगी

मुख्य आरोपी योगेश श्रीवास ने निवेशकों की गाढी कमाई से प्राप्त धनराशि से 20 लाख रुपये की महंगी लक्जरी कार, साढ़े तीन लाख रुपये की मोटर सायकल, पांच लाख रुपये के सोने के जेवरात, मंडला में 50 लाख रुपये का आवासीय प्लाट खरीद चुका है। उसे पुलिस जब्त करने की कार्रवाई में जुटी है। पुलिस ने आरोपियों के सभी बैंक खाते सीज करा दिए हैं।

बिना वेतन के कर्मियों से कराया गया काम

आरोपियों ने फर्जी बैंक का संचालन पांच जिलों में प्रारंभ किया और यहां बैंक स्टाफ के रूप में 53 लोगों की नियुक्ति की। इनकी नियुक्ति के वक्त उन्हें यह नहीं बताया गया कि यह बैंक फर्जी है। कुछ दिनों में वेतन मिल जाने की बात कह कर उनसे काम लेते रहे।

पिकनिक गई शिक्षका हादसे का शिकार, मौत

शहडोल,देशबन्धु। शहडोल जिले के अमलाई में रहने वाली 29 साल की दिव्या सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई। दिव्या एक निजी विद्यालय में शिक्षिका थी। वह अपनी मां से जबलपुर प्रशिक्षण का बहाना बनाकर घूमने के लिए गई थी।

शहडोल में ट्रेन से उतरने के बाद उनका मार्ग बदल गया था। पुलिस के अनुसार, दिव्या को उनके मित्र हिमांशु मिश्रा ने स्टेशन से उतारा और उसे अपने साथ पहड़िया पिकनिक मनाने के लिए ले गया। लौटते समय उनकी बाइक एक अन्य वाहन से टकरा गई, जिससे दिव्या गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की मदद से दिव्या को जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, हिमांशु का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मां ने बताया कि दिव्या कॉलेज की पढ़ाई के दौरान शहडोल में किराए पर कमरा लेकर रहती थी। इस दौरान उसकी हिमांशु से दोस्ती हुई थी। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह दोस्ती इस तरह खत्म होगी। परिवार के एक करीबी मित्र ने कहा कि दिव्या एक होनहार और मेहनती थी।

वह हमेशा अपने करियर को प्राथमिकता देती थी। वहीं, पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

संघमित्रा एक्सप्रेस में महिला को हुई प्रसव पीड़ा

जबलपुर, देशबन्धु। बेंगलुरु से दानापुर जा रही संघमित्रा एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला को प्रसव पीड़ा हुई। जिसके बाद जबलपुर स्टेशन पर ट्रेन को रोका गया। रेलवे स्टाफ और डॉक्टरों की टीम ने ट्रेन में ही डिलीवरी कराई, महिला ने एक स्वस्थ बच्चे ने जन्म दिया। यात्रियों ने रेलवे की इस पहल को सराहा।

बताया जाता है कि मीना कुमारी नाम की एक महिला, जो बिहार के मोतिहारी की रहने वाली है, संघमित्रा एक्सप्रेस में यात्रा कर रही थी। सफर के दौरान उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई, मीना कुमारी की परेशानी को उनके परिवार वालों ने कोच अटेंडर को बताया, कोच अटेंडर ने तुरंत जबलपुर रेलवे स्टेशन को इसकी सूचना दी, जब ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, तो एम्बुलेंस पहले से ही वहां तैयार थी। ट्रेन के रुकते ही रेलवे स्टाफ ने तुरंत महिला को कोच से नीचे उतारा, लेकिन महिला की हालत उस समय काफी गंभीर थी।

108 एम्बुलेंस के डॉक्टर और उनकी टीम ने तुरंत प्लेटफॉर्म पर ही पर्दे की व्यवस्था की, उन्होंने वहीं पर महिला की सुरक्षित डिलीवरी कराई। महिला ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। बच्चे के जन्म के बाद, एम्बुलेंस से जच्चा और बच्चा दोनों को स्टेशन से जबलपुर के रानी दुर्गावती अस्पताल ले जाया गया, डॉक्टरों ने बताया कि दोनों की हालत स्थिर है।

पश्चिमी विक्षोभ से मौसम का मिजाज हुआ नरम

उमस और चुभने वाली धूप से मिली राहत

अगले चौबीस घंटे में गरज-चमक के बीच बारिश या बौछार का पूर्वानुमान

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के आधे से ज्यादा जिलों में मौसम का मिजाज नरम हो गया है। इससे जहां तेज गर्मी और गरम हवा से राहत है, वहीं बीच-बीच में तेज हवाओं के साथ बूंदा-बांदी हो रही है। वैसे इस बार बीते कुछ दिनों को छोड़ दिया जाये तो चुभने या बेचैनी पैदा करने वाली गर्मी महसूस नहीं की गई है।

मौसम विभाग के जानकारों का कहना है कि चूंकि इस बार केरल और दूसरी समुद्रीय राज्यों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण मानसून पूर्व हलचलें तेज हो गई हैं, इसीलिये जबलपुर के साथ आस-पास के जिलों में सुबह से शाम के बीच कई बार आसमान में बदली छा जाती है। सूरज की तेज किरणों का असर बादलों के कारण कम हो रहा है।

शाम के समय अक्सर हवाएं तेज चलने लगती हैं। रविवार को भी दिन भी इसी तरह मौसम का मिजाज बना था, कई बार लंबे समय के लिये बादल छाये रहे। इससे लोग दोपहर के समय बिना किसी परेशानी के अपने कामों के सिलसिले में घरों से बाहर निकले।

स्थानीय वेधशाला के अनुसार 11 मई को जबलपुर का अधिकतम तापमान 39.2 जो सामान्य से 2 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 26.2 जो सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस कम था। इसी से समझा जा सकता है कि अभी गरमी के तेवर शांत पड़ गये हैं। अभी पश्चिमी हवाएं छ किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चल रही हैं।

इधर अगले चौबीस घंटे में संभाग के जिलों में कहीं-कहीं पर हवाओं और गरज चमक के बीच बारिश या बौछार पड़ने की संभावना है। आने वाले दिनों में भी गर्मी से राहत के आसार बताये जा रहे हैं।

आम जनों के हिसाब से राहत देने वाली खबर मानी जा सकती है। अकेले जबलपुर नहीं बल्कि मंडला, शहड़ोल, रीवा, कटनी, नरसिंगपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, मंडला, नर्मदापुरम आदि जिलों में भी इसी तरह मौसम का हाल बना हुआ है।

दबंगों का विरोध करने पर युवक को बेरहमी से मारा

शहडोल,देशबन्धु। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ दबंगों ने बुरी तरह मारपीट की। मारपीट करने के बाद युवक का

अपहरण कर आरोपी उसे अपने साथ ले गए और कार में दोबारा मारपीट की। इस दौरान गांव के एक व्यक्ति ने कार को देखकर सड़क पर अपने वाहन को रोका और दबंगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया, इसके बाद पीड़ित युवक को उसके घर पहुंचाया गया। युवक को गंभीर चोटें आई हैं। दबंगों ने पीड़ित से कहा कि थाना प्रभारी हमारा रिश्तेदार है, हमारा कोई भी कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा।

युवक ने बताया कि विवाद केवल इतना था कि अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर उसके घर के सामने से गुजर रहे थे। इसका उसने विरोध किया था। जिससे दबंग नाराज हो गए और अकेला पाकर युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। पीड़ित युवक तैयब खान पिता नासिर (26) ने बताया कि वह गोहपारू थाना क्षेत्र के बरहा गांव का रहने वाला है। राजेश सिंह, देवेंद्र ठाकुर, सूर्या सिंह गांव के दबंग लोग हैं। पीड़ित युवक का आरोप है कि ये सभी मिलकर पास के नदी-नालों से रेत का अवैध उत्खनन कर दिन-रात गांव में इसका परिवहन करते हैं।

देशबन्धु 68 वर्ष

देशबन्धु संस्करण को 68वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं

हामिद मंसूरी
प्रदेश प्रतिनिधि
कांग्रेस

मान. लखन घनघोरिया
कांग्रेस विधायक
पूर्व क्षेत्र

J.B.F.A

जबलपुर ब्रॉयलर फार्मर्स एसोसियेशन

मुर्गा छोटा	- रु. 136
मुर्गा मीडियम	- रु. 130
मुर्गा बड़ा	- रु. 122
मुर्गा जम्बो	- रु. 122

मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर	- रु. 118
मीडियम ब्रॉयलर	- रु. 126
छोटा ब्रॉयलर	- रु. 132

मो.- 9039925999

एएसआई पर किया गया हमला

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल में एक और पुलिस पर हमले का मामला सामने आया है। कोतवाली थाने के एएसआई सुरेश कुमार अहिरवार के साथ गुरुनानक चौक पर एक युवक ने मारपीट की। घटना शनिवार की है, जब एएसआई प्रभात गश्त पर थे। पीड़ित एएसआई ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी गौरव मिश्रा के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने, मारपीट और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। एएसआई ने देखा कि गुरुनानक चौक पर एक कार सड़क पर खड़ी होने से यातायात बाधित हो रहा था। उन्होंने कार चालक को रोका तो आरोपी गौरव मिश्रा ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। इतना ही नहीं, आरोपी ने एएसआई के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

आरोपी ने एएसआई का मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। आसपास के लोगों के जमा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।

NH नेशनल हॉस्पिटल

स्थान- 703, गोलबाजार, जबलपुर
फोन नं.: 0761- 2412612, 2414612

C.G.H.S., C.S.M.A., E.S.I.C. एवं आयुष्मान द्वारा मान्यता प्राप्त

सुपर स्पेशिलिटी विभाग

● हृदय रोग (एंजियोग्रॉफी, एंजियोप्लॉस्टी, पेसमेकर) ● न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी (लकवा, मिर्गी, मूवमेन्ट डिसआर्डर, स्पाईन सर्जरी, हेड इन्जरी, ब्रेन ट्यूमर) ● यूरोलॉजी (मूत्र के सभी रोगों का इलाज एवं ऑपरेशन, प्रोस्टेड के ऑपरेशन लेजर द्वारा किडनी की पथरी के ऑपरेशन) ● शल्य चिकित्सा (हर्निया, अपेन्डिक्स, पाईल्स, फिस्टुला व आंतों में छेद एवं पेट के सभी ऑपरेशन) ● हड्डी रोग (हिप एवं नी रिप्लेशमेन्ट) ● छाती रोग ● नेफ्रोलॉजी (डायलिसिस) ● स्त्री रोग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) ● नेत्र रोग ● शिशु रोग

28 वर्षो से जहर, सर्पदंश, डेंगू, एक्सीडेंट, ट्रामा एवं अन्य एम.एल.सी. के मरीजों में सर्वाधिक जीवन रक्षा का कीर्तिमान